■ वर्ष-23 ■ अंक-232
■ पृष्ठ-8 ■ मूल्य-2.00

भोपाल

■ मंगलवार ■ 24 मार्च 2026

चैत्र शुक्ल पक्ष षष्ठी
विक्रम संवत्-2083

E-mail
dainiksamayjagat@gmail.com
insmjagat@gmail.com

प्रधान संपादक : अशोक त्रिपाठी

दैनिक
समय जगत

भोपाल, दिल्ली, म.प्र., उ.प्र. और अन्य राज्यों से एक साथ प्रकाशित

एक संदेश-पूरा देश

म.प्र. के सर्वाधिक केंद्रों तक प्रसारित प्रदेश का एकमात्र समाचार पत्र

ईश्वर से अधिक मूल्यवान दुनिया में कुछ भी नहीं...

माँ कात्यायनी

चन्द्रहासोज्जवलकरा
शार्दूलावरवाहना।
कात्यायनी शुभं दद्यादेवी दानव
घातिनी॥

श्री दुर्गाका षष्ठम् रूप श्री कात्यायनी। महर्षि कात्यायन की तपस्या से प्रसन्न होकर आदिशक्ति ने उनके यहां पुत्री के रूप में जन्म लिया था। इसलिए वे कात्यायनी कहलाती हैं। नवरात्रि के षष्ठम दिन इनकी पूजा और आराधना होती है। इनकी आराधना से भक्त का हर काम सरल एवं सुगम होता है। चन्द्रहास नामक तलवार के प्रभाव से जिनका हाथ चमक रहा है, श्रेष्ठ सिंह जिसका वाहन है, ऐसी असुर संहारकारिणी देवी कात्यायनी कल्यान करें।

वंचितों के सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध रहे लोहिया : मोदी

नई दिल्ली। देश के प्रखर समाजवादी चिंतक, सप्त क्रांति के प्रणेता और महान स्वतंत्रता सेनानी डॉ. राम मनोहर लोहिया की जयंती के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित देश के शीर्ष नेतृत्व ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। सोमवार को सोशल मीडिया और विभिन्न माध्यमों से नेताओं ने डॉ. लोहिया के विचारों को याद करते हुए उन्हें सामाजिक न्याय की बुलंद आवाज बताते हुए कहा कि गरीबों और वंचितों के सशक्तिकरण के प्रति वे हमेशा ही प्रतिबध्द रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी पोस्ट में डॉ. लोहिया के बहुआयामी व्यक्तित्व को रेखांकित किया।

उन्होंने कहा कि राम मनोहर लोहिया एक उत्कृष्ट विचारक थे, जिन्होंने न केवल औपनिवेशिक शासन के खिलाफ देश को एकजुट किया, बल्कि आजादी के बाद भारत की प्रगति की रूपरेखा तैयार करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पीएम ने जोर देकर कहा कि गरीबों और वंचितों के सशक्तिकरण के प्रति लोहिया जी की अटूट प्रतिबद्धता आज की पीढ़ी के लिए प्रेरणा का सबसे बड़ा स्रोत है। उन्होंने विशेष रूप से लैंगिक समानता और सहभागी शासन पर लोहिया के प्रगतिशील विचारों की सराहना की। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने डॉ.

लोहिया को याद करते हुए कहा कि वे आजीवन समानता, शिक्षा और स्वभाषा (अपनी भाषा) के लिए कटिबद्ध रहे। शाह के अनुसार, लोहिया जी ने सामाजिक जीवन में शुचिता के जो आदर्श स्थापित किए, वे आज भी राजनीति के लिए अनुकरणीय हैं।

वहीं, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने डॉ. लोहिया को सामाजिक न्याय का प्रतीक बताया और कहा कि उनका पूरा जीवन वंचितों को मुख्यधारा में लाने के लिए समर्पित था। श्रद्धांजलि देने वालों के इस क्रम में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने भी उनके संघर्षों को मार्गदर्शक बताया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि डॉ. लोहिया ने समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाने का जो मार्ग दिखाया, वह एक समावेशी भारत के निर्माण का आधार है। इस अवसर पर विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने भी उन्हें नमन किया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, मध्य प्रदेश के सीएम मोहन यादव, राजस्थान के सीएम भजन लाल शर्मा, हरियाणा के नायब सिंह सैनी और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अपने संदेशों में लोहिया जी के सपनों का भारत बनाने के संकल्प को दोहराया। डॉ. राम मनोहर लोहिया के विचार न केवल राजनीति, बल्कि समाज सुधार के क्षेत्र में भी मील का पत्थर माने जाते हैं। आज पूरा देश उनके बताए गए समानता और न्याय के मार्ग पर चलने का संकल्प ले रहा है, जिससे एक सशक्त और भेदभाव रहित राष्ट्र की परिकल्पना को साकार किया जा सके।

प्रधानमंत्री ने शहीद दिवस पर भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को किया नमन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शहीद दिवस के अवसर पर देश की आजादी के लिए अपने प्राण न्योछावर करने वाले महान क्रांतिकारी भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा किए गए एक संदेश में प्रधानमंत्री ने कहा कि इन वीर सपूतों का बलिदान भारत की सामूहिक स्मृति में हमेशा अंकित रहेगा और आने वाली पीढ़ियों को राष्ट्र सेवा के लिए प्रेरित करता रहेगा। प्रधानमंत्री ने अपने पोस्ट में क्रांतिकारियों के अदम्य साहस को रेखांकित करते हुए लिखा कि बेहद अल्पायु में ही उन्होंने असाधारण वीरता और भारत की स्वतंत्रता के प्रति अटूट निष्ठा का परिचय दिया था। औपनिवेशिक शासन की दमनकारी शक्तियों से तनिक भी विचलित हुए बिना, इन नायकों ने दृढ़ संकल्प के साथ बलिदान का मार्ग चुना और राष्ट्र को अपने प्राणों से भी ऊपर रखा। प्रधानमंत्री के अनुसार, न्याय, देशभक्ति और निर्भीक प्रतिरोध के उनके आदर्श आज भी करोड़ों भारतीयों के हृदय में प्रेरणा की ज्योति प्रज्वलित कर रहे हैं। इस गौरवशाली अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने एक वीडियो संदेश भी साझा किया। उन्होंने भावुक स्वर में कहा कि आज इतने दशकों बाद भी भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव के बलिदान की गाथा देश के बच्चे-बच्चे की जुबान पर है।

यह गाथा हमें देश के लिए दिन-रात मेहनत करने की ऊर्जा देती है। श्रीमद्भागवत गीता के श्लोक नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि देश के लिए मर-मिटने वाले अमर हो जाते हैं; उन्हें शस्त्र काट नहीं सकते और अग्नि जला नहीं सकती। वे प्रेरणा के पुष्प बनकर पीढ़ी दर पीढ़ी अपनी सुगंध बिखेरते रहते हैं। उल्लेखनीय है कि भारत में हर साल 23 मार्च को शहीद दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसी दिन वर्ष 1931 में अंग्रेजी हुकूमत ने भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को फांसी दी थी।

सांबा में देर रात हुए विस्फोट में कई घरों के शीशे टूटे

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले के घगवाल इलाके में रविवार देर रात तेज धमाके से हड़कंप मच गया। लोअर हरसाथ गांव में हुए इस धमाके से पूरे इलाके में दहशत फैल गई। हालांकि इस घटना में कोई जानी नुकसान नहीं हुआ, लेकिन विस्फोट इतना तेज था कि आसपास के कई घरों के शीशे टूट गए। मीडिया रिपोर्ट में अधिकारियों ने बताया कि यह विस्फोट अंतर्राष्ट्रीय सीमा से करीब 10 किलोमीटर दूर घगवाल सेक्टर में स्थित गावाला तालाब में पूर्व सरपंच जयराम शर्मा के घर के मेनगेट के पास रात करीब दो बजे हुआ। उन्होंने बताया कि विस्फोट से मुख्य द्वार और चारदीवारी का एक हिस्सा ढह गया। इस धमाके में कोई हताहत नहीं हुआ। घटना के बाद इलाके में सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गई हैं और पूरे क्षेत्र की घेराबंदी कर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर ली है।उन्होंने बताया कि फॉरेंसिक विशेषज्ञों की टीम ने घटनास्थल का दौरा किया और घटनास्थल से नमूने लिए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक में लिए गए निर्णय

6,940 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की दी मंजूरी

समय जगत, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक सोमवार को मंत्रालय में सम्पन्न हुई। मंत्रि-परिषद ने 6,940 करोड़ रुपये के विभिन्न निर्माण और विकास कार्यों और उनकी निरंतरता की स्वीकृति दी गयी है। मंत्रि-परिषद ने रीवा जिले की महाना माइक्रो सिंचाई परियोजना के निर्माण के लिए 82 करोड़ 39 लाख रूपये की स्वीकृति के अलावा शासकीय सेवकों और पेंशनर्स के लिए 1 जुलाई 2025 से 3 प्रतिशत महंगाई भत्ते की वृद्धि करते हुए 58 प्रतिशत के मान से महंगाई भत्ता स्वीकृत किया है। मंत्रि-परिषद ने अन्य पिछड़ा वर्ग के युवाओं के लिए शौर्य संकल्प प्रशिक्षण योजना के संचालन की स्वीकृति सहित अनेक कल्याणकारी प्रस्तावों को मंजूरी दी है। मंत्रि-परिषद द्वारा राज्य शासन के सातवें वेतनमान प्राप्त कर रहे शासकीय सेवकों को 1 जुलाई, 2025 से 03 प्रतिशत की वृद्धि करते हुये कुल 58 प्रतिशत के मान से मंहगाई भत्ता स्वीकृत किया गया। छठवें वेतनमान के कार्मिकों एवं निगम / मंडल / उपक्रम के राज्य शासन में प्रतिनियुक्ति पर राज्य शासन में कार्यरत पांचवें एवं चौथे वेतनमान अंतर्गत कार्मिकों को समानुपातिक आधार पर मंहगाई भत्ता में वृद्धि के लिए वित्त विभाग को अधिकृत किया गया। स्वीकृति अनुसार 1 जुलाई, 2025 से 31 मार्च, 2026 तक की एरियर राशि का भुगतान छः समान किश्तों में किया जायेगा। प्रथम किश्त का भुगतान मई माह में, द्वितीय किश्त का भुगतान माह जून में, तृतीय किश्त का भुगतान माह जुलाई में, चतुर्थ किश्त का भुगतान माह अगस्त में, पांचवी किश्त का भुगतान माह सितम्बर में और छठवी किश्त का भुगतान माह अक्टूबर में किया जायेगा।

एक जनवरी, 2025 से 31 मार्च, 2026 की अवधि में सेवानिवृत और मृत शासकीय सेवकों के संबंध में उन्हें अथवा नामांकित सदस्य को एरियर राशि का भुगतान एकमुश्त किया जायेगा। राज्य शासन के पेंशनर्स और परिवार पेंशनर्स को 01 जनवरी, 2026 से सातवें वेतनमान अंतर्गत 58 प्रतिशत एवं छठवें वेतनमान अंतर्गत 257 प्रतिशत पेंशन राहत स्वीकृत करते हुये छत्तीसगढ़ शासन के 9 फरवरी, 2026 के पत्र पर सहमति प्रदान की गई। मंत्रि-परिषद द्वारा रीवा जिले की महाना माईक्रो सिंचाई परियोजना की लागत 82 करोड़ 39 लाख रूपये की स्वीकृति प्रदान किये जाने का निर्णय लिया गया है। इस परियोजना से कुल 4500 हैक्टेयर में सिंचाई सुविधा का लाभ होगा। रीवा जिले की जवा एवं त्योंथर तहसील के 18 ग्रामों के लगभग 950 कृषक परिवार लाभान्वित होंगे। मंत्रि-परिषद् द्वारा प्रदेश के अन्य पिछड़े वर्ग के युवक-युवतियों को सैन्य बल एवं अन्य समकक्ष सुरक्षा बलों/पुलिस/होमगार्ड एवं निजी सुरक्षा एजेंसियों में भर्ती के लिए सक्षम बनाने लिए शौर्य संकल्प प्रशिक्षण योजना 2026 का संचालन किये जाने की स्वीकृति प्रदान की गई है। स्वीकृति अनुसार प्रतिवर्ष अन्य पिछड़े वर्ग के 4000 युवाओं को सैन्य बल एवं अन्य समकक्ष सुरक्षा बलों में भर्ती के लिए आवासीय प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। प्रशिक्षण अवधि में पात्र पुरूष अभ्यर्थी को 1 हजार रूपये प्रति माह तथा महिला अभ्यर्थी को 1100 रूपये प्रति माह की दर से शिष्यवृत्ति भी उपलब्ध कराई जायेगी।

स्वीकृति अनुसार प्रदेश के 10 स्थानों पर स्थापित 40 केन्द्रों पर महिला एवं पुरूष अभ्यर्थियों को पृथक-पृथक प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा। इसमें न्यूनतम 35 प्रतिशत सीट महिला अभ्यर्थियों द्वारा भरी जायेगी। इसके अंतर्गत निःशुल्क आवासीय एवं भोजन व्यवस्था तथा अध्ययन सामग्री प्रदान की जायेगी। मंत्रि-परिषद ने सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग अंतर्गत दिव्यांगता के क्षेत्र में संचालित संस्थाओं में अतिथि शिक्षकों को स्कूल शिक्षा विभाग के अतिथि शिक्षक वर्ग-1 के समरूप प्रतिमाह 18 हजार रूपये मानदेय दिया जाने का निर्णय लिया गया है।

पाकिस्तान में पेट्रोल हुआ 300 रुपए के पार

इस्लामाबाद। मध्य पूर्व में गहराते सैन्य संघर्ष और ईरान युद्ध के कारण वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल आने का डर है। इस संकट से पाकिस्तान भी अछूता नहीं है। ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला पर मंडराते खतरे को देखते हुए पाकिस्तान सरकार ने कड़े आर्थिक फैसले लेने शुरू कर दिए हैं। पाकिस्तानी सरकार ने हाई-ऑक्टेन प्रीमियम पेट्रोल पर पेट्रोलियम डेवलपमेंट लेवी में भारी बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी है। इस टैक्स को 100 रुपए प्रति लीटर से बढ़ाकर सीधा 300 रुपए प्रति लीटर कर दिया गया है।

आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक 200 रुपए प्रति लीटर की यह बढ़ोतरी विशेष रूप से हाई-एंड इम्पोर्टेड कारों का इस्तेमाल करने वाले अमीर वर्ग को ध्यान में रखकर की गई है। सरकार का अनुमान है कि इस टैक्स से खजाने में हर महीने करीब 9 अरब रुपए का अतिरिक्त राजस्व आएगा। पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ ने इस नीति का बचाव करते हुए स्पष्ट किया है कि आम जनता द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले सामान्य पेट्रोल की कीमतों पर इसका कोई असर नहीं पड़ेगा और इसका बोझ केवल आर्थिक रूप से संपन्न लोग ही उठाएंगे। एक ताजा रिपोर्ट ने सरकार को आगाह किया है कि अगर ईरान और पश्चिमी देशों के बीच चल रहे सैन्य टकराव के कारण स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में

कोई भी बाधा आती है, तो पाकिस्तान में भारी आर्थिक उथल-पुथल मच सकती है। पाकिस्तान एक्सपोजर ने रिपोर्ट में चेतावनी दी है कि खाड़ी क्षेत्र में पनपा कोई भी भू-राजनीतिक तनाव पाकिस्तान के लिए एक घरेलू वित्तीय संकट का रूप ले सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक होर्मुज में अगर हल्की सी भी रुकावट आती है, तो कुछ ही महीनों में पाकिस्तान की महंगाई दर 9फीसदी के करीब पहुंच सकती है। गंभीर झटके की स्थिति में यह 12फीसदी के आंकड़े को भी पार कर जाएगी। ऊर्जा संकट के बीच पाकिस्तान में बढ़ती तेल की कीमतें, माल ढुलाई का खर्च, युद्ध-बीमा प्रीमियम और टैक्स मिलकर घरेलू बाजार में ईंधन की कीमतों में आग लगा देंगे। रक्षा और आर्थिक विश्लेषकों का मानना है कि विशेष रूप से हाई-स्पीड डीजल, जो ट्रांसपोर्ट, कृषि और खाद्य आपूर्ति श्रृंखला की रीढ़ है, वह महंगाई को सबसे ज्यादा बढ़ाएगा।

सियासत | **भाजपा पर साधा जा रहा है निशाना**

टीएमसी से विधानसभा चुनाव में बंगाली अस्मिता को बनाया आधार

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 का बिगुल बज चुका है। सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर बीजेपी से मुकाबला करने के लिए खास तैयारी की है। जहां बीजेपी की केंद्रीय टीम डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए कैंपेन में जुटी है वहीं टीएमसी ने इसे स्थानीय स्तर पर हैंडल करने की योजना पर काम कर रही है। टीएमसी ने जमीन पर और ऑनलाइन प्लेटफार्म पर अपनी कल्याणकारी योजनाओं के बारे में लोगों तक अपनी पहुंच भी बढ़ाई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीएम ममता बनर्जी की टीएमसी ने टीम का कहना है कि वह अपने कैंपेन में अपना बंगाल बनाम बांग्ला पर कब्जा को आधार बना रहे हैं। यूं कहें कि टीएमसी अपने डिजिटल कैंपेन में बांग्ला अस्मिता को उभार देती दिख रही है। टीएमसी मैसेज दे रही है कि अगर बीजेपी सत्ता में आ गई तो बांग्ला विरोधी एजेंडा चलाएगे। इस अभियान को अंजाम तक पहुंचाने के लिए टीएमसी वाट्सऐप ग्रुप का सहारा ले रही है। इस नेटवर्क में पूरे पश्चिम बंगाल में 1.5 लाख से ज़्यादा ग्रुप और एक करोड़ से ज़्यादा लोग जोड़े गए हैं। इन ग्रुप्स में चुनावी सामग्री को तेजी से और बेहद व्यवस्थित तरीके से फैलाया जा रहा है। पार्टी का दावा है कि अक्टूबर 2020 में लॉन्च किए गए 'दीदिर दूत यानी दीदी के दूत' मोबाइल ऐप के जरिए वह अपने कार्यकर्ताओं और

समर्थकों के साथ लगातार सीधे तौर पर जुड़ी हुई हैं। इस ऐप को 18 लाख से ज्यादा बार डाउनलोड किया जा चुका है। बताया जाता है कि इसके करीब 1.3 लाख रोजाना एक्टिव यूजर्स और करीब 7.3 लाख हर महीने एक्टिव यूजर्स हैं। यह ऐप लोगों को जोड़ने और उन्हें सक्रिय करने, दोनों तरह के काम करता है। इसमें यूज़र्स को काम सौंपे जाते हैं, उन्हें पल-पल की जानकारी मिलती है, वे इंटरैक्टिव क्विज में भाग ले सकते हैं और इसमें ऐसे गेम जैसे फीचर्स भी हैं, जिनका मकसद यूजर्स को चुनाव प्रचार से जुड़ी गतिविधियों में लगातार जोड़े रखना है।

टीएमसी की आईटी सेल के प्रमुख देबांशु भट्टाचार्य ने कहा कि हमारी रणनीति सीधी-सादी है। हम सच बोल रहे हैं, जबकि बीजेपी झूठ फैला रही है। हमारी पार्टी के कार्यकर्ता जमीन पर भी और इंटरनेट पर भी, हर जगह सक्रिय हैं। सड़कों से लेकर इंटरनेट तक।' उन्होंने आरोप लगाया कि बंगाल को निशाना बनाने वाले बीजेपी के डिजिटल अभियानों का एक बड़ा हिस्सा ऐसे लोगों की तरफ से चलाया जाता है जो राज्य के बाहर रहते हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक संगठनात्मक स्तर से परे, टीमएसी के अंदरूनी सूत्रों ने इस अभियान के भावनात्मक पहलू पर भी जोर दिया। उन्होंने उन बातों की ओर इशारा किया, जिन्हें बीजेपी की ओर से बंगाल को नकारात्मक रोशनी में दिखाने की बार-बार की जाने वाली कोशिशें बताते हैं, जिसमें राजनीतिक भाषणों में 'घुसपैठिया' जैसे शब्दों का इस्तेमाल भी शामिल है। उन्होंने कहा कि टीएमसी, गरिमा, पहचान और बंगाली अस्मिता से जुड़े सवालों को सामने लाकर इसका जवाब देना चाहती है और इस चुनाव को सिर्फ़ राजनीतिक सत्ता के लिए एक मुकाबले से कहीं ज़्यादा के तौर पर पेश कर रही है। भट्टाचार्य ने कहा कि यह प्यार और जीतने की चाहत के बीच का फर्क है। उन्होंने तर्क दिया कि वोटर इस बात में फर्क कर सकते हैं कि वे किसे बंगाल से असली प्यार है और किसे सिर्फ चुनावी प्यार। जनता को समझाना है कि बीजेपी अहंकार से भरी कोशिश कर रही है।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान की जिले में हुई शानदार शुरुआत

प्रशिक्षण वर्ग में भाजपा जिला अध्यक्ष राकेश शर्मा ने पार्टी के इतिहास और विकास पर रखे अपने विचार

समय जगत, रायसेन। पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान 2026 के अंतर्गत गत दिवस जिले के औद्योगिक क्षेत्र मंडीदीप में नगर एवं ग्रामीण मंडल सहित खरवई मंडल में 24 घंटे का प्रशिक्षण वर्ग आयोजित किया गया। जो प्रथम और द्वितीय दो सत्रों में संपन्न हुआ। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष राकेश शर्मा ने मुख्य वक्ता के रूप में शामिल होकर पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं भारत माता के छायाचित्र के समक्ष दीप जलाकर व माल्यार्पण करते हुए प्रशिक्षण वर्ग कार्यक्रमों की शुरुआत की। इसके पश्चात प्रशिक्षण वर्ग के अवसर पर वर्ग गीत एवं वंदे मातरम का गान सामूहिक रूप से किया गया। तत्पश्चात श्री शर्मा का स्वागत किया गया। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष राकेश शर्मा ने कहा कि आज मैं आपके बीच मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुआ , यह प्रशिक्षण वर्ग है। जिससे हमें बहुत कुछ सीखना है, सभी कार्यकर्ताओं को भी सीखना चाहिए। श्री शर्मा ने इतिहास और विकास विषय पर

बोलते हुए कहा कि सन 1947 में हमारा भारत देश आजाद हुआ, इससे पूर्व हम आजाद नहीं थे मुस्लिम तुष्टिकरण के चलते हमारे देश का विभाजन हुआ था उन्होंने कहा कि देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू बने थे, उन्होंने मुस्लिम तुष्टिकरण के चलते देश के लिए कुछ नहीं किया। इसके पश्चात हमारे देश में जनसंघ की स्थापना पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी द्वारा की गई, उन्होंने 1951 में पहला संकल्प लिया था कि इस देश में दो निशान और दो विधान नहीं चल पाएंगे और भारत में एक प्रधानमंत्री होना चाहिए इसके अलावा उनका दूसरा संकल्प था कि भारत के सभी नागरिकों को समान रूप से अधिकार मिले और तीसरा संकल्प उनका यह था कि अयोध्या भूमि पर भगवान राम का भव्य मंदिर निर्माण हो, उन्होंने कहा कि उस समय ज्यादा लोग नहीं थे लगभग 11 लोगों ने कांग्रेस के खिलाफ संकल्प लिया था। इसके बाद पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने कश्मीर जाने के लिए कूच किया और अपने हाथों में तिरंगा लेकर चल पड़े जैसे ही उन्होंने प्रवेश किया तो उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया और वह देश के लिए लड़ाई लड़ते बलिदान हो गए, देश के प्रति उनके द्वारा दिए गए बलिदान को हमेशा याद किया जाएगा । श्री शर्मा ने विचार व्यक्त करते हुए आगे कहा कि इसके बाद राष्ट्र निर्माण की यात्रा शुरू हुई जिसका नेतृत्व पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने किया था, उन्होंने जनसंघ को आगे बढ़ाने का कार्य किया और एकात्मक मानववाद तथा अंतोदय कार्यक्रम की शुरुआत की। पंडित उपाध्याय अंतिम पंक्ति के व्यक्ति को आगे लाने का काम किया । उन्होंने कहा कि 1954 में गोवा आजाद हुआ था जिसमें जनसंघ और अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का योगदान रहा था। इसके बाद 1959 में चीन द्वारा घुसपैठ की जा रही थी परंतु नेहरू जी की तुष्टिकरण की नीति ने कुछ नहीं होने दिया नहीं तो तिब्बत भी आज हमारा ही होता। उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने अपना सारा जीवन सादगी के साथ व्यतीत किया वह अपने पास दो जोड़ी कपड़े रखते थे एक जोड़ी कपड़े धो कर डालते तो फिर दूसरे कपड़े पहनते थे, साथियों पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचार हमारे भीतर उतार कर उनके बताए गए मार्ग पर चलकर कार्य करते रहना है।

चोपना में प्राकृतिक खेती प्रशिक्षण कार्यक्रम हुआ संपन्न

समय जगत, भोपाल। बंगो लोकभारती के तत्वावधान में लक्ष्य पब्लिक स्कूल परिसर चोपना जिला बैतूल में प्राकृतिक खेती विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता, स्वामी विवेकानंद एवं नेताजी सुभाष चंद्र बोस के छायाचित्रों के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। इस अवसर पर उपस्थित सभी अतिथियों एवं किसानों ने राष्ट्रनायकों को नमन करते हुए कार्यक्रम की शुरुआत की। प्रशिक्षण सत्र में कृषि विज्ञान केंद्र बैतूल बाजार के कृषि वैज्ञानिक डॉ. एस. के. तिवारी ने प्राकृतिक खेती के महत्व एवं उसकी विधियों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने रासायनिक खेती के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग से खेती करने के लाभ समझाए। साथ ही उन्होंने विशेष रूप से घन जीवामृत, जीवामृत एवं नीमास्त्र के उपयोग पर जोर देते हुए बताया कि ये प्राकृतिक खेती के प्रमुख घटक हैं, जो भूमि की उर्वरता बढ़ाने, सूक्ष्म जीवों की सक्रियता को बढ़ाने तथा कीट नियंत्रण में अत्यंत प्रभावी हैं। सेवानिवृत्त उपसंचालक उद्यानिकी विभाग सर्वेश तिवारी ने प्राकृतिक खेती के साथ वृक्षारोपण के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने वृक्षारोपण की सही समयावधि एवं वैज्ञानिक पद्धतियों की जानकारी देते हुए किसानों को बहुउद्देशीय वृक्ष लगाने की सलाह दी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी एवं पत्रकार एम. पी. व्यास ने अपने उद्बोधन में विषमुक्त कृषि के लाभों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती न केवल किसानों की आय बढ़ाती है, बल्कि परिवार एवं समाज को स्वस्थ जीवन प्रदान करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। प्रदेश संयोजक बंगो लोक भारती संजीव रॉय ने किसानों को संबोधित करते हुए

प्राकृतिक खेती को अपनाने और चोपना क्षेत्र में एक सशक्त क्लस्टर निर्माण करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने समूह आधारित कार्य प्रणाली को बढ़ावा देने की बात कही और प्राकृतिक खेती को धार्मिक एवं ईश्वरीय कार्य बताते हुए सभी को संकल्प दिलाया। विशेष अतिथि के रूप में वरिष्ठ पत्रकार राजकुमार द्विवेदी भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। अनुभव कथन में मृणाल चौधरी ने बताया कि प्राकृतिक खेती में सफलता प्राप्त करने के लिए धैर्य, लगन एवं निरंतर प्रयास आवश्यक हैं। कार्यक्रम का संचालन जिला संयोजक मधुमंगल सरकार ने किया। इस अवसर पर संजीव राय, राजेश सरकार, रणवीर विश्वास, विष्णुपद हालदार, रमेश सरकार, दिवाकर हालदार, कृष्णपाद बैरागी, साधुचरण सरकार, सुभाष सरकार, मणिशंकर, सुकुमार विश्वास, शैलेन्द्र मंडल, दिनेश हालदार, विश्वजीत विश्वास, उत्तम सिंह, उत्तम मंडल, गोपाल बढ़ाई, सुरेश सरदार, अनुज सरकार, रामकृष्ण सरकार, निमाई देवान एवं विजय मिस्त्री सहित बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे, जिसमें जनजातीय गांवों के एक दर्जन से ज्यादा किसान शामिल हुए।

संक्षिप्त समाचार

जमना सेन बने भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष

समय जगत, रायसेन। भाजपा मध्य प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की सहमति एवं भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष पवन पाटीदार ,पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं विधायक डॉ प्रभुराम चौधरी ,भोपाल संभाग प्रभारी डॉ तेज बहादुर सिंह ,रायसेन जिला प्रभारी श्रीमती राजो मालवीय, भाजपा जिला अध्यक्ष राकेश शर्मा की अनुशंसा पर रायसेन निवासी भाजपा के वरिष्ठ नेता पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष विधायक प्रतिनिधि चुनरी वाले भैया के नाम से प्रसिद्ध समाजसेवी जमना सेन को भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा का प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति पर प्रदेश भाजपा कार्यकर्ताओं में हर्ष व्याप्त है। सभी कार्यकर्ताओं ने प्रदेश नेतृत्व का आभार मानते हुए नवनियुक्त प्रदेश उपाध्यक्ष जमना सेन को बधाई दी है। रायसेन में देर रात श्री सेन के पहुंचने पर उनके निवास पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी करके एवं फूल माला से स्वागत करते हुए मिठाई बांटी। इस अवसर पर भाजपा के कई नेता और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

मगरधा में खोला जाए नवीन शासकीय कॉलेज : राघवेंद्र पारे

समय जगत, हरदा। मगरधा आदिवासी बाहुलय क्षेत्र से लगा हुआ है, जो हरदा जिला मुख्यालय से 25 किलोमीटर दूर है। आदिवासी क्षेत्र के लोगों को हरदा जाने में बाया मगरधा पास पड़ता है ।आदिवासी क्षेत्र के आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों को 12वीं तक की शिक्षा प्राप्त करने के लिए मगरधा ही आना पड़ता है , मगरधा क्षेत्र के आदिवासी आसपास के लगे गांवों के स्थानीय निवासियों अभिभावकों और छात्र-छात्राओं तथा समाजसेवी राघवेंद्र पारे ने मगरधा में नए शासकीय कॉलेज कला वाणिज्य साइंस की स्थापना की पुरजोर मांग की है। मगरधा आदिवासी बहुल क्षेत्र के लोगों एवं जनप्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री, उच्च शिक्षा मंत्री, जिला कलेक्टर के नाम पत्र लिखकर जल्द ही कॉलेज खुलवाने की मांग की है। इस क्षेत्र में 12वीं के बाद उच्च शिक्षा के लिए यहां कोई सरकारी कॉलेज नहीं है, जिससे विशेषकर इस क्षेत्र के छात्र-छात्राओं को पढ़ाई छोड़ना पड़ रहा है। इस आदिवासी क्षेत्र के छात्रों को अच्छी शिक्षा के लिए तीस, चालीस किलोमीटर दूर शहर जाना पड़ता है, जो गरीब परिवारों के लिए आर्थिक रूप से कठिन है।

जल हम बचा सकते हैं, बना नहीं सकते, इसलिए पर्यावरण संरक्षण है जरूरी : रेखा विश्नोई

समय जगत, हरदा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने विश्व जंगल दिवस वर्ल्ड फॉरेस्ट डे पर पौधे एवं जल की साफ सफाई के लिए अभियान चलाया। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर एवं प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष अरविंद रघुवंशी के निर्देश एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण चंद्रशेखर राठौर एवं विधि सेवा प्राधिकरण अधिकारी एवं जिला विधिक सहायता अधिकारी सौरभ कुमार दुबे के मार्गदर्शन में वनों का महत्व बताया गया। पैरा लीगल वालेंटियर रेखा विश्नोई ने कहा कि पानी का उपयोग जरूरत के अनुसार करें, क्योंकि जल हम बचा सकते हैं बना नहीं सकते। साथ ही पर्यावरण संरक्षण के बारे में बताया एवं विश्व वन दिवस के अवसर पर विधिक सेवा प्राधिकरण रेखा विश्नोई ने पर्यावरण के बारे में बताया कि वन है तो कल है। अगर वन नहीं रहेंगे तो जीवन संकटमय हो जायेगा।

रतलामी सेव का नाम ही नहीं ,काम भी हो विश्व स्तरीय : मंत्री काश्यप

समय जगत, रतलाम। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग, मध्य प्रदेश शासन द्वारा वन डिस्ट्रिक्ट- वन प्रोडक्ट (ओडीओपी) पहल के अंतर्गत एमपी एमएसएमई (ओडीओपी) प्रगति समिट 2026 का आयोजन सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री चैतन्य काश्यप के मुख्य आतिथ्य में रतलाम में किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि कश्यप ने रतलाम की सेव के व्यवसाय को पहचान दिलाने के लिए किये गये कार्यों एवं रतलामी सेव को विश्व स्तर पर पहचान दिलवाने वाले व्यक्तियों/ व्यावसाइयों की जानकारी देते हुए कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लघु सूक्ष्म एवं मध्यम उद्यम को देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ मानते हैं और स्थानीय उद्यमों के विकास के लिए प्राथमिकता से काम करते हैं। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने उद्योगों के विकास को रफ्तार दी। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने स्थानीय उत्पादों को पहचान दिलाने के लिए प्राथमिकता से काम करते हुए उद्यमियों को प्रदेश मे निवेश के लिए

अनुकूल वातावरण देने के लिए औद्योगिक नीति को सरल बनाया है। उन्होंने उद्यमियों से अनुरोध किया कि वे जिले में आकर रतलाम की सेव के व्यवसाय को आगे बढ़ाने के काम मे सहयोग करे। मध्य प्रदेश सरकार का वादा हैं कि आप एक कदम आगे बढाये, हम हर कदम पर आपके साथ है। एमएसएमई मंत्री चेतन्य कश्यप ने कहा कि रतलाम की प्रसिद्ध सेव को जीआई टैग दिलाने की प्रक्रिया भले ही लंबी रही हो, लेकिन आज भी स्थानीय उद्यमी इसका पूर्ण लाभ नहीं उठा पा रहे हैं। उन्होंने उद्यमियों से अपील की है कि वे जीआई टैग का अधिकतम उपयोग कर अपने उत्पाद को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय बाजार में स्थापित करें।सबका प्रयास हो कि रतलामी सेव का नाम ही नहीं ,काम भी विश्व स्तरीय हो।'एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी)' योजना का मुख्य उद्देश्य जिले के पारंपरिक उत्पादों की ब्रांडिंग और मार्केटिंग कर उन्हें वैश्विक स्तर तक पहुंचाना है। मध्यप्रदेश सरकार के प्रयासों से रतलाम की सेव, शिवपुरी की जैकेट और मुरैना की गजक जैसे उत्पाद प्रदेश की पहचान बन चुके हैं। उन्होंने कहा कि देश के प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा भी कई बार रतलाम की सेव का उल्लेख किया गया है, जिससे इसे अंतर्राष्ट्रीय पहचान मिली है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्य प्रदेश में 'उद्योगों को विकसित करने की दिशा में तेजी से कार्य किया जा रहा है। वर्तमान में राज्य की जीडीपी में कृषि का योगदान लगभग 30-40 प्रतिशत है, जबकि उद्योगों का योगदान करीब 20 प्रतिशत है, जिसे बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है। प्रदेश में औद्योगिक संभावनाओं को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न क्षेत्रीय उद्योग सम्मेलनों का आयोजन किया जा रहा है, जिनमें स्थानीय एवं बाहरी निवेशकों को आमंत्रित किया जा रहा है। इन सम्मेलनों के माध्यम से प्रदेश की क्षेत्रीय पहचान को मजबूत कर नए उद्योगों को आकर्षित कर प्रदेश के उद्योगों का बहुमुखी विकास किया जा रहा है। समिट मे रतलाम की सेव को जी आई टेग दिलवाने वाले शैलेन्द्र गाँधी का मंच पर मंत्री काश्यप एवं रतलामी सेव मंडल के प्रतिनिधियों द्वारा स्वागत कर सम्मानित किया गया । कार्यक्रम का शुभारंभ एमएसएमई मंत्री चैतन्य काश्यप एवं अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। स्वागत उद्बोधन मनोहर पोरवाल अध्यक्ष रतलामी सेव मंडल ने दिया।

जिले के 12 मंडलों में पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण कार्यक्रम किया गया आयोजित

समय जगत, मैहर। मैहर जिले के 12 मंडलों में पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान का आयोजन हुआ। प्रशिक्षण का आयोजन 14 मार्च से 23मार्च तक किया गया। भारतीय जनता पार्टी जिला मैहर के 12 मंडलों में प्रशिक्षण सत्र संपन्न हुआ। प्रशिक्षण वर्ग में भारतीय जनता पार्टी मध्यप्रदेश के प्रशिक्षण के प्रदेश प्रभारी एवं रीवा संभाग के संगठन प्रभारी विजय दुबे एवं भाजपा की प्रदेश उपाध्यक्ष एवं भाजपा के मैहर जिला की प्रभारी नंदिता पाठक प्रशिक्षण के संभाग प्रभारी एवं महापौर योगेश ताम्रकार, सांसद गणेश सिंह विधायक मैहर श्रीकांत चतुर्वेदी, पूर्व मंत्री रामखेलावन पटेल, पूर्व मंडल अध्यक्ष सत्यभान पटेल, मंडल अध्यक्ष विकास तिवारी, कुलदीप तिवारी, मनोज चौरसिया, सूर्य प्रकाश चौरसिया आदि सहित जिला प्रशिक्षण के सभी विषय वक्ताओं के द्वारा प्रशिक्षण के सत्रों में विषय आधारित प्रशिक्षण कार्य मंडलों में किया गया। प्रशिक्षण वर्ग में मंडल कार्य समिति के सदस्य बूथ अध्यक्ष बीएलए टू सहित सभी मोर्चा प्रकोष्ठ के कार्यकर्ताओं ने सहभागिता की। मंडल प्रशिक्षण के सफलतम आयोजन के लिए भाजपा जिलाध्यक्ष श्री सुहाने ने सभी को साधुवाद देते हुए आभार व्यक्त किया।

पांच दिवसीय भूकंप पूर्व तैयारी एवं क्षमता संवर्धन प्रशिक्षण किया जा रहा है आयोजित

राजेश नेमा- समय जगत नरसिंहपुर । नगर पालिका परिषद परिसर स्थित हाल में एवं होमगार्ड परिसर में प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण का प्रशिक्षण आयोजित हो रहा है। जिसमें 23 मार्च से 27 मार्च तक आयोजित हो रहे प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की अध्यक्ष कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशानुसार , डिप्टी कलेक्टर देवंती परते के मार्गदर्शन में मध्य प्रदेश भूकंप पूर्व तैयारी एवं क्षमता संवर्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम में आपदा संबंधित महत्वपूर्ण सुझाव एवं जिले में आपदा संबंधित आने वाली चुनौतियों मुख्यतः बाढ़ से निपटने हेतु पूर्व तैयारी की जानकारी दी गई

एवं नगर पालिका अधिकारी नीलम चौहान के साथ नगर पालिका परिषद में आपदा प्रबंधन से संबंधित होमगार्ड एसडीआरएफ द्वारा लगाई गई आपदा प्रबंधन से जुड़े उपकरणों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया एवं सैनिकों से विचार साझा किए । साथ ही जिले की आपदा प्रबंधन की व्यवस्थाओं को बताया। अतिथि विद्वान भूगोल विभाग प्रोफेसर डॉ एस के उपरेलिया स्कूल के प्रिंसिपल, एसडीआरएफ होमगार्ड, नगरपालिका के कर्मचारियों अधिकारियों, एवं उपस्थित जनों को भूकंप आपदा जोखिम प्रबंधन पर विस्तृत जानकारी दी गई। द्वितीय सत्र में होमगार्ड कार्यालय में प्लाटून कमांडर वीरेंद्र सूर्यवंशी एवं एस डीआरएफ तथा होमगार्ड टीम द्वारा ध्वस्त संरचना खोज एवं बचाव के विषय पर एनसीसी एनएसएस एवं स्वयं सेवी संस्थानों के वॉलिंटियर को विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही आग एवं आग के प्रकार, अग्निशमन यंत्र के प्रकार, उपयोग, बाढ़, इंप्रोवाइज मैथड के बारे में जानकारी दी । तत्पश्चात आपदा प्रबंधन के उपकरणों के माध्यम से भी प्रदर्शनी लगाकर जानकारी दी गई।

भाजपा में वरिष्ठ और लोकप्रिय नेताओं की भूमिका को किया जा रहा है सीमित

उपेक्षा के चलते समर्थकों में पनप रहा है आक्रोश

समय जगत बैतूल। बैतूल भाजपा की राजनीति में इन दिनों एक नाम फिर चर्चा में है–पूर्व जिलाध्यक्ष ब्रम्ह उर्फ 'बबला'। कभी जिले की युवा राजनीति का चेहरा माने जाने वाले बबला की वर्तमान राजनीतिक स्थिति अब सवालों के घेरे में है। लंबे समय से पार्टी द्वारा उन्हें कोई अहम जिम्मेदारी नहीं सौंपे जाने से उनके समर्थकों में असमंजस और नाराजगी दोनों नजर आ रही है। एक दौर था जब बबला का हरफनमौला अंदाज युवाओं के बीच खासा लोकप्रिय था। कोठी बाजार अखाड़े से निकलकर राजनीति में पहचान बनाने वाले बबला जब भी किसी कार्यक्रम में पहुंचते थे, माहौल किसी बड़े नेता के आगमन जैसा बन जाता था। हालांकि मंचीय

भाषणों में वे कभी खास छाप नहीं छोड़ पाए, लेकिन जमीनी पकड़ और युवाओं के बीच उनकी पकड़ को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। इधर, लंबे समय तक उन्हे निगम अध्यक्ष बनाए जाने की चर्चाएं चौक-चौराहों से लेकर पार्टी गलियारों तक गूंजती रही, लेकिन अब वो चर्चाएं अचानक थम सी गई हैं। इससे यह सवाल उठने लगा है कि क्या बबला और उनके समर्थकों को सिर्फ उम्मीदों में उलझाकर रखा गया या फिर संगठन के भीतर ही उनकी भूमिका सीमित कर दी गई है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि बैतूल, जो इन दिनों प्रदेश की सत्ता के कमांड सेंटर के रूप में देखा जा रहा है, वहां किसी पुराने और प्रभावशाली चेहरे को साइडलाइन करना पार्टी के लिए जोखिम भरा कदम साबित हो सकता है। खासकर तब, जब कार्यकर्ताओं के एक वर्ग में बबला के प्रति आज भी भावनात्मक जुड़ाव बना हुआ है। प्रदेश नेतृत्व, खासकर अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के दौर में संगठनात्मक फेरबदल तेज हुए हैं।

लेकिन इसी बीच पुराने नेताओं की उपेक्षा के आरोप भी धीरे-धीरे उभरने लगे हैं। सवाल यह भी उठ रहा है कि क्या नई रणनीति में अनुभवी स्थानीय चेहरों की भूमिका कम होती जा रही है? अब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि क्या पार्टी बबला को कोई नई जिम्मेदारी देकर उनके समर्थकों को संदेश देगी या फिर यह साइलेंट साइडलाइनिंग आगे भी जारी रहेगी।

सांदीपनि मॉडल विद्यालय निवास में केजी से 5वीं तक कक्षाएं शुरू करने की मांग तेज

समय जगत, मंडला। शासकीय सांदीपनि मॉडल विद्यालय, निवास में के.जी.1 से कक्षा 5 तक की कक्षाएं प्रारंभ कराने की मांग को लेकर क्षेत्र में आवाज उठने लगी है। इस संबंध में मंडल अध्यक्ष आकाश पांडे ने सांसद, संसदीय क्षेत्र मंडला को ज्ञापन सौंपकर शासन स्तर से आवश्यक अनुमति दिलाने की मांग की है। ज्ञापन में बताया गया है कि सांदीपनि मॉडल विद्यालय वर्तमान में कक्षा 6वीं से 12वीं तक हिंदी एवं अंग्रेजी माध्यम में संचालित हो रहा है, जबकि शासन की नीति के अनुसार ऐसे विद्यालयों में के.जी.1 से 12वीं तक सभी कक्षाएं संचालित की जानी चाहिए। मंडला जिले में प्राथमिक विद्यालय

जनजातीय कार्य विभाग के अंतर्गत संचालित होने के कारण उन्हें इस विद्यालय में समाहित नहीं किया जा सका है, जिससे अब तक के.जी. से 5वीं तक की कक्षाएं शुरू नहीं हो पाई हैं। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया है कि निवास क्षेत्र आदिवासी बाहुल्य है, जहां छोटे बच्चों के लिए गुणवत्तापूर्ण प्रारंभिक शिक्षा की अत्यधिक आवश्यकता है। वर्तमान में इन कक्षाओं के अभाव में बच्चों को दूरस्थ विद्यालयों में जाना पड़ता है या कई बार अभिभावक उन्हें स्कूल ही नहीं भेज पाते, जिससे उनकी शैक्षणिक नींव प्रभावित हो रही है। आकाश पांडे ने मांग की है कि यदि विद्यालय में प्रारंभिक कक्षाएं शुरू की जाती हैं तो क्षेत्र के सैकड़ों बच्चों को एक ही परिसर में बेहतर शिक्षा मिल सकेगी और क्षेत्र के शैक्षणिक विकास को नई दिशा मिलेगी। उन्होंने सांसद से आग्रह किया है कि इस जनहितकारी विषय पर संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित कर शीघ्र अनुमति प्रदान कराई जाए, ताकि बच्चों का भविष्य संवर सके।

नगर में ओवर ब्रिज निर्माण के नक्शे को लेकर लगातार विरोध जारी, नगर के गणमान्य नागरिकों ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

समय जगत, खिरकिया। नगर में ओवर ब्रिज निर्माण के नक्शे को लेकर लगातार विरोध जारी है। नगर के गणमान्य नागरिकों ने अनुविभागीय ऑफिस पहुंचकर एसडीएम शिवांगी बघेल को ज्ञापन दिया। ज्ञापन में बताया कि नगर परिषद खिरकिया पर यथास्थिति संबंधित नगर परिषद के परामर्श में वर्णित भूमियों का अर्जन करना चाहती है और लोक प्रयोजन के लिए सामाजिक समाघात निर्धारण हेतु भूमि अर्जन पूनर्वास और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकार और पारदर्शिता अधिनियम 2013 कमांक 30 की धारा 04 के प्रावधानों के अनुसार किया जाना है पर आपत्ति दर्ज करायी गयी है। उन्होंने बताया कि लोक निर्माण विभाग सेतू निर्माण उपसंभाग बैतूल के द्वारा रेल्वे ओवर ब्रिज का जो नक्शा तैयार किया है, इस नक्शे में रेल्वे

ओवर ब्रिज जो बताया गया है उचित एवं वैधानिक नहीं है। दुर्घटना की हमेशा आशंका बनी रहेगी। इस नक्शे में यह लेख है कि अर्जनीय भूमि में मंदिर, मस्जिद, कब्रिस्तान, शमशान नहीं आ रहे हैं 7 उक्त नक्शे में ब्रिज की चौकड़ी रोड से लाकर खिरकिया के महाकाल चौक मेन बाजार में उतारा गया है। इस कारण पूरा हैवी ट्राफिक शहर के अंदर से बाजार से होकर निकलेगा, इससे दुर्घटनाएं होंगी। क्यों कि जहां महाकाल चौक मेन बाजार पर यह ब्रिज उतारा जाना बताया गया है उसके बाद छीपाबड़ जाने के लिए रास्ते में कृषि उपज मंडी ,बैंक ,स्कूल ,मार्केट आते हैं, एवं पोखरनी खंडवा रोड पर जाने के लिये रास्ते में अस्पताल, फारेस्ट डिपो, जनपद पंचायत, महिला बाल विकास कार्यालय पशु चिकित्सालय, कृषि विभाग का कार्यालय रेस्ट हाउस अनुविभागीय अधिकारी राजस्व का कार्यालय, सिविल कोर्ट आदि आते हैं।

इनका कहना है–

आपत्ति आवेदन प्राप्त हुआ है, बिंदु बार अवलोकन करेंगे। आपत्ति का भी निराकरण करेंगे।

शिवांगी बघेल, एसडीएम खिरकिया

रानी तालाब मंदिर में उमड़ा आस्था का सैलाब, रामनवमी पर निकलेगी भव्य शोभायात्रा

समय जगत, रीवा। देश-प्रदेश सहित रीवा जिले में इन दिनों चैत्र नवरात्रि की धूम देखने को मिल रही है। जगह-जगह मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना, आरती और धार्मिक आयोजन हो रहे हैं। इसी क्रम में शहर के ऐतिहासिक और आस्था के प्रमुख केंद्र रानी तालाब मंदिर में भी भक्तों का सैलाब उमड़ रहा है। रामनवमी के पावन पर्व को लेकर यहां श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखा जा रहा है। नवरात्रि के पावन दिनों में सुबह से लेकर देर रात तक मंदिर परिसर में भक्तों की लंबी कतारें लगी रहती हैं। खासकर मां कालिका के दर्शन के लिए दूर-दूर से श्रद्धालु यहां पहुंच रहे हैं। मान्यता है कि इस सिद्धपीठ में सच्चे मन से मांगी गई मनोकामना अवश्य पूरी होती है, इसी विश्वास के साथ भक्त माता के दरबार में पहुंचकर पूजा-अर्चना कर रहे हैं। वर्तमान समय में नवरात्रि की पंचमी तिथि चल रही है, लेकिन इसके बावजूद रानी तालाब मंदिर में भारी भीड़ देखने को मिल रही है। सुबह लगभग 11 बजे के आसपास भी मंदिर परिसर में भक्तों की लंबी कतारें लगी रहीं। महिलाएं, पुरुष और बच्चे सभी श्रद्धा भाव से मां कालिका के दर्शन के लिए अपनी बारी का इंतजार करते दिखाई दिए। श्रद्धालुओं का कहना है कि नवरात्रि के नौ दिनों तक यहां इसी तरह की भीड़ बनी रहती है। विशेष रूप से अष्टमी और नवमी के दिन भक्तों की संख्या कई गुना बढ़ जाती है। यही कारण है कि मंदिर प्रशासन भी व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए विशेष इंतजाम करता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को भगवान श्रीराम का जन्म हुआ था। कहा जाता है कि इस दिन मध्यान काल में अयोध्या में भगवान राम का अवतार हुआ था, इसलिए इस दिन को श्रीराम जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है।देशभर में रामनवमी का पर्व बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। विशेष रूप से अयोध्या में इस दिन भव्य आयोजन होते हैं और पूरा शहर जय श्रीराम के नारों से गूंज उठता है। उसी परंपरा के तहत रीवा शहर में भी हर साल रामनवमी के अवसर पर धार्मिक कार्यक्रम और शोभायात्राएं आयोजित की जाती हैं। इस वर्ष 27 मार्च को रामनवमी के अवसर पर रीवा शहर में भगवान श्रीराम की भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। यह शोभायात्रा शहर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरेगी, जिसमें हजारों

की संख्या में श्रद्धालु शामिल होंगे। आयोजकों के अनुसार इस बार शोभायात्रा को विशेष रूप से भव्य और आकर्षक बनाने की तैयारी की जा रही है। झांकियां, धार्मिक झंडे, बैंड-बाजे और जय श्रीराम के जयकारों के बीच यह यात्रा पूरे शहर में धार्मिक वातावरण का संदेश देगी।शहर के विभिन्न सामाजिक और धार्मिक संगठन भी इस आयोजन में सक्रिय रूप से भाग लेंगे। जगह-जगह शोभायात्रा का स्वागत करने के लिए मंच लगाए जाएंगे और प्रसाद वितरण भी किया जाएगा। रीवा शहर का रानी तालाब मंदिर एक प्राचीन और सिद्ध मंदिर माना जाता है। यहां मां कालिका की विशेष पूजा की जाती है। श्रद्धालुओं का मानना है कि मां कालिका के दरबार में जो भी भक्त सच्चे मन से अपनी मनोकामना लेकर आता है, उसकी इच्छा अवश्य पूरी होती है। मंदिर परिसर का वातावरण अत्यंत आध्यात्मिक और शांतिपूर्ण है। यहां आने वाले श्रद्धालु न केवल पूजा-अर्चना करते हैं बल्कि तालाब के किनारे बैठकर ध्यान और प्रार्थना भी करते हैं। नवरात्रि के दिनों में मंदिर को विशेष रूप से सजाया जाता है। रंग-बिरंगी रोशनी, फूलों की सजावट और भजन-कीर्तन से पूरा परिसर भक्तिमय हो जाता है।

रानी तालाब मंदिर की ख्याति केवल रीवा जिले तक ही सीमित नहीं है, बल्कि आसपास के जिलों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं। सीधी, सतना, शहडोल सहित विंध्य क्षेत्र के कई जिलों से लोग नवरात्रि के अवसर पर माता के दर्शन के लिए आते हैं।कई श्रद्धालु ऐसे भी हैं जो हर साल नवरात्रि में यहां दर्शन करने की परंपरा निभाते हैं। कुछ लोग अपने परिवार के साथ यहां आकर विशेष पूजा करवाते हैं, जबकि कई भक्त केवल माता के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। मंदिर में दर्शन करने आई एक श्रद्धालु संस्कृति आहूजा ने बताया कि वह रानी तालाब के पास ही रहती हैं और नवरात्रि के अवसर पर नियमित रूप से माता के दर्शन करने आती हैं। उनका कहना है कि यहां की मान्यता बहुत अधिक है और मां कालिका अपने भक्तों की हर मनोकामना पूरी करती हैं।एक अन्य श्रद्धालु साक्षी सोनी ने बताया कि वह अपने माता-पिता के साथ मंदिर में दर्शन करने आई हैं। उन्होंने कहा कि वह माता से यही प्रार्थना करती हैं कि वह अपने माता-पिता के सपनों को पूरा कर सकें और जीवन में आगे बढ़ें।इसी तरह कई अन्य श्रद्धालुओं ने भी बताया कि नवरात्रि के पावन अवसर पर माता के दर्शन करने से उन्हें आत्मिक शांति

सार-समाचार

भाजपा में प्रशिक्षित कार्यकर्ता राष्ट्र व पार्टी के लिए करता है काम: विधायक श्री अग्रवाल

दतिया। भारतीय जनता पार्टी इंदरगढ ग्रामीण मंडल का प्रशिक्षण वर्ग ग्राम उचाड में शनिवार को आयोजित किया गया जिसमें क्षेत्रीय सांसद श्रीमती संध्या राय मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता विधायक प्रदीप अग्रवाल ने की। मुख्य वक्ता सांसद श्रीमती राय ने प्रशिक्षण वर्ग में उपस्थित कार्यकर्ताओं के बीच केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजना की जानकारी देते हुए नगर और गांव गांव में जन जन तक पहुंचाने की बात कही। उन्होंने केंद्र सरकार की अन्न वितरण योजना, उज्ज्वला गैस योजना, किसान सम्मान निधि व आयुष्मान योजना से देश में हो रहे इंफ्रास्ट्रक्चर आदि के बारे में बिस्तार से बताया। इस दौरान क्षेत्रीय विधायक प्रदीप अग्रवाल ने कहा कि भाजपा का कार्यकर्ता प्रशिक्षित होकर राष्ट्र कल्याण के लिए काम करता है इसलिए आप सभी कार्यकर्ताओं को राष्ट्र के कल्याण के लिए जो भी करना पड़े वह करें। जब देश का युवा राष्ट्र के लिए काम करेगा तो राष्ट्र व पार्टी दोनों मजबूत होंगी। हर ग्राम में नव कार्यकर्ताओं को केंद्र व राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाना होगा। प्रशिक्षण वर्ग को संबोधित करते हुए डॉ. रामजी खरे ने कहा कि हमारे कार्यकर्ता राष्ट्र की संकल्पना को लेकर राष्ट्र की एकता एवं अखंडता के लिए दृढ़ संकल्प होकर काम करता है यही हमारी निष्ठा है। कार्यक्रम का संचालन रामबहादुर सिंह गुर्जर ने किया। प्रशिक्षण वर्ग में राजेश दांतरे, मानवेंद्र सिंह परिहार, भूपेंद्र यादव, मोहन पटवा, रघुवीर कुशवाहा, सुरेंद्र बुधौलिया सहित मंडल के सभी पदाधिकारी, बूथ अध्यक्ष एवं बड़ी संख्या मंडल के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ग्वालियर बी ने बनाई पहली पारी में 109 रन की विशाल बढ़त

दतिया। दतिया डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा आयोजित अंडर -13 इंटर डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल मैच का एसोसिएशन के सचिव संतोष लिटौरिया ने टॉस करा कर शुभारंभ किया। शिवपुरी की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। शिवपुरी की टीम पहली पारी में 109 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। शिवपुरी के बल्लेबाज अर्जुन ठाकुर 48, कुशल ने 25 रनों का योगदान अपनी टीम को दिया। ग्वालियर (बी) के गेंदबाजों ने घातक गेंदबाजी करते आदर्श राजावत ने 05, देव कंसाना ने 03 एवं अरनव श्रीवास्तव ने 02 विकेट लेकर शिवपुरी की पूरी टीम को सस्ते में समेट दिया। ग्वालियर की टीम के बल्लेबाजों ने अपनी पहली पारी में मुकुंद के शानदार अजिवित शतक 109 रन, राजवीर 29 रन, हिमांशु 24 रन, सार्थक 26 रनों की बदौलत पहले दिन का खेल खत्म होने तक 06 विकेट के नुकसान पर 233 रन बना कर पहली पारी में 124 रनों की विशाल बढ़त बना ली। शिवपुरी की ओर से गेंदबाजी करते हुए अर्पित ने 03, अक्सकमल ने 02 एवं उदित ने 1 विकेट प्राप्त किया। इस प्रकार ग्वालियर (बी) ने पहली पारी में 109 रन की विशाल बढ़त बना ली। एमपीसीए के क्रिकेट डेवलपमेंट कमेटी सदस्य ग्वालियर चंबल डिविजन के प्रभारी दिनेश शर्मा ने पूरा दिन ग्राउण्ड पर रहकर खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर बारीकी से नजर रखी। इस अवसर पर पंकज भट्ट, अनिल लिटौरिया, धर्मेंद्र घनगौरैया, संतोष सेन, विशाल श्रीवास्तव, रामू शर्मा, सत्यनारायण शास्त्री, साहिल कुमार, अजय प्रताप सिंह, भोले सर, संजीव दुबे, फिरोज खान, मुमताज खान एवं खेल प्रेमी दर्शक उपस्थित थे।

पंडोखर पुलिस ने डकैती की योजना बनाते बदमाशों को गिरफ्तार किया

समय जगत, दतिया। पंडोखर थाना पुलिस ने बड़ेरा सौपान में शिक्षक के घर डकैती डालने की योजना बनाने वाले 3 बदमाशों सोनू उर्फ कन्हई शाक्य, अमन उर्फ अभिषेक पाण्डेय और बलराम उर्फ बबलू शाक्य को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए बदमाशों के कब्जे से 315 बोर के 2 कट्टे, 4 जिंदा कारतूस और एक लोहे का सब्बल बरामद किया गया। पुलिस की पूछतांछ में बदमाशों ने 6 चोरी की घटनाओं को कबूल किया। बदमाशों ने इंदरगढ़, पंडोखर और सेंवढ़ा में की थी चोरी की वारदातें। पंडोखर पुलिस बदमाशों को रिमांड पर लेकर करेगी पूछताछ। पूछताछ में चोरी का माल बरामद होने की संभावना। मौके से भागे राजा राठौर और राजकुमार नागर की तलाश में जुटी पुलिस। भांडेर एसडीओपी पूनम चंद यादव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दी बदमाशों के पकड़ने की जानकारी। शातिर बदमाशों की गिरफ्तारी से आसपास के ग्रामीणों ने ली राहत की सांस। पंडोखर थाना प्रभारी रिपुदमन सिंह राजावत के नेतृत्व में यह बड़ी कार्यवाही की गई है।

सीएम हेल्पलाइन की कोई भी शिकायत नॉन अटेण्डेड न रहे - कलेक्टर

रीवा। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल की अध्यक्षता में आयोजित समय सीमा बैठक में सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों की समीक्षा के साथ ही विभागीय योजनाओं, गेंहू उपार्जन तथा खाद वितरण की तैयारियों की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने कहा कि किसी भी विभाग में सीएम हेल्पलाइन में कोई भी शिकायत नॉन अटेण्डेड न रहे तथा सी व डी श्रेणी में रहने वाले विभागों को तत्परतापूर्वक शिकायतों का निराकरण कर ए श्रेणी में आने का प्रयास करना होगा। कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर ने संकल्प से समाधान अभियान के तहत 26 मार्च तक विकासखण्ड स्तर में आयोजित शिविरों में आवेदनों के निराकरण के निर्देश दिये ताकि जिला स्तर पर आवेदन न आये। उन्होंने जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत किये जाने वाले कार्यों की कार्ययोजना अनुसार कार्य सम्पादन के निर्देश दिये तथा अधिकारियों से कहा कि चल रहे कार्यों का स्थल निरीक्षण करायें और किये गये कार्यों की साप्ताहिक प्रगति से आगामी टीएल बैठक में अवगत करायें।

कलेक्टर ने राजस्व अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसानों द्वारा गेंहू उपार्जन के लिए किये गये पंजीयन अनुसार रकबे का शत-प्रतिशत सत्यापन करें। उन्होंने कहा कि वास्तविक किसान छूटे नहीं तथा गलत व्यक्ति को उपार्जन का लाभ न मिले। उन्होंने संबंधित तहसीलदारों को अभियान चलाकर सुरक्षित सत्यापन करने के निर्देश दिये साथ ही एसडीएम को भी सत्यापन कार्य करने व मानीटरिंग के लिये निर्देशित किया गया। उन्होंने कहा कि जहां रकबा बढ़ा है वहां एसडीएम मौके पर जाकर संबंधित किसान के रकबे का सत्यापन सुनिश्चित करायें। बैठक में बताया गया कि आगामी एक अप्रैल से किसानों को ई-टोकन के माध्यम से ही खाद का विक्रय किया जायेगा। कलेक्टर ने कहा कि समितियों व विपणन द्वारा ई-टोकन से किये जाने वाले खाद वितरण की जानकारी किसानों को उपलब्ध कराई जाय।

शौर्य और बलिदान से जोड़ने का महत्वपूर्ण अवसर सेना दिवस: उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल से थल सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने की सौजन्य भेंट

रीवा। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल से निवास कार्यालय, भोपाल में थल सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने सौजन्य भेंट की। जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने आगामी वर्ष में भोपाल में आयोजित होने वाली सेना दिवस परेड के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। बैठक में सेना एवं राज्य शासन के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी सहभागिता की। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि यह आयोजन प्रदेश के लिए गौरव का विषय होने के साथ-साथ देशभक्ति, सैन्य सम्मान और जन-भागीदारी की भावना को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएगा। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि भोपाल में प्रस्तावित सेना दिवस आयोजन प्रदेशवासियों को भारतीय सेना की समृद्ध परंपरा, शौर्य और बलिदान से जोड़ने का एक महत्वपूर्ण अवसर होगा। इससे प्रदेश के युवाओं में सेना में शामिल होकर राष्ट्रसेवा करने की प्रेरणा भी मिलेगी। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन सेना और नागरिक प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने के साथ-साथ राष्ट्रीय एकता और गौरव की भावना को भी सुदृढ़ करेंगे। थल सेना प्रमुख जनरल द्विवेदी ने बताया कि 15 जनवरी 2027 को भोपाल में भव्य सेना दिवस परेड आयोजित की जाएगी, जिसकी भव्यता और स्वरूप नई दिल्ली के कर्तव्य पथ पर आयोजित होने वाली गणतंत्र दिवस परेड के

समान होगा। इस आयोजन के अंतर्गत परेड के साथ सैन्य प्रदर्शनी, सैन्य अभ्यास, शौर्य संध्या और विभिन्न आकर्षक गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। साथ ही सेवानिवृत्त सैनिकों का सम्मान भी किया जाएगा। बैठक में बताया गया कि कार्यक्रमों की शुरुआत एक नवंबर 2026 को मध्यप्रदेश स्थापना दिवस से 'मेरी माटी अभियान' के अंतर्गत की जाएगी। जनवरी 2027 में 7 से 12 जनवरी तक सैन्य प्रदर्शनी, 9, 11 एवं 13 जनवरी को परेड अभ्यास, 11 एवं 13 जनवरी को शौर्य संध्या अभ्यास तथा 11-12 जनवरी को बड़े तालाब में सैन्य गतिविधियां आयोजित होंगी। मुख्य परेड 15 जनवरी को प्रस्तावित मार्गों पर आयोजित की जाएगी, जबकि शौर्य संध्या और अन्य कार्यक्रम शहर के विभिन्न स्थलों पर संपन्न होंगे। बैठक में लेफ्टिनेंट जनरल संदीप जैन, लेफ्टिनेंट जनरल अरविंद चौहान, लेफ्टिनेंट जनरल रंजीत सिंह, मेजर जनरल विकास लाल, ब्रिगेडियर नितिन भाटिया, कर्नल सौरभ कुमार, सन्नी जुनेजा, राजेश बंडले तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

भावांतर योजना के लिए क्रियान्वयन समिति गठित

रीवा। शासन द्वारा खरीफ वर्ष 2026 में सरसों उत्पादक किसानों को भारत सरकार की प्राइस डेफिसिट पेमेंट स्कीम के मापदण्डों के अनुसार एफएक्यू उपज के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य उपलब्ध कराया जाएगा। इसके लिए राज्य सरकार द्वारा सरसों फसल के लिए भावांतर योजना लागू की गई है। भावांतर योजना की निगरानी के लिए कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल की अध्यक्षता में 10 सदस्यीय जिला स्तरीय क्रियान्वयन समिति का गठन किया गया है। समिति में कृषि उपज मण्डी सचिव का समिति का सदस्य सचिव बनाया गया है। समिति में सदस्य के रूप में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत, उपायुक्त सहकारिता, जिला आपूर्ति अधिकारी, सहायक संचालक उद्यानिकी, उप संचालक कृषि, अग्रणी बैंक प्रबंधक, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी तथा प्रभारी वैज्ञानिक कृषि विज्ञान केन्द्र को शामिल किया गया है।

कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित होना बहुत जरूरी : घनश्याम सिंह

शिविर से कांग्रेस के बारे में बहुत कुछ सीख सकते हैं सभी : जयवर्धन सिंह विधायक

दतिया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित होना बहुत जरूरी है ताकि वह भाजपा द्वारा फैलाई जाने वाली बातों से भ्रमित न हों एवं उनकी बातों का तार्किक जबाब दे सकें। उक्त विचार पूर्व विधायक घनश्याम सिंह ने सोमवार को सेंवढ़ा में आयोजित कांग्रेस सेवादल के प्रशिक्षण शिविर के दूसरे दिन शिविर में सेवादल कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि शिविर में कार्यकर्ता अनुशासन के गुण सीख रहे हैं। सेंवढ़ा ग्रामीण क्षेत्र है यहां पहली बार सेवादल का शिविर लगा है पहले यहां कोई सेवादल को जानता नही था। इस दौरान मुख्य अतिथि विधायक जयवर्धन सिंह का शिविर में स्वागत करते हुए कहा कि प्रदेश के ऊर्जावान युवा नेता जयवर्धन सिंह प्रदेश के युवाओं के भविष्य की आशाओं के केंद्र हैं।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जयवर्धन सिंह पूर्व मंत्री व विधायक राघोगढ़ ने कहा कि प्रशिक्षण शिविर के माध्यम से कांग्रेस व सेवादल के बारे में कार्यकर्ताओं को बहुत कुछ सीखने को मिलेगा। उन्होंने सेंवढ़ा में सेवादल का प्रशिक्षण शिविर लगाए जाने तथा

शिविर में आमंत्रित करने के लिए पूर्व विधायक घनश्याम सिंह के प्रति आभार जताया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में सेवादल के राष्ट्रीय महासचिव लालजी मिश्रा, प्रदेश अध्यक्ष अवनीश भार्गव, भिंड जिला कांग्रेस अध्यक्ष रामशेष बघेल, दतिया जिलाध्यक्ष अशोक दांगी बगदा, वरिष्ठ नेता अवधेश नायक सहित अनेक कार्यकर्तागण उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान पूर्व विधायक घनश्याम सिंह ने कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जयवर्धन सिंह को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया।शिविर का संचालन सेवादल जिलाध्यक्ष मोहन सिंह कुशवाहा ने किया। कांग्रेस सेवादल के तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का समापन आज मंगलवार को होगा। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री पीसी शर्मा, जौरा विधायक पंकज उपाध्याय, मप्र कांग्रेस महासचिव एवं दतिया जिला संगठन प्रभारी गुड्डू राजा बुन्देला शामिल होंगे।

प्रशिक्षण के बल पर आगे बढ़ते हुए आज देश की सबसे बड़ी राजनीतिक शक्ति है भाजपा: वीरेंद्र गुप्ता

रीवा। भारतीय जनता पार्टी द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महा अभियान के तहत मंडलों में 24 घंटे का प्रशिक्षण आयोजित किया जा रहे हैं सोमवार को सेमरिया मंडल के प्रशिक्षण का शुभारंभ बसामन मामा गौ अभ्यारण में भाजपा

जिला अध्यक्ष वीरेंद्र गुप्ता ने दीप प्रज्वलन एवं महापुरुषों के चित्रों पर माल्यार्पणके साथ किया उन्होने कहां की भाजपा ने विचारधारा और कार्यपद्धति के साथ कभी भी समझौता नहीं किया देश की राजनीति में वास्तव में दो ही दल ऐसे रहे हैं जिनकी स्पष्ट विचारधारा और कार्यपद्धति रही है एक कम्युनिस्ट पार्टी और दूसरी भारतीय जनता पार्टी। कम्युनिस्ट पार्टी अपनी विचारधारा के कारण जनता से दूर होती गई और लगभग समाप्ति की ओर है। इसके अलावा अधिकांश दल विचारधारा के आधार पर नहीं बल्कि परिस्थितियों के आधार पर चलते रहे हैं। भाजपा ने हमेशा अपनी विचारधारा और संगठनात्मक पद्धति को सर्वोपरि रखा है और इसी कारण आज पार्टी पूरे देश में सबसे आगे खड़ी है। हम सत्ता के लिए नहीं, बल्कि विचारधारा के तौर पर जाने जाते हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में देश विकास की राह पर तेजी के साथ बढ़ रहा है।

जनसंघ के गठन के समय पार्टी ने संकल्प लिया था, जम्मू-कश्मीर से धारा-370 हटाना, राम मंदिर निर्माण और तीन तलाक पर प्रतिबंध, उन पर कभी समझौता नहीं किया। उन्होंने कहा कि वर्ष 1985 में भाजपा मात्र दो सीटों पर सिमट गई थी तब भी हमने अपने विचारधारा से समझौता नहीं किया और प्रशिक्षण के बल पर आगे बढ़ते हुए आज देश की सबसे बड़ी राजनीतिक शक्ति बनी है।

व्यापारियों की आय, कर्मचारियों की रोजी-रोटी और शहर के खानपान उद्योग पर पड़ा विपरीत प्रभाव

गैस संकट से ठप्प पड़ा रेस्टोरेंट कारोबार, चौपाटियों और ढाबों में फैला सन्नाटा

रीवा। शहर में इन दिनों एलपीजी गैस की कमी ने रेस्टोरेंट और खानपान से जुड़े कारोबार को गहरे संकट में डाल दिया है। हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं, जिससे कारोबारियों में चिंता बढ़ गई है। गैस आपूर्ति बाधित होने के कारण कैंटीन, रेस्टोरेंट, चौपाटी और ढाबों का संचालन प्रभावित हो रहा है। कई जगहों पर तो संचालकों को मजबूरी में अपने प्रतिष्ठान बंद करने पड़ रहे हैं। इस संकट का सीधा असर व्यापारियों की आय, कर्मचारियों की रोजी-रोटी और शहर के खानपान उद्योग पर साफ दिखाई दे रहा है।व्यापारियों का कहना है कि गैस की कमी के कारण भोजन तैयार करना मुश्किल हो गया है। रेस्टोरेंट और कैंटीन में खाना बनाने का मुख्य साधन एलपीजी सिलेंडर ही होता है, ऐसे में जब गैस उपलब्ध नहीं हो पा रही है तो कामकाज ठप पड़ना स्वाभाविक है। संचालकों के अनुसार पहले जहां वे महीने भर में संतोषजनक कमाई कर लेते थे, वहीं अब कर्मचारियों का वेतन देना और अन्य खर्च निकालना भी चुनौती बन गया है।कई रेस्टोरेंट और कैंटीन के बाहर यह सूचना चस्पा कर दी गई है कि सिलेंडर की कमी के कारण फिलहाल प्रतिष्ठान बंद रखा गया है। शहर के कई प्रमुख खानपान केंद्रों में ऐसे बोर्ड देखने को मिल रहे हैं, जिससे यह साफ झलकता है कि स्थिति कितनी गंभीर हो चुकी है। रीवा की प्रसिद्ध चौपाटी, जो आम दिनों में 24 घंटे लोगों की भीड़ से गुलजार रहती थी, आज वहां सन्नाटा पसरा हुआ है। शाम होते ही जहां पहले खाने-पीने के शौकीनों की भीड़ लगती थी, वहीं अब अधिकतर दुकानें बंद दिखाई दे रही हैं। कुछ दुकानदार सीमित संसाधनों के साथ किसी तरह अपना काम चला रहे हैं, लेकिन अधिकांश ने अस्थायी रूप से कारोबार बंद कर दिया है।रेस्टोरेंट संचालकों का कहना है कि मौजूदा हालात लॉकडाउन से भी ज्यादा कठिन महसूस

हो रहे हैं। कोविड-19 महामारी के दौरान भी कारोबार प्रभावित हुआ था, लेकिन उस समय धीरे-धीरे व्यवस्था संभल गई थी। इस बार समस्या यह है कि गैस के बिना भोजन बनाना ही संभव नहीं है। ऐसे में कामकाज पूरी तरह ठप हो गया है।कई संचालक अब गैस के विकल्प के रूप में कोयले और लकड़ी का सहारा लेने लगे हैं। हालांकि यह तरीका न तो सुविधाजनक है और न ही पूरी तरह सुरक्षित। इसके अलावा इससे धुआं और प्रदूषण भी बढ़ता है। बावजूद इसके, कारोबार बचाने के लिए कुछ लोग इसी विकल्प के सहारे किसी तरह अपने प्रतिष्ठान चला रहे हैं।

दुकानदारों का कहना है कि यदि जल्द ही गैस की आपूर्ति सामान्य नहीं हुई तो बड़ी संख्या में रेस्टोरेंट स्थायी रूप से बंद हो सकते हैं। इससे न केवल व्यापारियों को नुकसान होगा बल्कि सैकड़ों लोग बेरोजगार भी हो जाएंगे। एक रेस्टोरेंट में आम तौर पर कई कर्मचारी काम करते हैं–जैसे रसोइया, वेटर, सफाई कर्मचारी और अन्य स्टाफ। प्रतिष्ठान बंद होने की स्थिति में इन सभी की रोजी-रोटी पर संकट आ जाएगा। कैंटीन और छोटे ढाबों की स्थिति तो और भी अधिक गंभीर है। इन प्रतिष्ठानों के पास न तो ज्यादा पूंजी होती है और न ही लंबे समय तक नुकसान सहने की क्षमता। ऐसे में कई छोटे संचालक पहले ही अपना काम बंद कर चुके हैं।

व्यापारियों का कहना है कि गैस सिलेंडर की उपलब्धता को लेकर बाजार में भ्रम और अफरातफरी का माहौल भी बना हुआ है। कई लोग जरूरत से ज्यादा सिलेंडर बुक कर रहे हैं, जिससे कृत्रिम कमी की स्थिति बन रही है। इससे वास्तविक जरूरतमंदों को समय पर सिलेंडर नहीं मिल पा रहे हैं। इस पूरे मामले पर जिला प्रशासन का कहना है कि स्थिति धीरे-धीरे सामान्य हो रही है। जिला कलेक्टर प्रतिभा पाल ने बताया कि कमर्शियल और घरेलू एलपीजी सिलेंडर की आपूर्ति को व्यवस्थित करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं।उन्होंने कहा कि पहले की तुलना में अब स्थिति में सुधार देखने को मिल रहा है।

संपादकीय

प्रधानमंत्री ने बनाया अनूठा रिकार्ड

देश के प्रधानमंत्री मोदी देश में सर्वाधिक दिनों तक सरकार का नेतृत्व करने वाले देश के पहले नेता बन गये हैं। पहले गुजार के मुख्यमंत्री और अब तीसरी बार प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने सर्वाधिक लंबी पारी खेली है। पूर्व सिक्किम मुख्यमंत्री पवन कुमार चामलिंग के 8,930 दिनों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए उन्होंने यह जीवंत और अभूतपूर्व संदेश दिया कि लोकतंत्र में जनता का विश्वास कितना अडिग, अपराजेय, अविचलनीय और प्रगाढ़ हो सकता है। यह कोई सामान्य उपलब्धि नहीं, बल्कि 8,931 दिनों की अनवरत निष्ठा, अथक परिश्रम, निस्वार्थ समर्पण, हृदयस्पर्शी जनसंपर्क और हर नागरिक के कल्याण की अपार प्रतिबद्धता का अनमोल प्रतीक है। गुजरात के मुख्यमंत्री बनने के बाद से लेकर आज तक मोदी जी की हर सुबह नई चुनौतियों और नए संकल्पों से शुरू हुई। 2001 में जब उन्होंने राज्य की बागडोर संभाली, तब गुजरात आपदा और अराजकता के बीच जूझ रहा था। मात्र 13 वर्षों में उन्होंने उसे विकास का प्रतीक बना दिया ङ्क 'वाइब्रेंट गुजरात' से लेकर द्वीपों के कोनों तक बुनियादी ढाँचा, रोजगार और समृद्धि का ऐसा जाल बुन दिया, जो आज हर नागरिक के जीवन को छूता है। हर घर में बिजली, पानी, सड़क और स्वच्छता जैसी छोटी-छोटी बातें उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर पहुँचाकर 'सबका साथ, सबका विकास' का मंत्र साकार किया। 8,931 दिनों में उन्होंने कभी व्यक्तिगत आराम नहीं लिया, कभी परिवार की चिंता नहीं की, सिर्फ राष्ट्र और जनता की भलाई की।

यही कारण है कि आज हर गाँव, हर शहर में उनका नाम 'विकास पुरुष' के रूप में गूंजता है। 26 मई 2014 को जब उन्होंने प्रधानमंत्री पद की शपथ ली, तब देश एक नए युग की दहलीज पर खड़ा था। 2019 और 2024 में लगातार जनता ने उन्हें चुनकर यह स्पष्ट कर दिया कि नेतृत्व में निरंतरता और दृढ़ता कितनी महत्वपूर्ण है। इन 4,319 दिनों के प्रधानमंत्रित्व में उन्होंने सिर्फ नीतियाँ नहीं बनाई, बल्कि करोड़ों जीवन संवार दिए। उज्ज्वला योजना से लेकर आयुष्मान भारत, जन धन योजना से लेकर डिजिटल इंडिया- हर योजना के पीछे छुपी है किसी गरीब परिवार, किसी किसान या किसी महिला की एक छोटी-सी उम्मीद और कहानी। यही उनका अद्वितीय और प्रेरक अंदाज है। सही मायने में प्रधानमंत्री मोदी की यह बड़ी उपलब्धि है।

पानी से जुड़ा लैंगिक समानता का मुद्दा

दीपक कुमार शर्मा

पानी और समानता को अलग-अलग नहीं देखा जा सकता। जहां पानी सुरक्षित, सुलभ और समान रूप से उपलब्ध होगा, वहीं शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक न्याय मजबूत होंगे। जल दिवस याद दिलाता है कि जल संकट का समाधान तभी टिकाऊ होगा, जब उसमें महिलाओं और पुरुषों दोनों की समान भागीदारी होगी। पानी केवल एक प्राकृतिक संसाधन नहीं है, बल्कि मानव सभ्यता की रीढ़ भी है। खेती, उद्योग, स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक जीवन, सब कुछ पानी पर निर्भर है। इसके बावजूद आज दुनिया गंभीर जल संकट का सामना कर रही है। यह संकट केवल पानी की कमी का नहीं, बल्कि उसके असमान वितरण, प्रबंधन की विफलता और सामाजिक असंतुलन का भी है। इसी बारे में चेतना जगाने के लिए संयुक्त राष्ट्र हर वर्ष 22 मार्च को विश्व जल दिवस मनाता है। विश्व जल दिवस की शुरुआत 1993 में हुई थी, जब महसूस किया गया कि पानी से जुड़ी समस्याओं को केवल तकनीकी या स्थानीय मुद्दा मानकर नहीं सुलझाया जा सकता। यह एक वैश्विक चुनौती है, जिसका समाधान सामूहिक जिम्मेदारी से संभव है। हर वर्ष एक विशेष विषय चुनकर पानी के किसी एक पहलू पर फोकस किया जाता है, ताकि नीति निर्धारकों व नागरिकों को स्पष्ट दिशा मिल सके। वर्ष 2026 के लिए विश्व जल दिवस की थीम है पानी और लैगिक समानता। इसका संदेश है जहां पानी बहता है, वहां समानता बढ़ती है। जल संकट का प्रभाव सभी पर समान नहीं पड़ता। समाज के कुछ वर्ग खासकर महिलाएं व लड़कियां, पानी की कमी और खराब जल प्रबंधन से अधिक प्रभावित होती हैं।

दुनिया के अनेक हिस्सों में घर के लिए पानी लाने की जिम्मेदारी महिलाओं पर होती है। ग्रामीण क्षेत्रों में दूर-दूर से पानी लाना सामान्य बात है। इस प्रक्रिया में उनका समय, ऊर्जा और स्वास्थ्य तीनों प्रभावित होते हैं। जब कोई लड़की रोज कई घंटे पानी लाने में लगाती है, तो उसका स्कूल जाना बाधित होता है। जब कोई महिला भारी बर्तन उठाकर लंबी दूरी तय करती है, तो उसका स्वास्थ्य कमजोर होता है। यहां प्रश्न केवल पानी उपलब्ध होने या न होने का नहीं है, बल्कि यह है कि पानी की कमी किसे ज्यादा नुकसान पहुंचाती है। आंकड़े बताते हैं कि पेयजल की सुविधाओं की कमी का सबसे अधिक बोझ महिलाओं पर पड़ता है। विश्व जल दिवस 2026 की थीम जोर देती है कि पानी की समस्या के स्थायी समाधान के लिए महिलाओं को जल प्रबंधन, योजना निर्माण और निर्णय प्रक्रिया में सक्रिय भागीदार बनाना जरूरी है। अनुभव बताता है कि जहां स्थानीय जल समितियों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी, वहां जल स्रोतों का रखरखाव बेहतर हुआ और जल उपयोग अधिक जिम्मेदारी से किया गया। भारत जैसे देश में यह विषय और अधिक प्रासंगिक है। भारत दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाला देश है, वहीं यहां क्षेत्रीय जल असमानता बहुत गहरी है। कहीं बाढ़ की समस्या, तो कहीं सूखा। दोनों ही स्थितियों में महिलाओं पर अतिरिक्त बोझ पड़ता है। जल जीवन मिशन जैसी योजनाओं ने भारत में हर घर नल से जल पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इससे कई क्षेत्रों में महिलाओं का समय बचा है, जिसे वे शिक्षा, रोजगार और सामाजिक गतिविधियों में लगा पा रही हैं। इससे स्पष्ट है कि जब पानी की उपलब्धता सुनिश्चित होती है, तो समानता की दिशा में भी ठोस प्रगति होती है। पानी को यदि केवल संसाधन मानकर देखा जाएगा, तो समाधान भी सीमित रहेंगे। लेकिन जब पानी को मानव अधिकार और सामाजिक न्याय के दृष्टिकोण से देखा जाता है, तब नीतियां अधिक समावेशी बनती हैं। संयुक्त राष्ट्र ने सुरक्षित पेयजल और स्वच्छता को मानव अधिकार के रूप में मान्यता दी है। यानी समाज में पानी की उपलब्धता केवल सुविधा नहीं, बल्कि अधिकार है, और इस अधिकार से किसी भी वर्ग को वंचित नहीं किया जा सकता। लैंगिक समानता के बारे में जरूरी है कि जल क्षेत्र में महिलाओं को नेतृत्व के मौके मिलें। इंजीनियरिंग, योजना निर्माण, प्रशासन और निगरानी जैसे क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ने से जल प्रबंधन अधिक संवेदनशील व व्यावहारिक बनेगा। महिलाएं जल संकट को केवल आंकड़ों के रूप में नहीं, बल्कि रोजमर्रा जीवन के अनुभव के रूप में समझती हैं। यही अनुभव नीतियों को जमीन से जोड़ता है।

विश्व जल दिवस 2026 सोचने पर मजबूर करता है कि जल संकट का हल केवल पाइपलाइन, टंकी या परियोजनाओं से नहीं होगा। इसके लिए सामाजिक सोच में बदलाव जरूरी है। जब तक स्वीकार नहीं किया जाएगा कि पानी की कमी असमानता पैदा करती है, तब तक समाधान अधूरा रहेगा। समानता का अर्थ सिर्फ अधिकार देना नहीं, बल्कि जिम्मेदारी और निर्णय में भागीदारी भी है। पानी का विवेकपूर्ण उपयोग, वर्षा जल संचयन, जल स्रोतों की रक्षा और समाज में जागरूकता फैलाना, ये सभी कदम समानता में योगदान देते हैं। विश्व जल दिवस 2026 का संदेश अत्यंत स्पष्ट और दूरगामी है। पानी और समानता को अलग-अलग नहीं देखा जा सकता। जहां पानी सुरक्षित, सुलभ और समान रूप से उपलब्ध होगा, वहीं शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक न्याय मजबूत होंगे। यह दिवस हमें याद दिलाता है कि जल संकट का समाधान तभी टिकाऊ होगा, जब उसमें महिलाओं और पुरुषों दोनों की समान भागीदारी होगी।

हुमायु कबीर-ओवैसी के गठबंधन से क्या टीएमसी होगी कमजोर?

नजरिया

पश्चिम बंगाल की राजनीति में नए समीकरण बनने की आहट अक्सर सियासी बहस को तेज कर देती है। हाल के दिनों में हुमायु कबीर और ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के संभावित गठबंधन की चर्चा इसी संदर्भ में देखी जा रही है। सवाल यह है कि क्या इससे तृणमूल कांग्रेस कमजोर होगी? जबकि ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस पार्टी (टीएमसी) की पकड़ बहुत मजबूत है। गांव-गांव ममता की की छवि प्रभावशील नेता के रूप में विख्यात है। ममता दीदी के नाम से सब जगह उन्हें प्यार दुलार के रूप में देखा जाता है। ममता को कम आंकना बेइमानी होगी। वहीं भाजपा को अन्य राज्यों में हुए चुनाव में समीकरण देखने से पता चता है कि आवेसी की पार्टी ने कुछ हद तक प्रभाव डाला है। अब ऐसे में ममता की तीसरी पारी कैसी होगी यह समय के गर्त में है।

सौरभ वार्ष्णेय

पश्चिम बंगाल का चुनाव ऐसे समय हो रहा है जहां विश्व में कई देश में युद्ध की आग में झुके हुए हैं। जिससे पूरे विश्व में चीजें अवरुद्ध हो रही है। ऐसे ही युद्ध चलता रहा तो निश्चित ही महंगाई भी चरम सीमा पर होगी। अगर देखा जाये तो वोट बैंक की राजनीति और प्रभावित होगी। पश्चिम बंगाल में मुस्लिम वोट बैंक एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जो अब तक बड़े पैमाने पर टीएमसी के साथ रहा है। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन की रणनीति आमतौर पर इसी वोट बैंक में सेंध लगाने की रही है, जैसा कि उसने बिहार और अन्य राज्यों में करने की कोशिश की। यदि हुमायु कबीर जैसे स्थानीय प्रभाव वाले नेता ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के साथ आते हैं, तो कुछ इलाकों में वोटों का बंटवारा संभव है। हालांकि, यह मान लेना जल्दबाजी होगी कि इससे टीएमसी को बड़ा नुकसान होगा। इसके पीछे कुछ कारण हैं संगठनात्मक मजबूती ममता बनर्जी के नेतृत्व में जमीनी नेटवर्क काफी मजबूत है। स्थानीय बनाम बाहरी छवि बंगाल की राजनीति में बाहरी बनाम स्थानीय का मुद्दा अहम रहता है, और ओवेसी की पार्टी को अक्सर बाहरी पार्टी के रूप में देखा जाता है।

वोट ट्रांसफर की चुनौती-गठबंधन बनने के बावजूद वोटों का पूरी तरह ट्रांसफर होना आसान नहीं होता। किन क्षेत्रों में असर संभव? सीमावर्ती जिलों और मुस्लिम बहुल सीटों–जैसे मुर्शिदाबाद, मालदा, उत्तर दिनाजपुर–में इसका कुछ असर दिख सकता है। लेकिन यह असर अधिकतर ञ्जरूष्ट को हराने की बजाय विपक्षी वोटों के और बिखराव के रूप में सामने आ सकता है। दिलचस्प बात यह है कि इस तरह के गठबंधन का अप्रत्यक्ष फायदा भारतीय जनता पार्टी को मिल सकता है। यदि विपक्षी वोट बंटते हैं, तो त्रिकोणीय मुकाबले में भाजपा को बढ़त मिल सकती है। हुमायु कबीर गठबंधन के लिए स्थानीय स्तर पर चुनौती जरूर खड़ी कर सकता है, लेकिन इसे टीएमसी की व्यापक कमजोरी के रूप में देखना अभी उचित नहीं होगा। यह ज्यादा संभावना है कि इससे विपक्षी खेमे में वोटों का विभाजन बढ़े, जिसका लाभ किसी तीसरे पक्ष को मिल सकता है। कुल मिलाकर, यह गठबंधन बंगाल की राजनीति में हलचल तो पैदा करेगा, लेकिन टीएमसी

की जड़ों को हिलाने के लिए अभी और मजबूत, व्यापक और संगठित चुनौती की जरूरत है। भारतीय राजनीति में ममता का नाम एक ऐसे नेता के रूप में लिया जाता है, जिन्होंने ज़मीनी संघर्ष से सत्ता के शिखर तक का सफर तय किया। उनका राजनीतिक जीवन केवल पद और सत्ता की कहानी नहीं, बल्कि जिद, जनसंपर्क और निरंतर संघर्ष की दास्तान है। ममता बनर्जी का जन्म 5 जनवरी 1955 को हुआ। साधारण परिवार से आने वाली ममता ने कम उम्र में ही राजनीति में दिलचस्पी दिखानी शुरू कर दी थी। उन्होंने छात्र जीवन से ही सक्रिय राजनीति में भाग लिया और जल्द ही इंडियन नेशनल कांग्रेस से जुड़ गई। 1970-80 के दशक में उन्होंने कांग्रेस के युवा चेहरों में अपनी पहचान बनाई। 1984 में उन्होंने पहली बार लोकसभा चुनाव जीतकर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। तृणमूल कांग्रेस की स्थापना ऐसे समय में हुई जब समय के साथ कांग्रेस में मतभेद बढने लगे। 1998 में ममता बनर्जी ने अलग होकर त्रणमूल (टीएमसी) की स्थापना की। यह कदम उनके राजनीतिक जीवन का सबसे बड़ा मोड़ साबित हुआ। टीएमसी ने धीरे-धीरे पश्चिम बंगाल में अपनी पकड़ मजबूत की और वाम मोर्चे के लंबे शासन को चुनौती दी। 34 वर्षो से सत्ता में रही सरकार को 2011 में ममता बनर्जी ने सत्ता से बेदखल कर दिया। यह पश्चिम बंगाल की राजनीति में ऐतिहासिक परिवर्तन था। ममता बनर्जी राज्य की पहली महिला मुख्यमंत्री बनीं और उन्होंने खुद को दीदी के रूप में जनता के बीच स्थापित किया। ममता बनर्जी की राजनीति की सबसे बड़ी विशेषता उनकी सादगी और जनसंवाद है। वे अक्सर सीधे जनता के बीच जाती हैं और खुद को एक आम नागरिक के रूप में प्रस्तुत करती हैं। उनकी सरकार ने कई सामाजिक योजनाएं शुरू कीं, जैसे– कन्याश्री योजना (महिला सशक्तिकरण), सबुज साथी (छात्रों के लिए साइकिल), स्वास्थ्य और शिक्षा क्षेत्र में सुधार, विवाद और चुनौतियां आदि। हर बड़े नेता की तरह ममता बनर्जी का सफर भी विवादों से अछूता नहीं रहा। विपक्ष अक्सर उन पर तुष्टिकरण की राजनीति का आरोप लगाता है। केंद्र और राज्य के बीच टकराव भी उनकी राजनीति का हिस्सा रहा है। चुनावी हिंसा और प्रशासनिक फैसलों पर भी सवाल उठते रहे हैं।

ममता बनर्जी का राजनीतिक जीवन यह साबित करता है कि दृढ़ इच्छाशक्ति और जनसमर्थन से असंभव भी संभव हो सकता है। उन्होंने पश्चिम बंगाल की राजनीति को नई दिशा दी और खुद को राष्ट्रीय राजनीति में एक प्रभावशाली नेता के रूप में स्थापित किया। आज वे केवल एक मुख्यमंत्री नहीं, बल्कि विपक्षी राजनीति की एक मजबूत आवाज भी हैं–जो सत्ता के खिलाफ खड़े होने का साहस रखती हैं। पश्चिम बंगाल की राजनीति एक बार फिर निर्णायक मोड़ पर खड़ी दिखाई दे रही है। आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर जिस तरह का माहौल बन रहा है, उसमें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अपनी जीत की संभावनाओं को लेकर आश्वस्त नजर आ रही है। सवाल यह है कि क्या वास्तव में भाजपा पश्चिम बंगाल में सत्ता की दहलीज पार कर पाएगी, या फिर तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) एक बार फिर अपनी पकड़ मजबूत बनाए रखेगी। भाजपा ने पिछले कुछ वर्षों में पश्चिम बंगाल में संगठन को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया है। बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं की सक्रियता, केंद्रीय नेतृत्व की लगातार रैलियां और हिंदुत्व के मुद्दों को उभारने की रणनीति पार्टी को एक मजबूत चुनौतीकर्ता बना रही है। इसके अलावा, केंद्र की योजनाओं का लाभ जनता तक पहुंचाने का प्रयास भी भाजपा के लिए सकारात्मक कारक बन सकता है। ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली टीएमसी को सत्ता विरोधी लहर, भ्रष्टाचार के आरोप और आंतरिक असंतोष जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। कई बड़े नेताओं का पार्टी छोड़ना भी टीएमसी के लिए चिंता का विषय है। हालांकि, ममता बनर्जी की व्यक्तिगत लोकप्रियता और जमीनी पकड़ अभी भी पार्टी की सबसे बड़ी ताकत बनी हुई है। पश्चिम बंगाल में चुनाव केवल विकास के मुद्दों पर नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक पहचान के आधार पर भी लड़े जाते हैं। भाजपा जहां हिंदू वोट बैंक को एकजुट करने की कोशिश में है, वहीं टीएमसी अल्पसंख्यक और ग्रामीण वोटरों पर अपनी पकड़ बनाए रखने में जुटी है। यह कहना जल्दबाजी होगी कि भाजपा स्पष्ट रूप से जीत की ओर बढ़ रही है, लेकिन इतना जरूर है कि मुकाबला अब पहले से कहीं अधिक कांटे का हो गया है। भाजपा ने अपनी उपस्थिति को मजबूत किया है, परंतु टीएमसी को पूरी तरह कमजोर मान लेना राजनीतिक भूल होगी। पश्चिम बंगाल का चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन का प्रश्न नहीं, बल्कि राज्य की राजनीतिक दिशा तय करने वाला होगा। भाजपा के लिए यह अवसर है कि वह अपनी बढ़त को जीत में बदले, जबकि टीएमसी के लिए यह अपनी साख और वर्चस्व बनाए रखने की परीक्षा है। अंतिम निर्णय जनता के हाथ में है, और वही तय करेगी कि राज्य की बागडोर किसे सौंपी जाए।

विश्व जल दिवस : सहभागिता से समाधान की ओर बढ़ता भारत

विनोद कुमार सिंह

विश्व जल दिवस के अवसर पर सहभागिता से समाधान की ओर बढ़ता भारत का एक मनोरम दृश्य नई दिल्ली के विश्व युवक केन्द्र में आयोजित की गई। यह कार्यक्रम केवल औपचारिकता का निर्वाह नहीं था,बल्कि यह एक ऐसा अवसर बनकर उभरा,जहाँ जल संकट और लैंगिक समानता के प्रश्न को गहराई से समझने,महसूस करने और समाधान की दिशा में सामूहिक संकल्प लेने का प्रयास किया गया। यूएनओपीएस द्वारा जल और लैंगिक समानता विषय पर आयोजित इस कार्यक्रम में नीति, प्रशासन, मानवाधिकार और जमीनी अनुभवों का ऐसा संगम देखने को मिला,जिसने इस विमर्श को जीवंत और प्रभावी बना दिया। कार्यक्रम में मुख्य आयोजक विनोद मिश्रा,युएनओपी एस के कान्ट्री मैनेजर,मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. राज भूषण चौधरी केन्द्रीय राज्य मंत्री जल शक्ति मंत्री भारत सरकार तथा विशिष्ट अतिथि भरत लाल की उपस्थिति ने इस आयोजन को गरिमा प्रदान की। मंचीय वक्तव्यों तक सीमित नहीं रही। यह संवाद, सहभागिता और प्रशिक्षण के माध्यम से एक व्यापक सामाजिक संदेश देने में सफल रहा।जल संकट के संदर्भ में जब लैंगिक समानता की बात होती है,तो यह विषय केवल नीतिगत विमर्श नहीं रह जाता, बल्कि यह जीवन की कठोर सच्चाइयों से जुड़ जाता है। अपने उद्बोधन में भरत लाल ने जिस स्पष्टता से इस सच्चाई को सामने रखा,उन्होंने बताया कि देश में लगभग साठ प्रतिशत जल की व्यवस्था महिलाएं ही करती हैं और इस कार्य में उनका प्रतिदिन लगभग एक घंटा व्यतीत होता है।यह केवल समय का व्यय नहीं,बल्कि उनके जीवन के अवसरों का क्षरण है।उन्होंने अपने प्रशासनिक अनुभवों को साझा करते हुए गुजरात के ग्रामीण क्षेत्रों का उदाहरण दिया,जहां जल समितियों का गठन करते समय पचास प्रतिशत महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित की गई। इस पहल ने न केवल जल प्रबंधन को अधिक प्रभावी बनाया,बल्कि महिलाओं के भीतर आत्म विश्वास और नेतृत्व की भावना को भी मजबूत किया।उनके अनुभवों से यह स्पष्ट हुआ कि जब महिलाओं को निर्णय प्रक्रिया में स्थान मिलता है,तो योजनाएँ केवल कागजों पर नहीं, बल्कि जमीन पर सफल होती हैं।आज के मुख्य अतिथि डॉ. राज भूषण चौधरी ने अपने संबोधन में सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हुए कहा कि जल जीवन मिशन जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से देश के हर घर तक सुरक्षित पेयजल पहुँचाने का लक्ष्य केवल विकास का प्रतीक नहीं,बल्कि सामाजिक परिवर्तन का माध्यम है। उन्होंने सरकारी आंकड़ों का उल्लेख करते हुए बताया कि देश के करोड़ों परिवारों तक नल से जल पहुँच चुका है और यह प्रक्रिया निरंतर जारी है। उन्होंने कहा किजब घर तक जल

पहुँचता है,तो महिलाओं को पानी लाने के श्रम से मुक्ति मिलती है,जिससे उनके जीवन में शिक्षा,स्वास्थ्य और आत्मनिर्भरता के नए द्वार खुलते हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि सरकार जल प्रबंधन में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है और ग्राम स्तर पर जल समितियों में उनकी भूमिका को सशक्त किया जा रहा है। कार्यक्रम का जीवंत हिस्सा रहा समूह चर्चा,जिसमें विभिन्न क्षेत्रों से आए प्रतिभागियों ने अपने अनुभव,समस्याएँ और समाधान साझा किए।यह चर्चा किसी औपचारिक संवाद की तरह नहीं थी,बल्कि एक खुला मंच था जहाँ जमीनी सच्चाइयाँ सामने आईं। ग्रामीण क्षेत्रों से जुड़े प्रतिनिधियों ने बताया कि किस प्रकार पानी की कमी का सबसे अधिक प्रभाव महिलाओं और बच्चों पर पड़ता है।वहीं कुछ प्रतिभागियों ने यह भी साझा किया कि जहाँ महिलाओं को जल प्रबंधन में शामिल किया गया,वहाँ स्थितियाँ बेहतर हुई हैं।इस समूह चर्चा ने यह स्पष्ट कर दिया कि जल संकट का समाधान केवल सरकारी योजनाओं से नहीं,बल्कि सामुदायिक सहभागिता और सामाजिक चेतना से ही संभव है।यह भी सामने आया कि जब तक समाज के भीतर महिलाओं को बराबरी का स्थान नहीं मिलेगा,तब तक जल प्रबंधन की कोई भी योजना पूर्ण रूप से सफल नहीं हो सकती।कार्यक्रम के दौरान एक और महत्वपूर्ण पहल के रूप में प्रशिक्षण मॉड्यूल पुस्तिका का विमोचन किया गया।यह पुस्तिका केवल एक दस्तावेज नहीं,बल्कि एक मार्गदर्शक के रूप में प्रस्तुत की गई,जिसमें जल प्रबंधन,स्वच्छता और लैंगिक समानता से जुड़े व्यावहारिक पहलुओं को सरल और प्रभावी ढंग से समझाया गया है।इस पुस्तिका का उद्देश्य केवल जानकारी देना नहीं,बल्कि समुदायों को प्रशिक्षित करना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है।इस प्रशिक्षण मॉड्यूल के माध्यम से यह प्रयास किया गया है कि ग्राम स्तर पर कार्य करने वाले लोग, विशेषकर महिलाएं,जल प्रबंधन के तकनीकी और सामाजिक पहलुओं को समझें और उन्हें व्यवहार में लागू कर सकें।यह पहल इस बात का संकेत है कि अब जल प्रबंधन केवल योजनाओं तक सीमित नहीं है,बल्कि इसे एक जन आंदोलन बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। विनोद मिश्रा ने अतिथि के स्वागत भाषण मेंअपने विचार रखते हुए कहा कि जल और लैंगिक समानता का मुद्दा वैश्विक स्तर पर भी उतना ही महत्वपूर्ण है,जितना स्थानीय स्तर पर। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं, सरकार और समुदायों के बीच समन्वय स्थापित कर ही स्थायी समाधान संभव है।कार्यक्रम के समापन की ओर बढ़ते हुए यह स्पष्ट हो गया कि यह आयोजन केवल एक दिन की चर्चा नहीं,बल्कि एक दीर्घकालिक सोच और दिशा का प्रतीक है।जल संकट और लैंगिक असमानता जैसे विषयों को अलग-अलग नहीं,बल्कि एक समग्र दृष्टिकोण से देखने की आवश्यकता है। यह कार्यक्रम इस बात का प्रमाण है कि जब नीति,अनुभव और सहभागिता एक साथ आते हैं,तो समाधान की दिशा स्वतः स्पष्ट होने लगती है।यह भी स्पष्ट हुआ कि जल केवल जीवन का आधार नहीं, बल्कि समानता और सम्मान का भी आधार है।आज आवश्यकता इस बात की है कि हम जल को केवल संसाधन के रूप में नहीं,बल्कि एक साझा जिम्मेदारी के रूप में देखें।जब हर व्यक्ति,विशेषकर महिलाएँ,जल प्रबंधन में समान भागीदारी करेंगी,तभी एक संतुलित और समतामूलक समाज की स्थापना संभव होगी।विश्व जल दिवस का यह आयोजन हमें यह संदेश देता है कि समाधान कहीं बाहर नहीं,बल्कि हमारे भीतर और हमारे सामूहिक प्रयासों में निहित है। जब संवाद, सहभागिता और संकल्प एक साथ जुड़ते हैं,तभी परिवर्तन की वास्तविक धारा प्रवाहित होती है।

ईरान अमेरिका संघर्ष से बाजार में उथल पुथल

कांतिलाल मांडोत

पश्चिम एशिया में बढ़ते युद्ध तनाव ने पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को हिला दिया है और इसका सबसे बड़ा असर भारत के शेयर बाजार पर देखने को मिला। ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते संघर्ष ने निवेशकों के भरोसे को गहरी चोट पहुंचाई है। एक ही कारोबारी दिन में निवेशकों के लगभग बारह लाख करोड़ रुपये डूब गए, जो यह दर्शाता है कि वैश्विक घटनाएं किस तरह घरेलू बाजार को प्रभावित करती हैं। यह गिरावट केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसने निवेशकों के मन में डर और अनिश्चितता का माहौल पैदा कर दिया। भारतीय शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स में करीब पच्चीस सौ अंकों की भारी गिरावट दर्ज की गई और यह गिरकर लगभग चौहत्तर हजार के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह निफ्टी में भी सात सौ से अधिक अंकों की गिरावट आई। यह गिरावट पिछले कई महीनों में सबसे बड़ी मानी जा रही है। बाजार के लगभग सभी क्षेत्रों में बिकवाली का दबाव दिखाई दिया, जिससे यह साफ हो गया कि यह केवल किसी एक सेक्टर की समस्या नहीं बल्कि व्यापक आर्थिक चिंता का परिणाम है। इस गिरावट के पीछे सबसे बड़ा कारण युद्ध का तेल और गैस क्षेत्रों तक पहुंचना है। खाड़ी क्षेत्र दुनिया के ऊर्जा उत्पादन का प्रमुख केंद्र है और जब यहां अस्थिरता बढ़ती है तो उसका सीधा असर कच्चे तेल की कीमतों पर पड़ता है। युद्ध के चलते कई महत्वपूर्ण ऊर्जा ठिकानों पर हमले हुए, जिससे उत्पादन और आपूर्ति दोनों प्रभावित हुए। इसके परिणामस्वरूप कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल आया और यह एक समय एक सौ पंद्रह डॉलर प्रति बैरल के आसपास पहुंच गया। भारत जैसे देश के लिए, जो अपनी जरूरत का अधिकांश तेल आयात करता है, यह स्थिति बेहद चिंताजनक है। कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी का असर केवल बाजार तक सीमित नहीं रहता बल्कि यह आम लोगों की जिंदगी पर भी असर डालता है। तेल महंगा होने से परिवहन लागत बढ़ती है, जिससे वस्तुओं और सेवाओं की कीमतों में वृद्धि होती है। यही कारण है कि इस संघर्ष ने महंगाई की आशंका को भी बढ़ा दिया है। इसके अलावा विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली ने बाजार की स्थिति को और कमजोर कर दिया। घरेलू कारणों ने भी इस गिरावट को और गहरा किया। बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र के प्रमुख शेयरों में भारी गिरावट देखने को मिली, जिससे पूरे बाजार पर दबाव बना। निवेशकों ने जोखिम से बचने के लिए तेजी से अपने निवेश को निकालना शुरू कर दिया, जिससे बाजार में घबराहट और बढ़ गई। मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी लगभग तीन प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई, जो यह दिखाता है कि छोटे निवेशकों पर इसका प्रभाव अधिक पड़ा। हालांकि इस भारी गिरावट के बाद अगले ही दिन बाजार में कुछ सुधार भी देखने को मिला। निवेशकों ने निचले स्तर पर खरीदारी की, जिससे बाजार में थोड़ी स्थिरता आई। तेल की कीमतों में हल्की गिरावट भी इस सुधार का एक कारण रही। इससे यह संकेत मिलता है कि बाजार में अभी भी उम्मीद बाकी है, लेकिन स्थिति पूरी तरह स्थिर नहीं कही जा सकती। इस पूरे घटनाक्रम का असर केवल शेयर बाजार तक सीमित नहीं रहा बल्कि सोना और चांदी जैसे सुरक्षित निवेश विकल्पों पर भी पड़ा। आमतौर पर संकट के समय इनकी कीमतें बढ़ती हैं, लेकिन इस बार कीमतों में गिरावट देखने को मिली। इसका कारण यह है कि निवेशकों ने नकदी बनाए रखने के लिए इन धातुओं में भी बिकवाली की। ऊर्जा संकट के चलते पेट्रोल की कीमतों पर भी असर पड़ा है। प्रीमियम पेट्रोल के दाम बढ़ाए गए हैं, जिससे उन लोगों पर अतिरिक्त बोझ पड़ा है जो उच्च गुणवत्ता वाले ईंधन का उपयोग करते हैं। हालांकि सामान्य पेट्रोल और डीजल की कीमतों में अभी कोई बदलाव नहीं किया गया है, लेकिन यदि कच्चे तेल की कीमतें इसी तरह ऊंची बनी रहती हैं तो भविष्य में आम ईंधन भी महंगा हो सकता है। यह स्थिति केवल आर्थिक नहीं बल्कि रणनीतिक भी है। युद्ध अब केवल सैन्य ठिकानों तक सीमित नहीं रहा बल्कि आर्थिक ढांचे को निशाना बना रहा है।

सार-समाचार

गैस एजेंसी पर लगी लंबी कतारें, उपभोक्ता परेशान

समय जगत, टीकमगढ़। सोमवार सुबह से सिविल लाइन स्थित अमन गैस एजेंसी पर गैस सिलेंडर लेने के लिए लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह होते ही बड़ी संख्या में उपभोक्ता एजेंसी के बाहर पहुंच गए, जिसके चलते वहां लंबी कतारें लग गईं। बताया जा रहा है कि गैस सिलेंडर की सीमित उपलब्धता और बढ़ती मांग के कारण लोगों को घंटों इंतजार करना पड़ा। भीड़ इतनी ज्यादा थी कि कई बार अफरा-तफरी जैसे हालात बन गए। स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर समय पर पर्याप्त सिलेंडर उपलब्ध कराए जाएं तो इस तरह की परेशानी से बचा जा सकता है। वहीं, मौके पर व्यवस्था बनाए रखने के लिए कर्मचारियों को काफी मशक्कत करनी पड़ी। कुछ लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि गैस वितरण व्यवस्था को बेहतर किया जाए, ताकि आम जनता को इस तरह की दिक्कतों का सामना न करना पड़े।

टीकमगढ़ में समर्थन मूल्य से कम पर बिक रहा गेहूं, किसानों का हो रहा है नुकसान

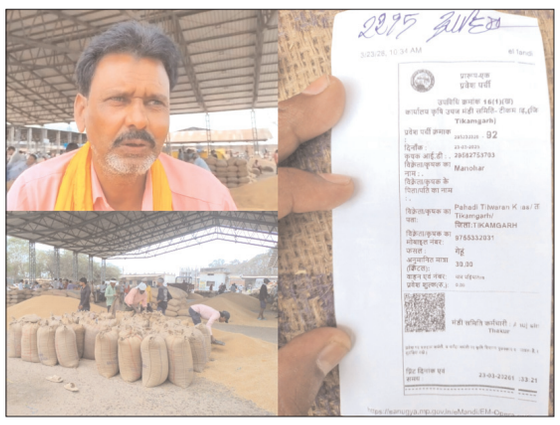

समय जगत, टीकमगढ़। जिले की गल्ला मंडियों में किसानों को अपनी उपज का उचित मूल्य नहीं मिल पा रहा है। यहां गेहूं समर्थन मूल्य से काफी कम दाम पर बिक रहा है, जिससे किसानों में नाराजगी देखी जा रही है। मंडी में पहुंचे एक किसान ने अपनी समस्या बताते हुए कहा कि वह पहाड़ी क्षेत्र से 30 क्विंटल गेहूं लेकर आया था, लेकिन उसे मजबूरी में मात्र 2195 रुपये प्रति क्विंटल के भाव से अपनी फसल बेचनी पड़ी। जबकि सरकार द्वारा गेहूं का समर्थन मूल्य लगभग 2600 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है। किसान ने बताया कि ऑनलाइन पंजीयन और बिक्री से जुड़ी वेबसाइट सही तरीके से काम नहीं कर रही है, जिससे वह समर्थन मूल्य पर अपनी उपज बेचने में असमर्थ रहा। इसके अलावा घर में शादी होने के कारण उसे तुरंत पैसों की जरूरत थी, इसलिए कम दाम पर ही गेहूं बेचना पड़ा। मंडी में इस तरह की स्थिति अन्य किसानों के साथ भी देखने को मिल रही है, जहां तकनीकी समस्याएं और व्यवस्थागत कमियां किसानों पर आर्थिक बोझ डाल रही हैं। किसानों ने प्रशासन से मांग की है कि ऑनलाइन प्रणाली को सुचारु रूप से संचालित किया जाए और उन्हें समर्थन मूल्य पर उपज बेचने की सुविधा सुनिश्चित की जाए, ताकि उन्हें नुकसान न उठाना पड़े।

टीकमगढ़ में मानवता की मिसाल: घायल युवक की मदद के लिए आगे आए टैक्सी चालक

टीकमगढ़। पुरानी टेहरी बाईपास स्थित सुभाषचंद्र पार्क के पास एक सड़क हादसे में घायल हुए युवक की मदद के लिए दो स्थानीय युवकों ने तत्परता दिखाते हुए मानवता की मिसाल पेश की। जानकारी के अनुसार, अचानक वाहन स्लिप होने से अजनौर निवासी राजाबाबू सड़क पर गिर गए और उन्हें गंभीर चोटें आईं, जिससे काफी खून बहने लगा। घटना के दौरान वहां से गुजर रहे एक व्यक्ति ने तुरंत अपने परिचित अमर को फोन कर हादसे की जानकारी दी। सूचना मिलते ही अमर ने बिना देरी किए टैक्सी चालक विजय भाई टीकमगढ़ और धर्मसिंह लोधी दरगुवां को संपर्क किया। दोनों ने अपना काम छोड़कर तुरंत घटनास्थल पर पहुंचकर घायल युवक को अपनी टैक्सी से अस्पताल पहुंचाया। इसके बाद अमर ने घायल राजाबाबू के परिजनों, भाई शंकर और अन्य साथियों को भी सूचना दी, जिससे समय रहते उपचार शुरू हो सका। इस सराहनीय कार्य के लिए विजय भाई और धर्मसिंह लोधी की क्षेत्र में खूब प्रशंसा हो रही है। स्थानीय लोगों ने उनके इस मानवीय कदम को प्रेरणादायक बताया है। सभी ने राजाबाबू के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है।

नदी में मिला एक व्यक्ति का शव

समय जगत, टीकमगढ़। जिले के कुंडेश्वर धाम क्षेत्र से एक दुखद घटना सामने आई है। शिवपुरी गांव के पास स्थित कुंडेश्वर नदी में एक वृद्ध व्यक्ति का शव उतराता हुआ मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान हेमंत जैन के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि उनके पुत्र ने दो दिन पहले ही थाना कोतवाली में उनकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। स्थानीय लोगों ने नदी में शव को देखा और तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नदी से बाहर निकलवाया। प्रारंभिक जांच में मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है, हालांकि मृत्यु के वास्तविक कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है और परिजनों से पूछताछ की जा रही है। घटना के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है।

सीएमओ की मनमानी से बैठक निरस्त, 6 माह से ठप विकास कार्यों पर उठे सवाल

समय जगत, श्योपुर। नगर पालिका परिषद श्योपुर में प्रशासनिक कार्यप्रणाली को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। परिषद की निर्धारित बैठक को बिना किसी ठोस कारण के निरस्त किए जाने से जनप्रतिनिधियों में नाराजगी बढ़ गई है और नगर के विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं। इस संबंध में पार्षदों ने सोमवार को कलेक्टर अर्पित वर्मा को ज्ञापन सौंपा है। जानकारी के अनुसार, नगर पालिका परिषद की महत्वपूर्ण बैठक 16 मार्च को प्रस्तावित थी, जिसमें बजट सहित जनहित से जुड़े कई अहम मुद्दों पर चर्चा होनी थी। लेकिन बैठक से दो दिन पहले, 14 मार्च को मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ) द्वारा नोटिस जारी कर बैठक को निरस्त कर दिया गया। खास बात यह रही कि बैठक निरस्त करने के पीछे कोई स्पष्ट कारण नहीं बताया गया। बताया जा रहा है कि परिषद की बैठक आयोजित करने के लिए चंबल संभाग के कमिश्नर द्वारा भी निर्देश दिए गए थे, इसके बावजूद बैठक नहीं कराई गई। वहीं पिछले छह माह से अधिक समय से परिषद की बैठक नहीं होने से नगर विकास कार्यों पर असर पड़ रहा है। वित्तीय वर्ष के अंतिम चरण में बजट प्रस्तुत न होना भी एक गंभीर विषय माना जा रहा है। नेता प्रतिपक्ष सलाउद्दीन ने इस पूरे मामले को लेकर कलेक्टर से शिकायत करते हुए सीएमओ पर मनमानी करने और जनहित के कार्यों में बाधा उत्पन्न करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि यह स्थिति नगर के विकास के लिए चिंताजनक है और इससे प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठते हैं। उन्होंने कलेक्टर से मांग की है कि पूरे मामले की जांच कर जिम्मेदार अधिकारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि परिषद की बैठकें नियमित रूप से आयोजित हो सकें और नगर के विकास कार्य गति पकड़ सकें।

मां गौरी सेवा समिति द्वारा निकाली चुनरी यात्रा

सिरोंज। मां गौरी सेवा समिति द्वारा सोमवार को चतुर्भुज मंदिर से ग्राम वीरपुर स्थित महामाई मंदिर तक विशाल चुनरी यात्रा निकाली गयी। चुनरी यात्रा में महिलाओं द्वारा हाथों में विशाल चुनरी थामे हुऐ थी। विशाल चुनरी यात्रा चतुर्भुज मंदिर से मुख्य बाजार होते हुऐ तहसील रोड होकर भोपाल रोड होते हुऐ डांगवाली स्थित महामाई मंदिर पहुंचकर समापन हुआ। इस दौरान मनीष चौरसिया, राकेश शर्मा सहित बड़ी संख्या में महिलाऐ व युवतियां शामिल रही।

बड़ौदा में कुंडेश्वर महादेव मंदिर में भक्ति की गूंज, अखंड रामायण पाठ

श्योपुर ब्यूरो। नगर के प्राचीन श्री कुंडेश्वर महादेव मंदिर में इन दिनों भक्ति, श्रद्धा और आस्था का अनुपम संगम देखने को मिल रहा है। मंदिर में आयोजित नौ दिवसीय अखंड रामायण पाठ एवं भव्य महाआरती ने पूरे क्षेत्र को भक्तिमय बना दिया है। दूर-दूर से श्रद्धालु पहुंचकर धर्म लाभ अर्जित कर रहे हैं। मंदिर परिसर में निरंतर चल रहे अखंड रामायण पाठ के दौरान राम नाम के संकीर्तन और भक्ति गीतों से वातावरण पूरी तरह आध्यात्मिक रंग में रंगा हुआ है। श्रद्धालु बड़ी संख्या में भाग लेकर आयोजन को सफल बना रहे हैं, जिससे पूरे नगर में उत्साह का माहौल बना हुआ है। मंदिर के पुजारी पंडित दीपक गौतम ने बताया कि आयोजन के दौरान प्रतिदिन भगवान का विशेष और आकर्षक श्रृंगार किया जा रहा है। अलग-अलग स्वरूपों में सजे भगवान के दर्शन श्रद्धालुओं के लिए खास आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। प्रतिदिन रात्रि 9 बजे होने वाली भव्य महाआरती में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है। इस दौरान पूरा मंदिर परिसर जयकारों, घंटों-घड़ियालों और भक्ति संगीत से गूंज उठता है, जिससे वातावरण अत्यंत दिव्य और भावपूर्ण हो जाता है। यह आयोजन न केवल लोगों की आस्था को सशक्त कर रहा है, बल्कि समाज में धार्मिक एकता, सामूहिक सहभागिता और आध्यात्मिक ऊर्जा का भी संचार कर रहा है।

एचपीवी टीकाकरण की गति बढ़ाने के निर्देश

कलेक्टर ने किया अस्पताल का निरीक्षण

समय जगत, श्योपुर। कलेक्टर अर्पित वर्मा सोमवार को आदिवासी विकासखण्ड कराहल स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य अधिकारियों को एचपीवी टीकाकरण की गति बढाये जाने के निर्देश दिये गये। इस अवसर पर एसडीएम बीएस श्रीवास्तव, सीएमएचओ डॉ दिलीप सिकरवार, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ मुकेश मीणा, ब्लॉक मेडिकल आफिसर डॉ सौरभ कुशवाह, सीईओ जनपद राकेश शर्मा, तहसीलदार रोशनी शेख सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर ने स्वास्थ्य अधिकारियों को निर्देश दिये कि 14 से 15 वर्ष आयुवर्ग की बालिकाओं को सर्वाइकल कैंसर से बचाने के लिए टीकाकरण किया जा रहा है, जिसके तहत एचपीवी वैक्सीन सभी स्वास्थ्य केन्द्रों पर उपलब्ध कराई गई है, यह वैक्सीन 14 से 15 वर्ष उम्र के मध्य की किशोरी बालिकाओं को लगाया जाना है। इस हेतु जिले में 8 हजार 206 वैक्सीन का लक्ष्य प्राप्त हुआ है, यह वैक्सीन निशुल्क रूप से लगाई जा रही है। उन्होंने स्वास्थ्य अधिकारियों को निर्देश दिये कि मार्च अंत तक लक्ष्य अनुसार टीकाकरण किया जाना सुनिश्चित करें। इस दौरान जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ मुकेश मीणा ने जानकारी दी कि प्राथमिक एवं उप स्वास्थ्य केन्द्रो के माध्यम से टीकाकरण किया जा रहा है तथा अभी तक 40 प्रतिशत के लगभग टीकाकरण का कार्य किया गया है, जिले में 14 से 15 वर्ष की शत प्रतिशत बालिकाओं के टीकाकरण के लिए अभियान चलाया जा रहा है।

कलेक्टर द्वारा इस अवसर पर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का अवलोकन करते हुए स्वास्थ्य सेवाओं एवं सुविधाओं का आंकलन किया गया।

कलेक्टर ने किया पीएमजीएसवाय सड़कों का निरीक्षण, उखड़ी सड़कों का सुधार कराने के दिये निर्देश

समय जगत, श्योपुर। कलेक्टर अर्पित वर्मा द्वारा आज बडौदा क्षेत्र में पीएमजीएसवाय अंतर्गत पूर्व में निर्मित सडको का निरीक्षण करते हुए उनके संधारण किये जाने के निर्देश अधिकारियों को दिये गये। इस अवसर पर पीएमजीएसवाय के महाप्रबंधक सतेन्द्र चौहान, तहसीलदार सुरेश राठौर आदि उपस्थित थे। कलेक्टर अर्पित वर्मा द्वारा आज एल-035 रतोदन से महाराजपुरा, एल-035 रतोदन से कलोनी सहित बडौदा-कुंहाजापुर रोड से बागल्दा तथा केरका-सरजूपुरा रोड का अवलोकन कर सडको की स्थिति का जायजा लिया गया। उन्होंने महाराजपुरा सडक के अवलोकन के दौरान एक स्थान पर गढ्ढे की रिपयेरिंग करने के निर्देश दिये, इसके साथ ही बडौदा-कुंहाजापुर रोड से बागल्दा तथा कैरका-सरजूपुरा मार्ग को बीटी कार्य संधारित करने हेतु निर्देशित किया गया। अधिकारियों ने बताया कि बागल्दा तथा कैरका-सरजूपुरा मार्ग की संधारण अवधि क्रमशः 2021 से 2026, 2020 से 2025 है, गारंटी अवधि समाप्त होने से कैरका-सरजूपुरा मार्ग की टेण्डर प्रक्रिया संचालित है, इसी प्रकार बागल्दा रोड की संधारण अवधि 10 वर्ष है। रतोदन से कलोनी तक 1.489 किलोमीटर लम्बे मार्ग की संधारण अवधि 2025 से 2030 तक है तथा उक्त मार्ग संधारित है और अच्छी स्थिति में है। इसी प्रकार रतोदन से महाराजपुरा मार्ग 2.452 किलोमीटर लम्बाई की संधारित अवधि 2025 से 2030 है। उन्होने बताया कि पीएम जनमन योजना के तहत कलोनी से महाराजपुरा तक 1.3 किलोमीटर लम्बाई की सडक स्वीकृत हुई है, यह मार्ग 54 लाख 73 हजार की लागत से बनाया जायेगा।

'मेरे राम आएंगे 'भजन पर झूम उठा महामाई परिसर स्वास्ति मेहुल के सुंदर भजनों के साथ हुआ भव्य जागरण

समय जगत, सिरोंज। गत शाम महामाई मेले में भक्ति और आस्था का अद्भुत माहौल देखने को मिला, जब देश की प्रसिद्ध भजन गायिका स्वास्ति मेहुल ने अपनी सुमधुर प्रस्तुतियों से पूरे परिसर को भक्तिमय कर दिया। उनके भजनों ने उपस्थित श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया और पूरा परिसर भक्ति रस में डूब गया जिसमें कार्यक्रम का शुभारंभ मां महामाई की विधिवत पूजा-अर्चना एवं क्षेत्र के पूर्व मंत्री स्वर्गीय लक्ष्मीकांत शर्मा के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। इस अवसर पर विधायक एवं समिति के संरक्षक उमाकांत शर्मा ने समिति के सदस्यों के साथ मिलकर स्वास्ति मेहुल एवं उनकी टीम का भव्यता के साथ स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान जब स्वास्ति मेहुल ने मेरे राम आएंगे भजन प्रस्तुत किया, तो श्रद्धालु अपने स्थानों से उठकर झूमने और नृत्य करने लगे। पूरे परिसर में भक्ति और उल्लास का अनोखा दृश्य देखने को मिला। कार्यक्रम की शुरुआत गणेश वंदना से हुई, जिसके बाद एक से बढ़कर एक भजन प्रस्तुत किए गए, विशेष रूप से सुदामा और भगवान श्रीकृष्ण की मित्रता पर आधारित भजन ने श्रोताओं के दिलों को छू लिया। जागरण कार्यक्रम रात्रि लगभग 10.30 बजे प्रारंभ होकर देर रात 12.30 बजे तक चला, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहें स्वास्ति मेहुल ने भी अपने उद्बोधन में कहा कि सिरोंज आकर उन्हें अत्यंत प्रसन्नता हुई।

आज होगी श्रीकृष्णायन की संगीतमयी प्रस्तुतिः

महामाई महोत्सव के अंतर्गत प्रतिदिन सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला जारी है। इसी क्रम में आज ÷श्री कृष्णायन के अंतर्गत भगवान श्रीकृष्ण एवं मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक झलकियों पर आधारित संगीतमयी प्रस्तुति कलाकार मोहित शेरवानी एवं उनकी टीम द्वारा दी जाएगी,इसके साथ ही मेले में प्रतिदिन रामलीला एवं रासलीला का मंचन भी किया जा रहा है, जो श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

कार्यालय नगर परिषद कुक्षी जिला धार (म.प्र.)

07297-244509, Fax-242217 Email - cmokukshi@mpurban.gov.in

क्रमांक / 588/रा.शा./2026 कुक्षी, दिनांक 18/03/2026

:: जाहीर सूचना ::

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निकाय द्वारा कार्या. निविदा विज्ञप्ति क्रमांक 406/रा.शा./2026 कुक्षी दिनांक 23.02.2026 से वर्ष 2026-2027 से जारी बाजार बैठक शुल्क एवं पशु पंजियन फीस वसूली ठेका निलामी दिनांक 13.03.2026 को निलामी रखी गई थी जो कि माननीया अध्यक्ष महोदया, के निर्देशानुसार विज्ञप्ति अपरिहार्य कारणो से निरस्त की गई थी। जिसकी पुन : निलामी यथा शर्तों के आधार पर दिनांक 25.03.2026 को दोपहर 02 :30 बजे से की जाना है।

अत :पुन : नीलामी दिनांक 25.03.2026 को इच्छुक व्यक्ति निर्धारीत अमानत राशि जमा कर निलामी में भाग ले सकता है। सूचित हो ।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद कुक्षी जिला धार

नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं भूपेन्द्र सिंह पोर्ते पिता स्व.श्री छोटेलाल पोर्ते, निवासी - रेल्वे स्टेशन रोड़ स्र-8 निर्मला माया एन्क्लेव कृष्णा नगर राजेन्द्र नगर हुजुर सिकंदरी सराय भोपाल म. प्र .। मेरे सभी शैक्षणिक दस्तावेजों व रेल्वे की सर्विस रिकार्ड ,मे मेरे नाम के साथ मेरा सरनेम पोर्ते (Porte) नहीं लगा हुआ हैं, जो कि गलत हैं, मैं अपने नाम में सरनेम जोड़कर भूपेन्द्र सिंह पोर्ते करना चाहता हूँ, मेरा सही नाम आधार कार्ड, पेन कार्ड व अन्य दस्तावेजों मे दर्ज है, जो कि सही व सत्य है, अत: प्रकाशन उपरांत मेरे सभी शैक्षणिक व शासकीय / अशासकीय दस्तावेजों में मेरा नाम भूपेन्द्र सिंह पोर्ते (Bhupendra Singh Porte) पिता स्व.श्री छोटेलाल पोर्ते (Chhotelal Porte) के नाम से जाना-पहचाना व लिखा-पढ़ा, दर्ज किया जावे।

पुराना नाम
भूपेन्द्र सिंह पिता स्व.श्री छोटेलाल पोर्ते
Bhupendra Singh s/o Chhotelal Porte
नया नाम
भूपेन्द्र सिंह पोर्ते पिता स्व.श्री छोटेलाल पोर्ते
Bhupendra Singh Porte s/o Chhotelal Porte

नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी पुत्री का नाम नैन्सी मोगिया पिता श्री राजेन्द्र सिंह, निवासी - म. न. 7276 गोया कालोनी करोद चौराह, भोपाल म.प्र., मेरी पुत्री के आधार कार्ड में उसका नाम नेन्सी (Nency) त्रुटिवंश दर्ज हो गया है, जो कि गलत है, मेरी पुत्री का सही नाम उसके जन्म प्रमाण पत्र में दर्ज है, जो कि सही व सत्य है, नेन्सी (Nency) और नैन्सी मोगिया दोनों ही मेरी पुत्री के नाम है, अत: प्रकाशन उपरांत मेरी मेरे पुत्री के आधार कार्ड व सभी शैक्षणिक / गैर- शैक्षणिक दस्तावेजों में सही नाम नैन्सी मोगिया (NAINSI MOGIYA) पिताश्री राजेन्द्र सिंह (RAJENDRA SINGH) के नाम से जाना-पहचाना व लिखा- पढ़ा दर्ज किया जावे।

पुराना नाम
नेन्सी पिताश्री राजेन्द्र सिंह
Nency D/o Rajendra Singh
नया नाम
नैन्सी मोगिया पिताश्री राजेन्द्र सिंह
NAINSI MOGIYA
D/o RAJENDRA SINGH

म.प्र.गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल

आम सूचना

राजीव नगर हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी भोपाल में स्थित भवन ई.डब्ल्यू.एस-ए/ई-194, ए-सेक्टर मण्डल द्वारा भाडाकय आधार पर आवंटन आदेश क्र. 11462-66 दिनांक 06/11/2000 के द्वारा श्रीमती ज्योति कटारे पत्नी श्री राजेन्द्र कुमार कटारे के नाम आवंटित है। उनके द्वारा उपपंजीयक कार्यालय से दिनांक 07/06/2024 को विक्रय विलेख निष्पादित किया गया है। श्रीमती ज्योति कटारे की दिनांक 19/11/2025 को होने के उपरांत उनकी पुत्रीयां श्रीमती रितु कटारे पत्नी श्री विनय यादव (पुत्री श्री राजेन्द्र कुमार कटारे) एवं सुश्री पद्मिनी कटारे आत्मज श्री राजेन्द्र कुमार कटारे के द्वारा उनके स्वयं के संयुक्त नाम पर नामांतरण करने हेतु दिनांक 08/03/2026 को आर्नेलाईन आवेदन करा कर प्रस्तुत आवेदन पत्र, शपथ-पत्र, विक्रय पत्र की छायाप्रति, मृत्यु प्रमाण पत्र की छायाप्रति, आधारकार्ड, परिवार के अन्य सदस्यों का अनापत्ति शपथपत्र प्रस्तुत किये गये है। प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर उक्त संपत्ति श्रीमती रितु कटारे पत्नी श्री विनय यादव (पुत्री श्री राजेन्द्र कुमार कटारे) एवं सुश्री पद्मिनी कटारे आत्मज श्री राजेन्द्र कुमार कटारे के संयुक्त नाम पर नामांतरण करने हेतु प्रकरण इस कार्यालय में विचाराधीन है।

यदि किसी व्यक्ति/उत्तराधिकारी / या किसी संस्था को इस संबंध में कोई आपत्ति हो ता 15 दिवस के अन्दर लिखित रूप से सबूत के साथ इस कार्यालय को प्रस्तुत करें, समयावधि के पश्चात् कोई भी आपत्ति स्वीकार नही की जावेगी एवं मण्डल नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।

संपदा अधिकारी
म.प्र. गृह निर्माण सहकारी एवं अधोसंचना विकास मण्डल प्रक्षेत्र-2 भोपाल

म.प्र.गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल

आम सूचना

सोनागिरी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी भोपाल में स्थित भवन एल.आई.जी.-207 ए-सेक्टर मण्डल द्वारा नामांतरण आदेश क्र. 332-35 दिनांक 14/01/2016 के द्वारा श्रीमती गीता देवी कुशवाह पत्नी श्री सुरेन्द्र सिंह कुशवाह के नाम नामांतरित है। जिसका उपपंजीयक कार्यालय से दिनांक 17/08/2001 को विक्रय विलेख निष्पादित किया गया है। एवं जिसका लीज नवीनीकरण उपपंजीयक कार्यालय से दिनांक 07/06/2016 को निष्पादित किया गया है। श्रीमती गीता देवी कुशवाह के द्वारा उक्त भवन विक्रय पत्र दिनांक 05/02/2025 के द्वारा श्रीमती दीक्षा दीक्षित पत्नी श्री अजित दीक्षित को विक्रय कर दिया गया है। अत: उक्त संपति केता/विक्रेता द्वारा श्रीमती दीक्षा दीक्षित पत्नि श्री अजित दीक्षित के नाम से हस्तान्तरण करने हेतु दिनांक 16/03/2026 को ऑनलाईन आवेदन पत्र, केता/विक्रेता परिचय पत्र सत्यापनप्रमाण पत्र, शपथ-पत्र, संयुक्त शपथ-पत्र, घोषणा पत्र, आधारकार्ड, एवं विक्रय पत्र दिनांक 05/02/2025 की छायाप्रति प्रस्तुत किये गये है। भवन के हस्तांतरण हेतु प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर उक्त संपत्ति श्रीमती दीक्षा दीक्षित पत्नी श्री अजित दीक्षित के नाम से हस्तान्तरण करने हेतु प्रकरण इस कार्यालय में विचाराधीन है।

उक्त संपति के संबंध में यदि किसी व्यक्ति/उत्तराधिकारी/या किसी संस्था को इस संबंध में कोई आपत्ति हो तो 15 दिवस के अन्दर लिखित रूप से मय सबूत के साथ इस कार्यालय को प्रस्तुत करें, समयावधि के पश्चात् कोई भी आपत्ति स्वीकार नही की जावेगी एवं मण्डल नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।

संपदा अधिकारी
म.प्र. गृह निर्माण सहकारी एवं अधोसंचना विकास मण्डल प्रक्षेत्र-2 भोपाल

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल

:: आम सूचना ::

अरविन्द विहार बागमुगालिया हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी भोपाल में भूखण्ड / भवन क्रमांक एम.आई.जी. एम-46 मण्डल द्वारा श्री हरी नारायण अग्रवाल आत्मज श्री ब्रज मोहन दास अग्रवाल के नाम पर आवंटित किया गया है। जिसका विक्रय विलेख दिनांक 24/02/1993 को पंजीयन कार्यालय से पंजीकृत है। क्रेता / विक्रेता द्वारा आवेदन, परिचय पत्र शपथ-पत्र, संयुक्त शपथ-पत्र एवं मण्डल प्रारूप पर आवेदन प्रस्तुत करते हुए उक्त संपति श्री कृष्ण प्रसाद आत्मज श्री डोमा प्रसाद एवं श्री संदीप कुशवाहा आत्मज श्री कृष्णा प्रसाद के संयुक्त नाम पर हस्तान्तरित करने हेतु दस्तावेज प्रस्तुत किये गये है एवं उप पंजीयक कार्यालय द्वारा उक्त संपत्ति का विक्रय विलेख दिनांक 28/03/2025 को क्रेता के पक्ष में दस्तावेज पंजीकृत किया गया है। प्रस्तुत दस्तावेजो के आधार पर उक्त संपति श्री कृष्ण प्रसाद आत्मज श्री डोमा प्रसाद एवं श्री संदीप कुशवाहा आत्मज श्री कृष्णा प्रसाद के संयुक्त नाम पर हस्तान्तरण का प्रकरण इस कार्यालय में विचाराधीन है।

उक्त संपति के संबंध में यदि किसी व्यक्ति / उत्तराधिकारी / या किसी संस्था को इस संबंध में कोई आपत्ति हो तो 15 दिवस के अन्दर लिखित रूप से मय सबूत के साथ इस कार्यालय को प्रस्तुत करें, समयावधि के पश्चात् कोई भी आपत्ति स्वीकार नही की जावेगी एवं मण्डल नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।

संपदा अधिकारी
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल प्रक्षेत्र-2, भोपाल

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल

:: आम सूचना ::

सतलापुर हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी मण्डीदीप जिला रायसेन में भूखण्ड / भवन क्रमांक जूनि. एम. आई.जी. 17 मण्डल द्वारा श्रीमती गीता देवी सोनी पत्नी स्व. श्री शिवनारायण सोनी के नाम भाड़ाकय खरीद करार के आधार पर हस्तान्तरण आदेश क्र. 5648-50 दिनांक 12/10/2009 को हस्तान्तरित किया गया है। जिसका विक्रय विलेख दिनांक 03/06/2010 को उप पंजीयक कार्यालय औबेदुल्लागंज जिला रायसेन से पंजीकृत है। आवंटी द्वारा लीज नवीनीकरण दिनांक 08/12/2025 को उप पंजीयक कार्यालय में पंजीकृत करवा ली गई है। क्रेता / विक्रेता द्वारा आवेदन, परिचय पत्र, शपथ-पत्र, संयुक्त शपथ-पत्र एवं मण्डल प्रारूप पर आवेदन प्रस्तुत करते हुए उक्त संपत्ति श्री विपिन कुमार आत्मज श्री शिवनारायण सोनी के नाम पर हस्तान्तरित करने हेतु दस्तावेज प्रस्तुत किये गये है एवं उप पंजीयक कार्यालय औबेदुल्लागंज जिला रायसेन द्वारा उक्त संपति का विक्रय विलेख दिनांक 23/12/2025 को क्रेता के पक्ष में दस्तावेज पंजीकृत किया गया है। प्रस्तुत दस्तावेजो के आधार पर उक्त संपति श्री विपिन कुमार आत्मज श्री शिवनारायण सोनी के नाम पर हस्तान्तरण का प्रकरण इस कार्यालय में विचाराधीन है।

उक्त संपति के संबंध में यदि किसी व्यक्ति / उत्तराधिकारी / या किसी संस्था को इस संबंध में कोई आपत्ति हो तो 15 दिवस के अन्दर लिखित रूप से मय सबूत के साथ इस कार्यालय को प्रस्तुत करें, समयावधि के पश्चात् कोई भी आपत्ति स्वीकार नही की जावेगी एवं मण्डल नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।

संपदा अधिकारी
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल प्रक्षेत्र-2, भोपाल

न्यायालय तहसीलदार वृत्त - 3 तहसील-हुजूर जिला भोपाल

प्रकरण क्रमांक-9383/अ-6/2025-2026
मौजा-नीलबड़ तहसील हुजूर भोपाल

उद्घोषणा पत्र

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री आनंद श्रीवास्तव आत्मज श्री रमेश चंद्र श्रीवास्तव निवासी एल आईजी 135 सेक्टर 2 ए साकेत नगर भोपाल म0प्र0, ने द्वारा म.प्र.भू.रा. संहिता 1959 की धारा 109, 110 के तहत आवेदन पत्र प्रस्तुत कर रजिस्टर्ड संशोधन पत्र दस्तावेज क्र. - एमपी 43 आईजी 16952025 ए 100695016 दिनांक 06/08/2025 के आधार पर भूमि खसरा क्रमांक 105 / 2/2 रकबा 0.1250 हे0 वर्तमान खसरा क्र. 107/1/1/1 रकबा 1.1244 हे0 एंव 107 /2/1/1 रकबा 0.8828 हे0 कुल रकबा में से 1000 वर्गफिट भूमि ग्राम नीलबड़ प0ह0न0 51 तहसील हुजूर जिला भोपाल का नामांतरण राजस्व अभिलेखों में आवेदक के नाम स्वीकृत किए जाने का अनुरोध किया गया है।

2- उक्त संबंध में किसी व्यक्ति / संस्था को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से प्रकरण में नियत पेशी दिनांक 30.03.2026 को या इससे पूर्व इस न्यायालय में उपस्थित होकर पेश कर सकता है । समयावधि पश्चात् प्रस्तुत किसी भी आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा । उक्त उद्घोषणा पत्र मेरे द्वारा न्यायालय की पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से आज दिनांक 23.03.2026 को जारी किया गया ।

तहसीलदार
तहसील हुजूर भोपाल

न्यायालय तहसीलदार वृत्त - 3 तहसील-हुजूर जिला भोपाल

प्रकरण क्रमांक-9386/अ-6/2025-2026
मौजा-नीलबड़ तहसील हुजूर भोपाल

उद्घोषणा पत्र

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री संदीप जैन ने द्वारा म.प्र.भू.रा. आत्मज श्री इमरत लाल जैन निवासी 103 महाबली नगर भोपाल म0प्र0, संहिता 1959 की धारा 109, 110 के तहत आवेदन पत्र प्रस्तुत कर रजिस्टर्ड संशोधन पत्र दस्तावेज क्र.-एमपी43आईजी 16952025 ए 100725449 दिनांक 18/08/2025 के आधार पर भूमि खसरा क्रमांक 105 / 2 / 2 रकबा 0.1250 हे0 वर्तमान खसरा क्र. 107/1/1/1 रकबा 1.1244 हे. एंव 107 /2/1/1 रकबा 0.6828 हे0 कुल रकबा मे से 1200 वर्गफिट भूमि ग्राम नीलबड़ प0ह0न0 51 तहसील हुजूर जिला भोपाल का नामांतरण राजस्व अभिलेखों में आवेदक के नाम स्वीकृत किए जाने का अनुरोध किया गया है।

2- उक्त संबंध में किसी व्यक्ति / संस्था को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से प्रकरण में नियत पेशी दिनांक 30.03.2026 को या इससे पूर्व इस न्यायालय में उपस्थित होकर पेश कर सकता है । समयावधि पश्चात् प्रस्तुत किसी भी आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा । उक्त उद्घोषणा पत्र मेरे द्वारा न्यायालय की पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से आज दिनांक 23.03.2026 को जारी किया गया ।

तहसीलदार
तहसील हुजूर भोपाल

विधायक ने सीईओ, सरपंच, सचिव, जीआरएस के साथ की समीक्षा बैठक

समय जगत, सिवनी मालवा। क्षेत्रीय विधायक प्रेमशंकर वर्मा ने जनपद पंचायत सभागार में विकासखण्ड की 96 पंचायतों के सरपंच, सचिव, सहायक सचिव, सीईओ और विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ मिलकर क्षेत्र में चल रहीं जनहितकारी योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, तालाब निर्माण, नलजल योजना, स्वच्छता अभियान, जल गंगा संवर्धन योजना, सांसद, विधायक निधि के विकास कार्यों कि प्रगति की समीक्षा की।इस दौरान जनता से चुने गए सरपंचो से उनके क्षेत्र के विकास कार्यों और उसमें आ रहीं समस्याओं के विषय में चर्चा की।

सरपंचों ने कहा-सीईओं कॉल नहीं उठाती हैं: विधायक की समीक्षा बैठक में आए सरपंचों ने कहा कि विकास चल रहे हैं लेकिन कई पंचायतों में सचिव, सहायक सचिव सहयोग नही करते हैं। जिसकी शिकायत हम जनपद पंचायत सीईओ से कई बार कर चुके हैं लेकिन जनपद पंचायत सीईओ श्रुति चौधरी इस ओर कोई ध्यान नहीं देती हैं और न ही मोबाईल पर कॉल उठाती हैं। जिस पर विधायक श्री वर्मा ने सीईओ से कहा कि ऐसा नहीं चलेगा। सरपंचों को भी जनता ने चुना है। यदि आप कहीं बैठक में व्यस्त हो तो बाद में उस नम्बर पर कॉल कर बात करें और उनकी समस्या का निदान करें।

सरपंचों ने पंचायतों में लगने वाली रेत की रायल्टी निर्धारित करने की मांग की:समीक्षा बैठक में आए सांटई पंचायत सरपंच लता देवड़ा, बटकी/इकलानी पंचायत सरपंच धनसिंह सूरमा, धामनियां पंचायत सरपंच आशा राजपूत ने कहा कि हमारी पंचायत निर्विरोध चुनी गई हैं लेकिन इसके बाद भी हमे अपेक्षित सहयोग नहीं मिल रहा है, अधिकारी, सचिव सुनते नहीं हैं। इन्होंने विधायक से कहा कि पंचायतों में चल रहे विकास कार्यों में रेत रायल्टी कम ली जाए लेकिन रेत के ठेकेदार मनमानी तरीके से रायल्टी वसूल रहे हैं। जिसका निर्धारण कराया जाए।

सीईओ ने दी जानकारी: समीक्षा में जनपद सीईओ श्रुति चौधरी ने जानकारी दी कि शासकीय स्कूलों, पंचायत भवनों व आंगनवाड़ी केंद्रों में वर्षा जल संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए रैन वाटर हार्वेस्टिंग संरचनाएं तैयार की जा रही हैं। जनपद क्षेत्र में तालाब निर्माण की कुल 194 स्वीकृतियां प्रदान की गई हैं। जिनमें से अब तक केवल 7 कार्य पूर्ण हो पाए हैं। कार्यों की धीमी प्रगति पर विधायक ने अधिकारियों को जिम्मेदारी पूर्वक कार्य करते हुए निर्धारित समय सीमा में निर्माण कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए। सीईओ ने बताया कि विधायक निधि के 123 में से 85 पूरे हुए हैं। 33 प्रगतिरत हैं, 5 शुरू नहीं किए गए हैं। ऐसी पांच पंचायतों के सरपंच, सचिवों को बुलाकर उनका कारण पूछा गया और कार्य पूरे करने की बात कहीं।

ग्रामीण अंचल में प्रधानमंत्री आवास के 1 लाख 38 हजार की राशि कम है: सरपंचों ने प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में मिलने वाली 1 लाख 38 हजार रुपये की राशि को वर्तमान परिस्थितियों के अनुसार कम बताया। उन्होंने कहा कि मकान निर्माण में लगने वाली हर सामग्री शहर में कम कीमत में मिल जाती है। जबकि उसी सामग्री को गांव में ले जाने में अतिरिक्त भाड़ा भी लगता है। फिर ग्रामीणजनों को कम राशि क्यों दी जा रहीं है, इसे बढ़ाया जाए। सरपंचों ने कहा कि गांवों में रेत उपलब्ध होने के बावजूद रेत महंगी मिल रही है। सरपंचों ने यह भी बताया कि रेत कंपनी द्वारा एक ही घाट का ठेका होने के बावजूद अन्य घाटों से भी रेत उठाने का कार्य किया जा रहा है।

भजन गायक सुमित महतकर ने खाटू श्यामजी में दी अपने भजनों की प्रस्तुति

हरिप्रसाद गोहे,आमला। आमला के प्रसिद्ध भजन गायक श्याम प्रेमी सुमित महतकर श्याम भजनों की प्रस्तुति देने एवं बाबा श्याम के दर्शन के लिए अपनी टीम के साथ खाटू श्याम दरबार पहुंचे थे। उन्होंने वहां पहुंच बाबा के दर्शन किए और श्यामप्रेमियों के साथ भजन का आनंद लिया। सुमित महतकर ने टीम के साथ किर्तन शुरू होने से पहले बाबा के मंदिर पहुंचकर दर्शन किए और सभी के लिए मंगल कामना की। खाटूश्यामजी में सुमित महतकर के भजन की प्रस्तुति ने श्यामप्रेमियों को मंत्रमुग्ध कर दिया। हरियाणा, पंजाब, दिल्ली, महाराष्ट्र और अन्य राज्यों से आए श्यामप्रेमियों ने श्याम की चौखानी

धर्मशाला में बाबा के भजन का भरपूर आनंद लिया। सुमित महतकर को अन्य राज्यों से आए श्यामप्रेमियों ने खाटूश्याम जी, चुलकाना धाम, सिलीगुड़ी, लखनऊ यूपी जैसे तमाम नगरों में बाबा का कीर्तन करने को कहा है। बहुत जल्द ही महानगरों में भी गायक सुमित महतकर द्वारा कीर्तन किए जाएंगे।

सार-समाचार

धार में खेलों का महाकुंभ, युवाओं ने दिखाया दम जिला स्तरीय प्रतियोगिता रही शानदार

धार। मेरा युवा भारत, धार के तत्वावधान में आयोजित जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिता ने पूरे जिले में खेल उत्साह की नई ऊर्जा भर दी। कैंब्रिज स्कूल परिसर में हुए इस भव्य आयोजन में 150 से अधिक खिलाड़ियों ने जोश, जुनून और प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक श्रीमती नीना विक्रम वर्मा ने दीप प्रज्वलित कर किया। उन्होंने युवाओं को फिट इंडिया, हिट इंडिया का मंत्र देते हुए खेलों में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया और विजेता टीमों के लिए 10,000 रुपये तथा उपविजेताओं के लिए 5,000 रुपये की प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की। प्रतियोगिता में कबड्डी, खो-खो, 200 मीटर दौड़ और लंबी कूद जैसी स्पर्धाओं में सरदारपुर, तिरला, मनावर, नालछा और धार ब्लॉक के खिलाड़ियों ने अपनी ताकत दिखाई। महिला 200 मीटर दौड़ में रचना पुरोहित और पुरुष वर्ग में भविष्य चौहान ने बाज़ी मारी। कबड्डी में धार ब्लॉक विजेता रहा, जबकि खो-खो में तिरला ने जीत हासिल कर सबका ध्यान खींचा। विशिष्ट अतिथि छोटू शास्त्री ने युवाओं को खेलों को करियर के रूप में अपनाने की प्रेरणा दी। विजेताओं को शील्ड, प्रमाण पत्र और 'माय भारत' टी-शर्ट देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की खास बात यह रही कि 35 युवा मंडलों को खेल किट प्रदान की गई, जिससे गांव-गांव में खेल गतिविधियां और मजबूत होंगी। साथ ही एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया। पूरे आयोजन में ऊर्जा, अनुशासन और खेल भावना का अनोखा संगम देखने को मिला, जिसने यह साबित कर दिया कि धार का युवा अब हर मैदान जीतने को तैयार है।

गढ़ी के ऐतिहासिक तालाब के जीर्णोद्धार की मांग तेज

समय जगत, गैरतगंज। ज़िले की गैरतगंज तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत गढ़ी में स्थित ऐतिहासिक तालाब के जीर्णोद्धार की मांग ग्रामीणों द्वारा तेज़ी से उठाई जा रही है। करीब 8 से 9 हज़ार की आबादी वाली इस बड़ी पंचायत में चार टोले और दो मजरे शामिल हैं। गांव के किले के पास स्थित यह तालाब 1857 से पहले का बताया जाता है और लगभग पांच एकड़ से अधिक क्षेत्र में फैला हुआ है। ग्रामीणों के अनुसार वर्षों से उचित रख-रखाव न होने और खेतों से मिट्टी बहकर आने के कारण यह तालाब पूरी तरह भर चुका है। यदि इसका गहरीकरण (डीपेनिंग) किया जाए तो तालाब 10-10 फीट तक गहरा हो सकता है, जिससे गर्मी के मौसम में भी इसमें पानी बना रहेगा। इससे आसपास के नलकूपों और कुओं का जल स्तर बढ़ेगा और हर साल फरवरी से शुरू होने वाली पानी की समस्या से काफी हद तक राहत मिल सकेगी। साथ ही पशुओं के लिए भी पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित होगी। ग्रामीणों ने मांग की है कि शासन की महत्वपूर्ण योजना जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत इस तालाब को शामिल कर उसका जीर्णोद्धार कराया जाए। ग्राम पंचायत गढ़ी के सरपंच सैयद मसूद अली पटेल एवं अन्य जनप्रतिनिधियों ने प्रशासन से महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के अंतर्गत डीपीआर तैयार कराकर तालाब के गहरीकरण और सौंदर्यीकरण की मांग की है, लेकिन अब तक इस दिशा में कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।वहीं, रायसेन से राहतगढ़ तक 81 किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण मध्यप्रदेश रोड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (एमपीआरडीसी) द्वारा कराया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि इस सड़क निर्माण में उपयोग होने वाली मुरम (मिट्टी) तालाब से निकाली जा सकती है, जिससे एक ओर तालाब का गहरीकरण होगा और दूसरी ओर सड़क निर्माण में भी सहूलियत मिलेगी। ग्राम पंचायत गढ़ी एवं ग्रामीणों ने कलेक्टर रायसेन श्री अरुण कुमार विश्वकर्मा से मांग की है कि सड़क निर्माण कंपनी को तालाब की खुदाई की अनुमति दी जाए, ताकि जल्द से जल्द इस ऐतिहासिक जल स्रोत का पुनर्जीवन हो सके और क्षेत्रवासियों को जल संकट से राहत मिल सके।

आलमपुर में श्रद्धा और उल्लास के साथ निकाली गई 51 फुट लंबी चुनरी यात्रा

गैरतगंज। चैत्र नवरात्रि के पावन पर्व पर संपूर्ण क्षेत्र भक्तिमय माहौल में डूबा हुआ है। जगह-जगह धार्मिक अनुष्ठानों और माता की आराधना की धूम मची है। इसी कड़ी में नवरात्रि की पंचमी के शुभ अवसर पर ग्राम आलमपुर में भव्य चुनरी यात्रा का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। चुनरी यात्रा का शुभारंभ ग्राम के प्राचीन रामजानकी मंदिर से विधि-विधान के साथ हुआ। यहाँ से श्रद्धालु 51 फिट लंबी चुनरी लेकर गाजे-बाजे और माता के जयकारों के साथ रवाना हुए। यात्रा मार्ग भक्ति के रंगों से सराबोर नजर आया। यह चुनरी यात्रा मुख्य मार्गों से होते हुए खेड़ापति माता मंदिर पहुँची, जहाँ श्रद्धाभाव के साथ मां दुर्गा को चुनरी अर्पित की गई। इस आयोजन में आलमपुर सहित आस-पास के क्षेत्रों से आए बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया। चुनरी यात्रा के दौरान महिलाओं और युवाओं में विशेष उत्साह देखा गया। मंदिर परिसर में चुनरी चढ़ाने के बाद विशेष आरती और प्रसाद वितरण किया गया, जिसमें उपस्थित सभी धर्मप्रेमियों ने धर्मलाभ प्राप्त किया।

महान क्रांतिकारी भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु के शहादत दिवस पर पुष्पांजलि सभा का आयोजन

समय जगत आरोन। 23 मार्च को आरोन में भगत सिंह चौंक पर हमारे देश के आजादी आंदोलन के तीन महान क्रांतिकारी शहीद ए आजम भगत सिंह, सुखदेव,राजगुरु के शहादत दिवस पर पुष्पांजलि सभा आयोजित की गई। भगत सिंह यादगार मंच के सदस्य महेन्द्र नायक ने कहा कि ब्रिटिश शासन के 350 वर्षों की गुलामी से आजादी के लिए हमारे देश में गुस्सा उबल रहा था आजादी आंदोलन में वो धाराएं मौजूद थी, एक अग्रेजों के साथ समझौता करके चलने वाली धारा थी, तो दूसरी गैर समझौतावादी धारा थी, जिसका नेतृत्व कर रहे थे नेताजी सुभाष चंद्र बोस, चंद्रशेखर आजाद, रामप्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खाँ, भगत सिंह सुखदेव राजगुरु आदि क्रांतिकारी । इन महानायकों ने एक ऐसे आजाद भारत का सपना देखा था जहां बिजली, पानी, राशन, फसलें, शिक्षा, इलाज पर सबका बराबर का हक होगा। जात-धर्म के नाम पर लोग एक दूसरे का गला नहीं काटेंगे जहां सभी धर्म संप्रदाय के लोग एक साथ खुले आसमान के नीचे आजादी की सांस लेंगे वही सही मायने में होगा आजाद भारत स्वतंत्र भारत जब हम इस तरह से भगतसिंह के विचारों का आकलन करते है तो पाते हैं कि आजादी के बाद किसी भी पार्टी की सरकार सत्ता में रही हो सभी ने गरीब, मजदूर, किसान के हक अधिकारों को पूरी तरह से अनदेखा किया है मजदूर व ट्रेड यूनियनों के तमाम अधिकारों को आज निर्ममता के साथ कुचला जा रहा है। पूंजीपति परस्त राज सत्ता द्वारा अब मजदूरों के संगठित होने पर भी पाबंदी लगाई जा रही है। किसानों की हालत देश में बद से बदतर हो रही है देश का अन्नदाता किसान कर्ज के कारण आत्महत्या करने को मजबूर हो रहा है। देश में महंगाई तीव्र रफ्तार से लगातार बढ़ रही है।

इसकी मार समाज के हर तबके पर पड़ रही है। देश के पढ़े लिखे नौजवान रोजगार के लिए दर-दर की ठोकरें खाने को मजबूर है, परंतु सरकार देश की सरकारी संपत्तियों को लगातार पूंजीपतियों के हवाले कर बेरोजगारी को बढ़ावा दिया जा रहा है।

कोठरा वेयर हाउस से 800 क्विंटल सरकारी गेहूं गायब, एसडीएम के निरीक्षण में किया खुलासा

संचालक पर एफआईआर के निर्देश, वेयर हाउस किया सील

समय जगत, सिवनी मालवा। शिवपुर तहसील के ग्राम कोठरा स्थित पंचमुखी वेयर हाउस से लगभग 800 क्विंटल (1600 बोरी) सरकारी गेहूं गायब होने का गंभीर मामला सामने आया है। गड़बड़ी का खुलासा उस समय हुआ जब एसडीएम विजय राय दल के साथ वेयर हाउस का निरीक्षण करने पहुचे। मामले के सामने आते ही प्रशासन भौचक्का रहा गया। एसडीएम श्री राय ने देर न करते हुए तत्काल वेयर हाउस को तत्काल सील कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार खरीदी केंद्र प्रारंभ होने से पहले एसडीएम भंडार का भौतिक सत्यापन करने का कार्य करने निकले थे। जिसमें दस्तावेज और वास्तविक भंडार में अंतर मिलने पर संदेह गहराया। इसके बाद वेयर हाउस को सील कर पुनः तीन दिन बाद भंडार की गिनती कराई गई। जिसमें पिछले मौसम का करीब 1600 बोरी गेहूं कम पाया गया। वेयर हाउस संचालक द्वारा मामले की जानकारी होने से इंकार किए जाने पर एसडीएम ने उनके विरुद्ध एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए हैं।

व्यवस्था पर उठे सवाल, जवाबदारों पर भी हो कार्यवाही: इतनी बड़ी मात्रा में सरकारी अनाज गायब होने से पूरी व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। प्रमुख रूप से यह जांच

का विषय हैं कि वेयर हाउस की चाबी संचालक के पास कैसे रही और क्या बिना विभागीय मिलीभगत के इतनी बड़ी मात्रा में अनाज बाहर निकाला जा सकता हैं। मामले के प्रकाश में आने के बाद अब लोगों का कहना हैं कि किस तरह रक्षक ही भक्षक बने हुए हैं। जो सरकार के अमानत में खयानत करने में लगे हैं। अपनी जबावदेही के साथ विश्वास घात कर रहें हैं। ऐसे अधिकारियों पर भी एफआईआर होनी चाहिए।

दस्तावेज में हेराफेरी की आशंका: प्रशासन यह भी जांच कर रहा हैं कि कहीं कागजों में भंडार पूरा दर्शाकर हेराफेरी तो नहीं की गई। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा हैं कि अनाज एक ही बार में गायब हुआ या लंबे समय से धीरे-धीरे निकाला जाता रहा हैं।

कड़ी कार्रवाई के संकेत: एसडीएम विजय राय ने कहा कि मामले में दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। शासन को हुए नुकसान की भरपाई की जिम्मेदारों से वसूली जाएगी, मामले की जांच जारी है।

पावर जनरेटिंग कम्पनी के सहायक अभियंता हुए कार्य दक्ष

सिम्युलेटर में प्रशिक्षण हासिल कर और ज्यादा हुए पारंगत

जबलपुर। मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड (MPPGCL) के नवनियुक्त सहायक अभियंता अब विशेष रूप से सुपर क्रिटकिल सिम्युलेटर में प्रशिक्षण हासिल कर ज्यादा पारंगत हो रहे हैं। गत दिवस पावर जनरेटिंग कंपनी के द्वितीय बैच के 11 सहायक अभियंता प्लांट ने राष्ट्रीय विद्युत प्रशिक्षण संस्थान (एनपीटीआई) नागपुर में छह सप्ताह का प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण किया। प्रशिक्षण के दौरान सहायक अभियंताओं ने थर्मल व हायडल पावर प्लांट के ऑपरेशन व मेंटेनेंस का गहन प्रशिक्षण लिया। इस दौरान इन सहायक अभयिंताओं ने महाराष्ट्र के चंद्रपुर कोराडी स्थित 600-600 मेगावाट की सुपर क्रिटिकिल यूनिट में जाकर उसकी संपूर्ण प्रक्रिया को देखकर तकनीकी ज्ञान अर्जित किया। केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण के प्रावधान के अनुसार प्रशिक्षण-प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन पर एनपीटीआई के निदेशक एसपी धर्माधिकारी ने कहा कि पावर जनरेटिंग कंपनी के प्रबंध संचालक मनजीत सिंह व डायरेक्टर टेक्निकल सुबोध निगम के मार्गदर्शन में

केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) के प्रावधान के अनुसार सहायक अभियंताओं के प्रशिक्षण का पाठ्यक्रम तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि इस प्रशिक्षण में सभी प्रशिक्षु सहायक अभयिंताओं को ताप व जल विद्युत गृहों के संचालन-संधारण की बारीकियों से परिचित करवाया गया। प्रशिक्षुओं को विद्युत उत्पादन की नई तकनीक की सैद्धांतिक व व्यावहारिक पहलुओं का भी प्रशिक्षण दिया गया। समग्र प्रशिक्षण से नवोदित अभियंताओं की नींव हुई मजबूत-कार्यपालक निदेशक मानव संसाधन व प्रशासन दीपक कश्यप ने कहा कि एनपीटीआई को आभार देते हुए कहा कि उनके समग्र प्रशिक्षण से नवोदित सहायक अभयिंताओं की नींव मजबूत हुई है। मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी की ओर से अतिरिक्त मुख्य अभयिंता प्रशिक्षण डॉ. अशोक तिवारी ने समापन अवसर पर सभी प्रशिक्षु सहायक अभियंताओं को थर्मल व हाइड्रो पावर प्लांट की बेस्ट प्रैक्टिस, दक्षता संवर्धन व कार्पोरेट एथिक्स की जानकारी दी और सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूर्ण करने पर प्रामण पत्र प्रदान किए। कार्यक्रम का संचालन संस्थान के सहायक निदेशक शशांक शुक्ला ने किया।

आओ बनाएं संस्कारवान पीढ़ी : डॉ मिश्रा

सारंगपुर। नवरात्रि के अवसर पर गायत्री शक्तिपीठ सारंगपुर पर चल रहे नौ दिवसीय यज्ञ-हवन के कार्यक्रम के पांचवें दिन आज पुंसवन संस्कार का आयोजन किया गया। श्रीमती कल्पना-सुमित रावतीया , श्रीमती आशा-कुशल शर्मा , श्रीमती पूजा-अजय सोनी तथा श्रीमती पायल-अभिनंदन पाटीदार के गर्भस्थ शिशुओं का पुंसवन संस्कार किया गया। गायत्री परिवार चाहता है, कि हिंदू समाज की आने वाली पीढ़ी संस्कारवान हो । सनातन हिंदू धर्म में 16 संस्कारों का विशेष महत्व है। गर्भ ठहर जाने पर भावी माता के आहार, विचार , व्यवहार, चिंतन , भाव सभी को उत्तम और संतुलित बनाने के लिए अनुकूल वातावरण की आवश्यकता होती है । गर्भ के 3 माह में गर्भस्थ शिशु के विचार तंत्र का विकास प्रारंभ हो जाता है । गर्भ से अवतरित होने वाले जीव के पहले के कुसंस्कारों के निवारण और नए श्रेष्ठ संस्कारों की स्थापना के लिए संकल्प, पुरुषार्थ एवं देव अनुग्रह , शारीरिक, बौद्धिक और भावनात्मक विकास के लिए प्रयास शुरू किए जाते हैं। गर्भिणी माता, अभिभावकों,

परिजनों को वेद मंत्रों का यज्ञीय वातावरण और धार्मिक सूत्र प्रदान करने हेतु ये संस्कार कराया जाता है । इसके लिए वट वृक्ष की जटाओं , गिलोय और पीपल की कोपले लेकर पानी के थोड़े अंश के साथ मिलाकर सिल पर पीसकर औषधि तैयार की जाती है। गायत्री परिवार हरिद्वार से दीक्षित वयोवृद्ध आचार्य डॉक्टर कीर्ति कुमार मिश्रा ने बताया, कि वटवृक्ष विशालता और दृढ़ता का प्रतीक है । इस वृक्ष का धीरे-धीरे बढ़ना धैर्य का प्रतीक है। इसकी जटायें भी जड़ और तने बन जाती हैं। गीता में भगवान श्री कृष्ण ने कहा है, कि वृक्षों में मैं पीपल हूं। गायत्री परिवार के अनुसार मंत्रों के उच्चारण के साथ यज्ञ किया गया। फिर गर्भवती माताओं को औषधि दी गई । पुंसवन संस्कार के विशेष मंत्रों की आहुतियां दी गई।

प्रशिक्षण वर्ग को भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ.चौधरी व जिला पंचायत अध्यक्ष ने किया संबोधित

पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान कार्यक्रम हुआ आयोजित

समय जगत, रायसेन। जिले भर में पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान के तहत मंडलों में कार्यक्रम आयोजित किए गए थे। जिसके समापन भी किया जा रहे हैं। इसी के तहत ग्रामीण मंडल सहित खरवई मंडल में 24 घंटे का प्रशिक्षण वर्ग आयोजित किया गया। जो प्रथम और द्वितीय दो सत्रों में संपन्न हुआ। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष व विधायक डॉ.प्रभुराम चौधरी और जिला पंचायत अध्यक्ष यशवंत बबलू मीणा ने मुख्य रूप में शामिल होकर पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं भारत माता के छायाचित्र के समक्ष दीप जलाकर उन्हें पुष्प अर्पण करते हुए प्रशिक्षण वर्ग कार्यक्रम की शुरुआत की। इसके पश्चात प्रशिक्षण वर्ग के अवसर पर वर्ग गीत एवं वंदे मातरम का गान सामूहिक रूप से गाया गया। वहीं उपस्थित भाजपा कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने हारफूल मालाओं के साथ विधायक एवं जिला पंचायत अध्यक्ष का स्वागत किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष डॉ.प्रभुराम चौधरी ने कहा कि हमें पंडित दीनदयाल जी के बताए हुए मार्ग पर चलना है और पार्टी की नीतियों को आगे बढ़ाकर मजबूती प्रदान करते हुए संगठन के कार्यक्रम में हिस्सा लेकर पार्टी को एकजुट करने का कार्य हम सभी को मिलकर करना है। हमें संगठन की विचारधारा, कार्यपद्धति एवं जनसेवा के प्रति समर्पण के महत्व से कार्य करना है। साथ ही सरकार की योजनाओं का लाभ भी प्रत्येक हितग्राहियों को मिल सके इसके लिए भी ग्रामीण क्षेत्र के भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता लगन

निष्ठा के साथ कार्य करें। क्षेत्र में जो असहाय गरीब लोग हैं जो पात्र व्यक्ति हैं उन्हें सरकार की योजना का लाभ दिलाने में आगे आकर उनकी मदद करें। प्रशिक्षण विभाग कार्यक्रम जिले भर में चलाया गया सभी ने मिलकर मेहनत की दीनदयाल जी के किए गए कार्यों को याद भी किया। वही हमें श्यामा प्रसाद मुखर्जी की भी बातों का स्मरण याद रखना है। ऐसे पार्टी के हमारे पूर्वज जिन्होंने एक-एक मिनट का समय पार्टी को मजबूत और खड़ा करने में लगा दिया है तब कहीं जाकर आज हमारी भाजपा की पार्टी मजबूत स्तंभ पर खड़ी हुई है। आने वाले समय में इस छोर से उस छोर तक सिर्फ और सिर्फ एक ही पार्टी और सरकार हमें बनाना है। जिसमें एक-एक कार्यकर्ता की मेहनत ही पार्टी को मजबूत बनाती है और वही कार्यकर्ता चुनाव के समय में मेहनत करके सरकार बनाता है। ऐसे कार्यकर्ताओं को हम सादर प्रणाम करते हैं। एक-एक कार्यकर्ता की मेहनत लगन निष्ठा को हमेशा याद रखा जाएगा। साथ ही देश मे नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं तथा राज्य में डॉ.मोहन यादव जी की सरकार द्वारा प्रदेश के समग्र विकास हेतु किए जा रहे है उक्त विषयों का श्री चौधरी ने विस्तृत उल्लेख किया। वहीं उन्होंने कहा कि हमारा संकल्प है कि केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं को अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक पहुंचाकर सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के लक्ष्य को साकार करें।

सभी कार्यकर्ताओं का उत्साह और समर्पण ही संगठन की सबसे बड़ी ताकत है। इसीबीच प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित जिला पंचायत अध्यक्ष यशवंत बबलू मीणा ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। इस अवसर पर खरबई मंडल अध्यक्ष मिथिलेश पटेल,मंडल महामंत्री सुशीला बाई, दामोदर शर्मा सहित अनेक भाजपा के कार्यकर्ता और पदाधिकारी उपस्थित रहे।

एमएलबी स्कूल की बाउंड्री पर अतिक्रमण का विरोध हुआ तेज

विहिप ने सौंपा ज्ञापन, स्थगन आदेश के बाद भी जारी है निर्माण

समय जगत, दमोह। हटा में पीएम श्री एमएलबी स्कूल के पीछे बाउंड्री से लगे शासकीय भूमि पर अतिक्रमण कर आम रास्ता बंद किए जाने का मामला लगातार तूल पकड़ता जा रहा है। तहसीलदार न्यायालय द्वारा स्थगन आदेश जारी किए जाने के बावजूद निर्माण कार्य जारी रहने से नाराज विश्व हिंदू परिषद हटा ब्लॉक के पदाधिकारियों ने एसडीएम एवं तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर अवरुद्ध मार्ग को तत्काल खुलवाने की मांग की है। ज्ञापन में बताया गया कि फिरोज पिता इसराइल खान, असलम उर्फ मोनू पिता इसराइल खान एवं रुखसाना बी पति इसराइल खान द्वारा एमएलबी स्कूल के पीछे लगभग 10 से 12 फीट चौड़े आम रास्ते एवं शासकीय भूमि पर अतिक्रमण कर पक्का निर्माण किया जा रहा है। इस संबंध में विगत जुलाई में शिकायत दर्ज कराई गई थी, जिसके बाद तहसील न्यायालय ने स्थगन आदेश जारी किया था। बताया गया कि पूर्व में इसी मार्ग से स्कूल की छात्राओं के आवागमन के लिए गेट संचालित था जो निर्माण के कारण बंद हो गया है। इससे छात्राओं को लंबा रास्ता तय कर आना-जाना पड़ रहा है। जिससे उनकी सुरक्षा और सुविधा प्रभावित हो रही है। विहिप पदाधिकारियों ने यह भी उल्लेख किया कि कलेक्टर दमोह सुधीर कोचर के निरीक्षण के दौरान संबंधितों के खिलाफ कार्रवाई एवं परिसर के उपयोग पर रोक लगाने के निर्देश दिए गए थे । लेकिन स्कूल प्रबंधन द्वारा कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई गई जिससे अतिक्रमणकारियों के हौसले बढ़े हैं। इसी प्रकरण में इकबाल पिता जव्वार खान की शिकायत पर तहसीलदार न्यायालय में राजस्व प्रकरण क्रमांक 0126/ब-121/2025-26 में 7 जुलाई 2025 को तीनों अनावेदकों के खिलाफ स्थगन आदेश जारी किया गया था। इसके बावजूद निर्माण कार्य लगातार जारी है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि संबंधितों के पास कोई वैध दस्तावेज नहीं हैं फिर भी वे शासकीय भूमि, आम रास्ते एवं स्कूल की बाउंड्री पर कब्जा कर निर्माण कर रहे हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए तहसीलदार न्यायालय ने विवादित स्थल पर स्थगन आदेश चस्पा कर निर्माण कार्य तत्काल बंद करने एवं दस्तावेज प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। वहीं, विश्व हिंदू परिषद के पदाधिकारियों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र अतिक्रमण नहीं हटाया गया तो इस मुद्दे को लेकर व्यापक जनआंदोलन किया जाएगा।

सभी संगठित होकर पार्टी का कार्य करेंगे तो कांग्रेस पार्टी की अवश्य होगी जीतः हरीश चौधरी

समय जगत, पन्ना। पन्ना जिले के प्रवास पर पहुंचे मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश प्रभारी राजस्थान के विधायक हरीश चौधरी ने स्थानीय सर्किट हाउस में जिला समन्वय समिति की बैठक लेते हुए कहा कि यदि कांग्रेस पार्टी के सभी कार्यकर्ता पदाधिकारी एक जुट होकर कार्य करेंगे तो दुनिया की कोई ताकत हमें नहीं हरा सकती इसलिये पार्टी के लिए हम सभी को काम करने की जरूरत है। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस पार्टी समग्र समन्वय की पार्टी है, जिसका कार्य सभी वर्गों को जोड़ना है। गांव-गांव में अपनी पार्टी के कार्यकर्ता तैयार करना, उसी से अच्छे संगठन का निर्माण होगा। कांग्रेस पार्टी में एक छोटे से कार्यकर्ता से लेकर सांसद- मंत्री का एक सा सम्मान होता है। उन्होंने आगे बताया कि पार्टी में इस बार सांसद विधायक का टिकट कार्यकर्ता ही तय करेंगे। किसी को पद से संतुष्ट नहीं किया जा सकता है, उसकी निष्ठा ही पार्टी के प्रति समर्पण है। इस दौरान समन्वय समिति के सभी सदस्यों ने अपने-अपने सुझाव दिए तथा प्रदेश प्रभारी ने समन्वय समिति के सदस्यों के साथ-साथ वरिष्ठ कार्यकर्ताओं से एक एक से चर्चा की। बैठक में अनेक लोगों उपस्थित रहे, जिसमें मुख्य रूप से जिला कांग्रेस अध्यक्ष अनीश खान जिला प्रभारी राजभान सिंह पूर्व विधायक श्रीकांत दुबे पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष भास्कर देव बुंदेला पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती दिव्या रानी पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष शिवजीत सिंह भैया राजा पूर्व सांसद प्रत्याशी श्रीमती कविता राजे, पूर्व विधायक महेंद्र बागरी पूर्व प्रत्याशी श्रीमती मीना यादव पूर्व प्रत्याशी भरत मिलन पांडे प्रत्याशी जीवनलाल सिद्धार्थ, पूर्व नगर पालिका उपाध्यक्ष पुष्पेंद्र सिंह परमार, वीरेंद्र द्विवेदी, राजेश तिवारी, रामलाल आदिवासी जिला पंचायत सदस्य रविंद्र सिंह बुंदेला रेहान मोहम्मद मार्तंड देव बुंदेला सौरभ सिंह आकाश जाटव आनंद शुक्ला स्वतंत्र अवस्थी किसान कांग्रेस के अध्यक्ष सेवालाल पटेल ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती रमा बुंदेला जगदीश मिलन कुशवाहा सौरभ दुबे बहरी लाल लोधी मुकेश चौरसिया अरुण बबलू गौतम सेवादल अध्यक्ष राम बहादुर द्विवेदी, संगठन महामंत्री राज बहादुर पटेल राकेश शर्मा डॉ कदीर खान शामिल थे।

संक्षिप्त समाचार

निमाड़ का प्रसिद्ध गणगौर पर्व धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ किया गया आयोजित

समय जगत, बिस्टान । निमाड़ का प्रसिद्ध गणगौर पर्व धूमधाम, हर्ष और उल्लास के साथ मनाया गया । पंडित महेश चंद्र बर्वे ने बताया कि ग्राम बहादरपुरा में भी महिलाओं द्वारा पाती खेलकर मां की आराधना की गई । ग्रामीणों के द्वारा सार्वजनिक भंडारे के आयोजन व प्रसादी वितरण के बाद सोमवार को माता रूपी जवारों का विसर्जन किया गया ।

स्थानीय मुख्य वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित करने हेतु बैठक की गई आयोजित

समय जगत, खुरई । शास.पं.के.सी.शर्मा उत्कृष्ट विद्यालय में विकास खंड स्तरीय विद्यालयों के प्राचार्यों की बैठक आहूत की गई । जिसमें बीईओ आर एस शर्मा , संकुल प्राचार्य रविकांत असाटी एवं परीक्षा प्रभारी अशोक पाराशर की उपस्थिति में जिला शिक्षा अधिकारी जिला सागर मध्य प्रदेश के पत्र परीक्षा 2026/1632 सागर के परिपालन में अधोलिखित आवश्यक निर्देश दिए गए । शैक्षणिक सत्र 2025-26 कक्षा 9वीं एवं 11वीं कक्षाओं का वार्षिक परीक्षा परिणाम ईएमएस पोर्टल पर दिनांक 22 मार्च को लाक कर दिया गया है । वार्षिक परीक्षा 2026 केवल प्रायोगिक परीक्षा में अनुत्तीर्ण/अनुपस्थित विद्यार्थियों की परीक्षा निर्धारित तिथियों पर आयोजित होगी । द्वितीय परीक्षा हेतु शुल्क लोक शिक्षण संचालनालय भोपाल द्वारा पृथक से निर्देश जारी किए जायेंगे । सभी संबंधित प्राचार्य गण छात्र छात्राओं को सूचित करें । सभी कक्षा शिक्षक महत्वपूर्ण बिंदु शाला प्रवेश के लिए विद्यार्थियों को अनिवार्यता प्रत्यक्षत : मोबाइल फोन पर, कक्षा ग्रुप में दिनांक 24.3.26 से 30.3.26 तक संपूर्ण प्रवेश प्रक्रिया हेतु मंडल द्वारा स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं । बैठक में बीईओ आर एस शर्मा, प्राचार्य रविकांत असाटी, एच.एन. जिझौतिया, डीएल अहिरवार, संतोष सिंह ठाकुर, के.के.शर्मा, केपी यादव, अनुराग जैन, कमलेश कुमार जैन, धन्नालाल अहिरवार, राजकुमार अहिरवार डॉ विनोद राय, गोपाल विश्वकर्मा सहित समस्त विद्यालयों के प्राचार्य उपस्थित रहे ।

जागरुकता और उत्कृष्ट कार्य के लिये किया सम्मानित

समय जगत, दमोह। श्री जागेश्वरनाथ धाम बांदकपुर क्षेत्र की बेटी हाई एडवोकेट प्रतिमा पिता सतीश गुप्ता को उत्कृष्ट कार्य और जागरुकता में विशेष काम करने पर न्यायमूर्ति ने सम्मानित किया है । बता दें कि अधिवक्ता सम्मान पत्र हिंदी में कानूनी पेशेवरों के समर्पण ईमानदारी और न्याय के प्रति उनकी सेवा को मान्यता देने के लिए एक औपचारिक पत्र है । यह आमतौर पर उनके उत्कृष्ट काम, बार एसोसिएशन में योगदान या समाज में कानूनी जागरुकता के लिए मिला है जो न्यायपालिका की रीढ़ माने जाते हैं । सम्मान मिलने पर एडवोकेट प्रतिमा गुप्ता ने बताया कि न्यायमूर्ति नोंगमेइकापम कोटिश्वर सिंह जन्म 1 मार्च 1963 भारत के सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश हैं ।

भगवान मीनेष की जयंती पर मीणा समाज ने निकाली भव्य शोभायात्रा

समय जगत, विदिशा। गत दिवस मीणा समाज द्वारा अपने इष्ट देव भगवान मीनेष की जयंती बड़े ही धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। बेतवा नदी स्थित मीणा समाज धर्मशाला में कई कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें बड़ी संख्या में समाज के लोग शामिल हुए। इसके साथ ही नगर के मुख्यमार्गो से होते हुए भव्य शोभा यात्रा निकाली गई। जिसमें बाहर से आए हुए कलाकारों द्वारा आकर्षक प्रस्तुति दी गई। वैत्रवती नदी स्थित मीणा समाज धर्मशाला में मीणा समाज द्वारा भगवान मीनेष के प्राक्ट्य उत्सव को बड़े ही धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर सुबह धर्मशाला में भगवान मीनेष की पूजा अर्चना की गई और लोगों को प्रसादी का वितरण किया गया। इसके साथ ही समाज सभा का भी आयोजन किया गया। जिसमें शमशाबाद विधायक सूर्य प्रकाश मीणा और जिलाध्यक्ष राजाराम मीणा सहित अन्य समाज के वरिष्ठ लोग शामिल हुए। इस अवसर पर विधायक सूर्य प्रकाश मीणा ने कहा कि समाज के हर वर्ग के लोगों को अपने बच्चों को शिक्षित करना चाहिए और समाज में होने वाले सामाजिक कार्यक्रमों में भी अपनी भागीदारी निभाना चाहिए। समाज के लोग अपने बच्चों को शिक्षित और रोजगार से जोड़ने हेतु प्रयास करें, जिससे कि समाज का नाम रोशन होगा। उन्होंने सभी समाजजनों को मीनेष जयंती की बहुत-बहुत शुभकामनाएं दी और बधाई दी। इसके साथ ही मीणा समाज द्वारा भगवान मीनेष की भव्य शोभायात्रा बेतवा नदी स्थित मीणा धर्मशाला से प्रारंभ हुई जो नगर के मुख्यमार्गों रामलीला चौराहा, लोहा बाजार, बड़ा बाजार, तिलक चौक, कोतवाली, माधवगंज चौराहा होते हुए पुरानी अस्पताल रोड से नीमताल से होते हुए वापस मीणा धर्मशाला पहुंची और शोभा यात्रा का समापन हुआ। शोभा यात्रा का लोगों ने जगह-जगह पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। शोभायात्रा में विधायक सूर्य प्रकाश मीणा सहित समाज के अन्य वरिष्ठ जन शामिल हुए। शोभायात्रा में बाहर से आए हुए कलाकारों द्वारा आकर्षक और मनमोहक प्रस्तुतियां दी गई। इस दौरान भक्ति गीतों पर कलाकारों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया और लोगों ने काफी सराहना की।

वैश्य महासम्मेलन में राकेश गुप्ता को मिली जिला महामंत्री की कमान

समय जगत, पन्ना। पन्ना जिले के सुप्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता और भाजपा के जुझारू नेता राकेश गुप्ता को वैश्य महासम्मेलन पन्ना का जिला महामंत्री नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति प्रदेश उपाध्यक्ष मनोज केशरवानी की अनुशंसा पर की गई है। राकेश गुप्ता, पन्ना के दिग्गज सामाजिक कार्यकर्ता स्वर्गीय मथुरा प्रसाद गुप्ता के सुपुत्र हैं। राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि राकेश ने न केवल अपने पिता की जन हितैषी विरासत को संभाला है, बल्कि बहुत कम उम्र में अपनी कार्यशैली से समाज और व्यापारी वर्ग के बीच अच्छी छवि बनाई है। जैसे ही सोशल मीडिया पर उनकी नियुक्ति की खबर वायरल हुई, जिलेभर के वैश्य समाज और व्यापारिक संगठनों में उत्साह का संचार हो गया। समर्थकों का कहना है कि राकेश गुप्ता के आने से वैश्य महासम्मेलन को नई ऊर्जा मिलेगी और जन समस्याओं को और भी प्रखरता से उठाया जाएगा। राकेश गुप्ता की इस उपलब्धि पर उनकी सादगी और मेहनत की चर्चा पूरे पन्ना जिले में टॉक ऑफ द टाउन बनी हुई है। श्री गुप्ता की इस उपलब्धि पर मनोज केशरवानी, सन्मत जैन, आशु जैन, विपुल जैन, रामहित साहू, दिनेश अग्रवाल, जगदीश जड़िया , गोपाल बरसैंया, कैलाश गुप्ता, रामाधार अग्रवाल, दिलीप गुप्ता, शिव कुमार गुप्ता, प्रकाश श्रीवास्तव, मुरारी गुप्ता, नरेश शिवहरे, श्रीमती सुमन गुप्ता, रचना पाटकर, माधुरी अग्रवाल, लोकनाथ केशरवानी, श्रीमती मंजुलता जैन, भोले सेठ ने बधाई देते हुए इनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

रेत खदानों के टेंडर रद्द करने का निर्णय सही, याचिकाएं खारिज

हाईकोर्ट ने लगाई सरकार के फैसले पर मुहर

समय जगत, कटनी। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने कटनी और शहडोल जिलों की रेत खदानों के टेंडर प्रक्रिया में गड़बड़ी की कोशिश करने वाली कंपनियों को बड़ा झटका दिया है। चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा और जस्टिस विनय सराफ की डिवीजन बेंच ने राज्य सरकार द्वारा टेंडर रद्द करने के फैसले को पूरी तरह सही ठहराते हुए दो कंपनियों की याचिकाओं को खारिज कर दिया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि सरकारी राजस्व को नुकसान पहुंचाने वाली किसी भी हेरफेर को स्वीकार नहीं किया जा सकता।

क्या था पूरा मामला: यह विवाद मुंबई की सहकार ग्लोबल लिमिटेड और होशंगाबाद की धनलक्ष्मी मर्चेंडाइज से जुड़ा है। इन कंपनियों ने पहले कटनी और शहडोल की रेत खदानों के ठेके ऊंची बोली लगाकर हासिल किए थे, लेकिन बाद में चालाकी दिखाते हुए उन्हें सरेंडर कर दिया। जब सरकार ने दोबारा टेंडर जारी किए, तो इन्हीं कंपनियों ने मिलकर कम बोली लगाई ताकि कम कीमत पर खदानें हथियाई जा सकें। मामले की सुनवाई के दौरान सरकार की ओर से महाधिवता प्रशांत सिंह और स्टेट माइनिंग कॉरपोरेशन के वकीलों ने दलील दी कि कंपनियों के इस 'खेल' से सरकार को भारी आर्थिक चपत लगने वाली थी। एक मामले में 10 करोड़ और दूसरे मामले में 20 करोड़ से अधिक के राजस्व नुकसान की संभावना थी। इसी आधार पर माइनिंग कॉरपोरेशन के बोर्ड ने 19 नवंबर 2025 को टेंडर प्रक्रिया रद्द करने का साहसिक निर्णय लिया था। डिवीजन बेंच ने अपने फैसले में सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि कंपनियों ने कम बोली लगाकर व्यवस्था के साथ खेलने की कोशिश की। कोर्ट ने माना कि यदि सरकार इस टेंडर को स्वीकार कर लेती, तो यह जनता के पैसे और सरकारी खजाने के साथ अन्याय होता। माननीय न्यायालय ने साफ कहा कि सरकार के इस वैध फैसले में हस्तक्षेप करने का कोई कारण नहीं है। हालांकि, कोर्ट ने कंपनियों को भविष्य के लिए एक छोटी राहत देते हुए कहा कि वे आगे निकलने वाले नए टेंडरों में हिस्सा ले सकेंगी और यह आदेश उनके लिए भविष्य की बोली में रुकावट नहीं बनेगा।

रपटा नाले पर बाउंड्रीवॉल निर्माण के मामले में प्रशासन ने दिये सख्त आदेश

समय जगत, कटनी । जिले में शासकीय भूमि और प्राकृतिक जल स्त्रोतों पर अतिक्रमण के खिलाफ प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई की तैयारी कर ली है। ग्राम खिरहनी स्थित रपटा नाले पर किए गए अवैध बाउंड्रीवॉल निर्माण मामले में कलेक्टर न्यायालय ने अपील खारिज कर निर्माण को हटाने के आदेश दिए हैं। कलेक्टर आशीष तिवारी द्वारा पारित आदेश के बाद अब 24 मार्च को मौके पर कार्रवाई तय की गई है। प्रकरण में प्रवीण कुमार बजाज द्वारा दायर अपील को आधारहीन मानते हुए कलेक्टर न्यायालय में सुनवाई करते हुए कलेक्टर श्री तिवारी द्वारा निरस्त कर दिया गया। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि बिना वैध अनुमति के प्राकृतिक नाले की भूमि पर किया गया निर्माण अवैधानिक है और इसे तत्काल हटाया जाना चाहिए।

नाले के अस्तित्व से छेड़छाड़: जांच में सामने आया कि रपटा नाले के पास स्थित प्राकृतिक बरसाती नाले की भूमि पर बाउंड्रीवॉल का निर्माण किया गया, जिससे नाले के स्वरूप में बदलाव हुआ। पटवारी प्रतिवेदन में भी यह स्पष्ट किया गया कि निर्माण नाले के भीतर तक किया गया है, जिससे जल प्रवाह प्रभावित हो रहा है।

नियमों का उल्लंघन: नगर तथा ग्राम निवेश विभाग की रिपोर्ट में पाया गया कि नाले, नदी की सीमा से 50 मीटर के दायरे में निर्माण प्रतिबंधित था, फिर भी निर्माण किया गया। अनुमोदित मार्ग को बाउंड्रीवॉल से बाधित किया गया, जो नियमों का उल्लंघन है। संबंधित खसरा भूमि पर किसी प्रकार की वैध विकास अनुमति जारी नहीं की गई थी।

पुराने रिकार्ड में दर्ज है नाला: वर्ष 1907-08 के मिसल अभिलेख में खसरा नंबर 442 को 'शासकीय पानी मद' और 'नाला' के रूप में दर्ज पाया गया है। इसके बावजूद वर्तमान में यह भूमि निजी स्वामित्व में दर्ज कैसे हो गई, इसका कोई वैध अभिलेख उपलब्ध नहीं है। कलेक्टर श्री तिवारी ने इस पर कड़ा संज्ञान लेते हुए प्रमोद कुमार चतुर्वेदी (एसडीएम कटनी) को 15 दिन के भीतर विस्तृत जांच कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर न्यायालय के आदेश के पालन में एसडीएम श्री चतुर्वेदी ने एक संयुक्त दल का गठन किया है, जो 24 मार्च को स्थल पर पहुंचकर अवैध निर्माण हटाएगा। दल में अजीत तिवारी (तहसीलदार), संदीप सिंह, साक्षी शुक्ला (कार्यपालिक मजिस्ट्रेट), अर्वातिका तिवारी, बृजबिहारी दुबे (राजस्व निरीक्षक), विभा गर्ग सहित राजस्व अमला और पटवारी शामिल हैं।

राज्यमंत्री लोधी, सांसद लोधी ने किया विविध विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण

समय जगत, दमोह। दमोह जिले के तेजगढ़ में विकास कार्यों को संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्यमंत्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी, सांसद राहुल सिंह ने क्षेत्र के बुनियादी ढांचे और जनसुविधाओं को मजबूत करने के उद्देश्य से कई परियोजनाओं का शुभारंभ एवं लोकार्पण किया गया। पतलोनी गांव में 17.04 लाख रुपये की लागत से निर्मित नवीन तालाब का लोकार्पण किया गया। यह तालाब स्थानीय किसानों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा। सिंचाई की बेहतर व्यवस्था उपलब्ध होगी और जल संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा। इसके अलावा ग्रामीणों के दैनिक उपयोग के लिए पानी की उपलब्धता सुनिश्चित होगी जिससे उनके जीवन स्तर में सुधार आएगा। साथ ही तेजगढ़ से तहसील मार्ग तक 6 लाख रुपये की लागत से बनने वाली सीसी रोड का भूमिपूजन किया गया। इस सड़क के निर्माण से आवागमन पहले की तुलना में अधिक सुगम और सुरक्षित हो जाएगा। खासकर बारिश के मौसम में जो समस्याएं ग्रामीणों को झेलनी पड़ती थीं उनसे काफी राहत मिलेगी। यह सड़क शिक्षा, स्वास्थ्य और व्यापारिक गतिविधियों के लिए भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में लगातार ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में विकास कार्यों को प्राथमिकता दे रही है। सरकार का लक्ष्य है कि हर गांव तक मूलभूत सुविधाएं पहुंचें और किसानों तथा आम नागरिकों को बेहतर जीवन के अवसर मिलें। यह आयोजन क्षेत्र के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे किसानों, ग्रामीणों और आम नागरिकों को दीर्घकालिक लाभ प्राप्त होगा तथा क्षेत्र में आर्थिक और सामाजिक प्रगति को नई गति मिलेगी। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष श्याम शिवहरे, पूर्व सांसद चंद्रभान सिंह लोधी, रूपेश सेन, मूरत सिंह, भारत सिंह आदि शामिल रहे।

गुलाबगंज में दांगी समाज का भव्य युवा मिलन समारोह संपन्न

विदिशा। गुलाबगंज में दांगी क्षत्रीय युवा महासंघ विदिशा के तत्वाधान एवं जिलाध्यक्ष दीपक दांगी के नेतृत्व में एक भव्य एवं विशाल युवा मिलन समारोह का सफल आयोजन किया गया। इस आयोजन में जिलेभर से सैकड़ों की संख्या में युवा, वरिष्ठजन एवं महिलाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता कर समाज की एकजुटता और संगठन शक्ति का परिचय दिया। कार्यक्रम के दौरान युवाओं ने समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझते हुए भविष्य की दिशा में सकारात्मक सोच और ठोस कदमों पर विचार-विमर्श किया। प्रदेश अध्यक्ष रवि दांगी ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि समाज से जुड़कर, शिक्षा एवं कौशल का सही उपयोग कर वे अपने उज्ज्वल भविष्य के साथ-साथ समाज के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने आत्मविश्वास, अनुशासन और निरंतर प्रयास को सफलता की कुंजी बताया। प्रदेश अध्यक्ष तोरण सिंह दांगी ने समाज में एकता, सहयोग एवं आर्थिक सशक्तिकरण की आवश्यकता पर बल देते हुए युवाओं से शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने और व्यवसाय अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को सहयोग देने की अपील भी की। युवा समाजसेवी अविराज सिंह ने अपने विचार रखते हुए बालिकाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य और सम्मान को समाज की प्राथमिकता बताया। उन्होंने कहा कि बेटों को भी महिलाओं के प्रति सम्मान की भावना सिखाना आवश्यक है, तभी एक संस्कारित और सशक्त समाज का निर्माण संभव है। उन्होंने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि युवा काल ही अमृत काल है और इस समय किया गया परिश्रम भविष्य की सफलता की मजबूत नींव रखता है।

सेवा समिति ने भगत सिंह को दी श्रद्धांजलि

समय जगत, मंडीदीप। औद्योगिक नगर मंडीदीप में शहीद दिवस के अवसर पर देशभक्ति का माहौल देखने को मिला, जब सामाजिक संस्था सेवा समिति के तत्वावधान में वीर शहीद भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु की शहादत को याद करते हुए भव्य श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। नेशनल हाईवे स्थित कृषि उपज मंडी परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में शहीद भगत सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। पूरे आयोजन में देशभक्ति के नारों और श्रद्धा का वातावरण बना रहा। इस अवसर पर सेवा समिति के उपाध्यक्ष दीपक सराठे ने कहा कि शहीद भगत सिंह का बलिदान केवल इतिहास नहीं, बल्कि युवाओं के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है। उन्होंने कहा कि जिस साहस और संकल्प के साथ उन्होंने देश की आजादी के लिए अपने प्राण न्यौछावर किए, वह आज भी हर भारतीय के दिल में देशभक्ति की भावना जागृत करता है। उन्होंने युवाओं से आव्हान किया कि वे शहीदों के आदर्शों को अपनाकर राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं। कार्यक्रम में नगर के अंकित चौरे, राजकुमार चौहान, अंशुल जैन, अमन पात्रे और युवाओं ने सहभागिता करते हुए शहीदों को श्रद्धांजलि दी। सेवा समिति द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम नई पीढ़ी को देश के गौरवशाली इतिहास से जोड़ने का सशक्त प्रयास साबित हुआ।

जनकपुर में गूंजा जयघोष : श्रीराम ने तोड़ा शिव धनुष, माता सीता ने पहनाई वरमाला

इटारसी। संपूर्ण नर्मदांचल की आस्था के प्रमुख केंद्र श्री द्वारकाधीश बड़ा मंदिर परिसर तुलसी चौक में 63वें वर्ष में श्री रामजन्म महोत्सव अंतर्गत श्रीराम कथा का आयोजन किया जा रहा है। मंदिर परिसर में प्रतिदिन धार्मिक आयोजन हो रहे हैं। इस वर्ष श्रीमद प्रयागपीठाधीश्वर जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी ओंकारानंद सरस्वती महाराज बाल्मीकि एवं तुलसीदासकृत रामायण पर प्रवचन दे रहे हैं। चतुर्थ दिवस की कथा में व्यासपीठ पर विराजे महाराज श्री ने कथा को विस्तार देते हुए कहा कि मिथिला नरेश राजा जनक की नगरी आज एक ऐतिहासिक और अलौकिक उत्सव की साक्षी बनी। मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम ने भगवान शिव के प्राचीन पिनाक धनुष को खंडित कर न केवल स्वयंवर की शर्त पूरी की, बल्कि जगत जननी माता सीता के वरण का मार्ग भी प्रशस्त किया। इस दृश्य को देख आकाश से देवताओं ने पुष्प वर्षा की और पूरी मिथिला नगरी जय श्री राम के उद्घोष से गुंजायमान हो उठी। महाराज जनक द्वारा आयोजित इस स्वयंवर में भाग लेने के लिए सुदूर प्रांतों से पराक्रमी राजा और राजकुमार पधारे थे। शर्त अत्यंत कठिन थी–भगवान शिव के भारी-भरकम धनुष पर प्रत्यंचा चढ़ाना। एक-एक कर सभी राजाओं ने प्रयास किया, यहां तक कि कई बलशाली योद्धा मिलकर भी धनुष को हिला तक न सके। राजा जनक को निराश देख महर्षि विश्वामित्र की आज्ञा पाकर श्री राम मंच से उतरे। जैसे ही सुकोमल शरीर वाले श्री राम ने धनुष की ओर कदम बढ़ाए, सभा में सन्नाटा फैलगया। श्री राम ने अत्यंत सहजता से धनुष को उठाया और जैसे ही उस पर प्रत्यंचा चढ़ाने का प्रयास किया, वज्रपात जैसी भीषण ध्वनि के साथ धनुष बीच से दो टुकड़ों में टूट गया। धनुष टूटते ही जनकपुर के नर-नारियों का हर्ष का ठिकाना न रहा। महाराज श्री ने कहा कि धनुष खंडन के पश्चात सखियों संग माता सीता हाथ में जयमाला लेकर मंद गति से श्री राम के समीप पहुंचीं। उन्होंने लज्जा और श्रद्धा के साथ प्रभु के गले में वरमाला डाल दी। यह दृश्य देख राजा जनक भावुक हो उठे और उन्होंने इसे अपनी प्रतिज्ञा की पूर्णता के साथ-साथ दो महान राज्यों (अयोध्या और मिथिला) के मिलन का आधार बताया। श्रीराम के साथ ही श्री लक्ष्मण जी, श्री भरत जी एवं श्री शत्रुध्न जी का भी विवाह सम्पन्न हुआ। आयोजन समिति के प्रवक्ता भूपेंद्र विश्वकर्मा ने बताया कि मुख्य संरक्षक क्षेत्रीय विधायक डॉ सीतासरन शर्मा एवं संरक्षक प्रमोद पगारे पत्रकार के मार्गदर्शन में महाराज श्री का व्यासपीठ पर पूजन एवं स्वागत किया।

सार-समाचार

शहीद दिवस पर जन्मे 'भगत सिंह' ने जन्मदिन पर लगाए सकोरे, पक्षियों के लिए किया सेवा कार्य

लोकेंद्र कुमार नागर, समय जगत-भाटखेड़ा। शहीद दिवस के पावन अवसर पर जहां पूरा देश वीर सपूतों को नमन करता है, वहीं ग्राम भाटखेड़ा में एक नन्हे बालक ने अपने जन्मदिन को सेवा और संस्कार से जोड़कर खास बना दिया। शहीद दिवस के दिन जन्मे बालक भगत सिंह ने अपने तीसरे जन्मदिन पर पक्षियों के लिए सकोरे बांधकर लोगों को प्रकृति प्रेम और सेवा का संदेश दिया। गर्मी का मौसम शुरू होते ही पक्षियों को पानी और दाने के लिए भटकना पड़ता है। तेज धूप और बढ़ते तापमान में छोटे-छोटे जीवों के लिए पानी ढूंढना कठिन हो जाता है। ऐसे समय में पक्षी प्रेमी लोग अपने घर, आंगन और कार्यालयों में सकोरे बांधकर उनके लिए पानी और दाने की व्यवस्था करते हैं। ग्राम भाटखेड़ा में वर्ष 2023 में शहीद दिवस के दिन जन्मे बालक का नाम उसी दिन के सम्मान में भगत सिंह रखा गया था। अब जब बालक ने तीन वर्ष पूर्ण किए, तो उसने अपनी बड़ी बहन दिव्यांशी के साथ मिलकर अपने जन्मदिन और शहीद दिवस के अवसर पर घर के आसपास कई जगह सकोरे बांधे और पक्षियों के लिए दाना-पानी रखा। परिवार के सदस्यों ने बताया कि बच्चों को बचपन से ही देशभक्ति, सेवा भाव और प्रकृति प्रेम की सीख देने के उद्देश्य से हर साल इस दिन कुछ अच्छा कार्य करने का संकल्प लिया गया है। गांव के लोगों ने भी इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि छोटे बच्चों द्वारा किया गया यह कार्य समाज को बड़ा संदेश देता है कि जन्मदिन केवल केक काटने से नहीं, बल्कि सेवा और संस्कार से भी मनाया जा सकता है। इस अनोखे तरीके से मनाया गया जन्मदिन पूरे गांव में चर्चा का विषय बना हुआ है और लोग इस पहल को प्रेरणादायक बता रहे हैं।

भगवान निषादराज जी की मनाई गई जयंती

समय जगत,मनावर । भगवान निषादराज जी की जयंती पर बाकानेर में माझी कहार समाजजनों द्वारा भव्य शोभायात्रा बाकानेर नगर में निकाली गई, शोभायात्रा में समाज के महिला, पुरुष, बच्चे रंग बिरंगे वस्त्र पहने गाजे बाजों और ढोल पर नृत्य करते हुए चल रहे थे। शोभायात्रा में महाराज निषादराज का चित्र बग्घी में विराजमान था। जगह -जगह पर व्यापारिक संगठनों एवं ग्राम पंचायत बाकानेर ने शोभायात्रा का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया तथा महाराज निषादराज के चित्र पर माल्यार्पण किया गया। शोभायात्रा स्थानीय मोटीमाता मंदिर से प्रारंभ होकर बस स्टैंड, बड़दा फाटे से पुन : शंकर मंदिर प्रांगण में समाप्त हुई जहाँ महाराज निषादराज की महाआरती कर विशाल भंडारे का आयोजन किया।

खेर माई में दो दिन लगेगा मेला

उचेहरा। नगर के वार्ड 12 में प्राचीन मां खेर माई मंदिर में 25 (सप्तमी) और 26 (अष्टमी) को दो दिनों का मेला बीते कई वर्षों से चैत्र नवरात्रि में लगता चला आ रहा है। उसी कड़ी में इस वर्ष भी बड़े ही धूमधाम से मां का जलसा दो दिनों तक मनाया जाएगा। समिति अध्यक्ष केशव ताम्रकार से मिली जानकारी अनुसार 25 को झंडा चढ़ाने उपरान्त कन्या भोजन, कथा पश्चात मेले की शुरुआत होगी इसी तरह 26 को दोपहर मां को अठ माइन चढ़ाने (विशेष भोग) के बाद ही दूसरे दिन के मेले की शुरुआत होगी। ज्ञात हो कि यह नगर का मेला होने के कारण अमूमन शाम के समय खासकर महिलाओं और बच्चो की अधिक भीड़ होती है मंदिर समिति द्वारा मेले की सभी आवस्यक तैयारियां पूरी कर ली गई है। मन्दिर की विशेष लाइटों से सजावट की गई है ।

अतिथि शिक्षकों ने आंदोलन की बनाई रणनीति

समय जगत, सुठालिया। आगामी 30 मार्च को भोपाल में होने वाले विशाल अतिथि शिक्षक आंदोलन को लेकर सुठालिया नगर में ब्लॉक स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में ब्लॉक के अंतर्गत आने वाले सभी संकुल प्रभारी अतिथि शिक्षक उपस्थित हुए। बैठक में आगामी आंदोलन को लेकर रणनीति बनाई गई और निर्णय लिया गया कि प्रत्येक संकुल से प्रत्येक स्कूल से सभी अतिथि शिक्षक भोपाल विशाल आंदोलन में पहुंचेंगे। बैठक में उपस्थित अतिथि शिक्षकों ने आंदोलन को सफल बनाने के लिए अपने सुझाव रखे और एकजुट होकर आंदोलन में भाग लेने का आह्वान किया। बैठक में बताया गया कि आंदोलन का उद्देश्य अतिथि शिक्षकों के हितों की रक्षा करना और उनकी मांगों को पूरा करवाना है। बैठक में उपस्थित अतिथि शिक्षकों ने आंदोलन को सफल बनाने के लिए पूरी तरह से तैयार रहने का निर्णय लिया।

शहीद दिवस के अवसर पर हुआ श्रमदान एवं पदयात्रा का आयोजन

समय जगत, झाबुआ। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत मेरा युवा भारत झाबुआ एवं जन अभियान परिषद झाबुआ मध्यप्रदेश के संयुक्त तत्वावधान में शहीद दिवस के अवसर पर 'मेरा भारत, मेरी जिम्मेदारी' थीम के अंतर्गत झाबुआ स्थित पीजी कॉलेज प्रांगण एवं आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छता अभियान का सफल आयोजन किया गया। इस अभियान में मेरा युवा भारत के स्वयंसेवकों के साथ बीएसडब्ल्यू एवं एमएसडब्ल्यू के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के अंतर्गत स्वयंसेवकों द्वारा चंद्रशेखर आजाद एवं महात्मा गांधी की प्रतिमाओं की साफ- सफाई कर माल्यार्पण किया गया, जिससे राष्ट्रनायकों के प्रति सम्मान व्यक्त किया गया। कार्यक्रम में जिला युवा अधिकारी प्रीति एवं जन अभियान परिषद के विकासखंड समन्वयक तोरिया डामोर ने भी सक्रिय सहभागिता निभाई।

विश्व कल्याण हेतु नौ दिवसीय महायज्ञ में भक्तिभाव से आहुतियां, भव्य दीपोत्सव आज

बिजासन धाम पर 108 कुंडीय भव्य श्री शतचंडी महायज्ञ में दिखा अद्भुत संगम

सारंगपुर/ भैंसवा माताजी। नवरात्रि के पावन अवसर पर भैंसवा माताजी स्थित माता बिजासन धाम पर आयोजित 108 कुंडीय भव्य श्री शतचंडी महायज्ञ में श्रद्धा और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है। महायज्ञ में प्रतिदिन सैकड़ों यजमान दंपति सपत्नीक शामिल होकर विधि-विधान से यज्ञ में आहुतियां अर्पित कर रहे हैं। विश्व शांति, जनकल्याण एवं भारत भूमि की खुशहाली तथा सनातन संस्कृति के पुनरुत्थान के संकल्प के साथ आयोजित इस महायज्ञ में प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु पहुंचकर मां भगवती बिजासन के दर्शन कर रहे हैं। दर्शन के उपरांत भक्त यज्ञ नारायण भगवान की परिक्रमा कर अपने परिवार एवं विश्व कल्याण की मंगलकामनाएं कर रहे हैं। महायज्ञ में यज्ञाचार्य पंडित इंद्रजीत पाराशर एवं पंडित संजय कृष्ण व्यास के सान्निध्य में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ अनुष्ठान संपन्न हो रहा है। ग्रामाचार्य ओम पाठक सहित सैकड़ों विद्वान पंडितों द्वारा यज्ञ वेदियों पर विराजमान यजमानों से आहुतियां दिलाई जा रही हैं। सोमवार को पंचम दिवस पर विशेष रूप से महालक्ष्मी पूजन के साथ एक हजार स्त्रोतों का पाठ किया गया। यज्ञ में भगवान विष्णु-लक्ष्मी, सौडास मातृका, वास्तु देवता, भोलेनाथ, मां बिजासन, भैरव जी, क्षेत्रपाल महाराज, देवनारायण भगवान, राम दरबार, शिव परिवार एवं हनुमान जी महाराज की विधिवत पूजा-अर्चना कर आहुतियां दी जा रही हैं। यज्ञाचार्यों ने बताया कि सिद्ध आसन पर विराजित मां बिजासन अपने भक्तों के कष्ट, शोक, पीड़ा और व्याधियों का निवारण करती हैं। मां के आशीर्वाद से इस महायज्ञ के माध्यम से पांच महायज्ञों का संकल्प पूर्ण होने जा रहा है।

महाअष्टमी के दिन विभिन्न औषधियों, फल-फूलों से विशेष आहुतियां अर्पित की जाएंगी, जिसकी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं।

आज होगा भव्य दीपोत्सव: मंगलवार शाम 7 बजे आरती के पश्चात भव्य दीपोत्सव का आयोजन किया जाएगा। दीपोत्सव प्रभारी दुर्गेश नागर ने बताया कि इस वर्ष भी लगभग तीन लाख दीप प्रज्ज्वलित किए जाएंगे। माता बिजासन मंदिर, नक्षत्र वाटिका, दूध तलाई सहित पूरे परिसर में दीपों की रोशनी से भव्य दृश्य सजेगा।

कल होगा पौधारोपण कार्यक्रम: बुधवार को महायज्ञ के अंतर्गत विशाल पौधारोपण एवं वृक्षपूजन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस दौरान करीब 500 फलदार पौधे लगाए जाएंगे। श्रद्धालु अपने पूर्वजों की स्मृति एवं परिवार के विशेष अवसरों पर पौधारोपण करेंगे। महायज्ञ के दौरान प्रतिदिन शाम 7 बजे होने वाली आरती में हजारों श्रद्धालु उमड़ रहे हैं। साथ ही आयोजित भंडारे में भी बड़ी संख्या में भक्तजन प्रसादी ग्रहण कर रहे हैं।

जल शक्ति से नव भक्ति कार्यक्रमों से दिया जल संरक्षण का संदेश

समय जगत, धार। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के मार्गदर्शन में संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जिलेभर में जल शक्ति से नव भक्ति कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य जल स्त्रोतों के संरक्षण, स्वच्छता और जनजागरुकता को बढ़ावा देना रहा। ग्राम पंचायत खलघाट में नर्मदा घाट पर मां नर्मदा की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। इस दौरान घाट परिसर में विशेष स्वच्छता अभियान चलाकर लोगों को जल संरक्षण का संदेश दिया गया। विकासखंड नालछा के शासकीय कन्या हाई स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों, परामर्शदाताओं एवं स्थानीय नागरिकों ने सहभागिता की। कार्यक्रम में जल संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए सेवा भावना को प्रोत्साहित किया गया। जानकारी विकासखंड समन्वयक सचिन त्रिवेदी द्वारा दी गई। इसी क्रम में शासकीय महाविद्यालय बदनावर में स्टूडेंट्स, मेंटर्स एवं सीएम सोशल इंटर्न्स की उपस्थिति में वृक्ष पूजन किया गया और जल एवं पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया गया। वहीं विकासखंड गंधवानी के भारत माता चौक पर नवांकुर संस्था द्वारा जल मंदिर की स्थापना कर पूजा-अर्चना की गई। छात्र-छात्राओं ने दीवार लेखन के माध्यम से जल संरक्षण का संदेश दिया तथा जल स्रोतों की साफ-सफाई कर स्वच्छता अभियान चलाया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणजन, पदाधिकारी एवं छात्र-छात्राएं शामिल हुए। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थितजनों को जल संरक्षण की शपथ दिलाई गई तथा वर्षा जल संचयन, जल के सदुपयोग और जल स्रोतों के संरक्षण हेतु सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया गया।

विश्व शांति व जनकल्याण हेतु आयोजित पदयात्रा का स्वागत

सारंगपुर। महामंडलेश्वर (घूमेश्वर धाम पवाया, ग्वालियर) अनिरुद्धवन महाराज के सानिध्य में घूमेश्वर धाम से महाकालेश्वर धाम तक निकाली जा रही विश्व शांति एवं जनकल्याण यात्रा का पुष्पा वर्षा कर स्वागत किया। सारंगपुर के नागरिकों ने सम्मिलित होकर पूज्य गुरुदेव का आशीर्वाद प्राप्त किया। महामंडलेश्वर ने कहा कि आज जब पूरा विश्व अशांति, संघर्ष और असंतुलन से जूझ रहा है, ऐसे समय में भारत की सनातन संस्कृति सदैव शांति, सद्भाव और सह अस्तित्व का संदेश देती आई है। इस भावना को और प्रबल करने की आवश्यकता है। रामचरितमानस का एक सुंदर दोहा इस भावना को व्यक्त करता है– परहित सरिस धरम नहि भाई, पर पीड़ा सम नहि अधमाई। अर्थात, दूसरों के हित के समान कोई धर्म नहीं और दूसरों को कष्ट देने जैसा कोई अधर्म नहीं।

आइए, हम सभी मिलकर सेवा, करुणा और शांति के मार्ग पर चलें तथा समाज और विश्व में सकारात्मक परिवर्तन लाने का संकल्प लें। सारंगपुर नगर में यात्रा का जगह-जगह हुआ स्वागत सुदर्शन नगर चौराहे से नगर वासियों ने राठी परिसर तक शोभायात्रा के रूप में चल रहे सभी पद यात्रियों का ढोल ढमाके पुष्पवर्षो से स्वागत किया। यात्रा के प्रभारी प्रदीप सादानी ने बताया कि सारंगपुर में अतिथि देवो की परंपरा है, जिसका हम सब निर्वाह कर रहे हैं। सर्व मंगल विश्व शांति के लिए यह जो पदयात्रा की जा रही है, उसका मूल उद्देश्य पूरी दुनिया में शांति की कामना और कल्याण है। इसी भावना के साथ हम सब उसमें सहभागी बनें। हमारे सभी मित्र मंडल साथियों ने इसमें सहयोग देकर इस कार्यक्रम को सफल बनाया। मैं उन सब का दिल से आभार व्यक्त करता हूं।

कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित क्षेत्र के विधायक राज्य मंत्री गौतम टेटवाल पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष रूपल प्रमोद सादानी, हिंदू उत्सव समिति अध्यक्ष ध्रुव भल्ला, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष दुर्गेश सोमानी नगर पालिका उपाध्यक्ष निलेश वर्मा ओमप्रकाश राठी,ओ. पी. विजयवर्गीय, पी. एस. मंडलोई, श्याम सुंदर राठी,हरीश राठी,प्रकाश विजयवर्गीय,शहर के प्रतिष्ठत सर्राफा व्यवसायी प्रदीप श्रीमाल कैलाश सोनी ठेकेदार दिनेश विजयवर्गीय सत्यनारायण शर्मा,पार्षद कमल शर्मा, कपड़ा व्यवसाय अरविंद चौधरी अनूप चौधरी माली समाज के जिला अध्यक्ष संतोष पुष्पद, ऐलम सिंह राजपूत,सिंह राजपूत लखन राजपूत, अभय सिसोदिया,कैलाश राजपूत, राजेंद्र गुप्ता, दिनेश राठौर सतीश राठौर सतीश मिश्रा,पंकज जैन,जगदीश चौरसिया, अखिलेश राठी प्रियेश पारीक, मनीष छापरवाल, नंदू पाटीदार, मांगीलाल पाटीदार,महेश पाटीदार, बबलू गुर्जर, शिव गुप्ता,अनिल माहेश्वरी श्याम बियानी, जगदीश राठौर आदि मौजूद रहे।

समयावधि एवं अंतर्विभागीय समन्वय बैठक में विविण योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा

झाबुआ। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत जितेन्द्रसिंह चौहान की अध्यक्षता में समयावधि एवं अंतर्विभागीय समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को समय सीमा में कार्य पूर्ण करने तथा आपसी समन्वय के साथ प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में सीएम हेल्पलाइन के अंतर्गत लंबित शिकायतों की विभागवार समीक्षा की गई। श्री चौहान ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं संतोषजनक निराकरण प्राथमिकता से किया जाए तथा अनावश्यक लंबित प्रकरणों को तत्काल समाप्त किया जाए। जल गंगा संवर्धन अभियान एवं जल संचय जन भागीदारी के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों एवं पोर्टल पर प्रविष्टियों की समीक्षा करते हुए उन्होंने निर्देश दिए कि अधिक से अधिक जनभागीदारी सुनिश्चित की जाए तथा जल संरक्षण से संबंधित गतिविधियों को गति प्रदान की जाए। सम्पूर्णता अभियान एवं संकल्प से समाधान अभियान के अंतर्गत लंबित प्रकरणों एवं लक्ष्यों की समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों को प्रगति में तेजी लाने तथा निर्धारित लक्ष्य समय पर प्राप्त करने के निर्देश दिए गए। जनगणना कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक तैयारियां समय पर पूर्ण करने एवं डाटा संकलन कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही न बरतने के निर्देश दिए गए। सीएम/सीएस मॉनिट अंतर्गत लंबित प्रकरणों की स्थिति की समीक्षा करते हुए श्री चौहान ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण कर समय पर जवाब प्रेषित किया जाए। सीपीग्राम एवं लोक सेवा गारंटी अधिनियम से संबंधित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि इन शिकायतों का प्राथमिकता से निराकरण किया जाए। दिव्यांग शिविरों की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित करने के निर्देश दिए गए। आंगनवाड़ी भवनों के निर्माण कार्यों एवं स्वास्थ्य विभाग के निर्माणाधीन भवनों की प्रगति की समीक्षा करते हुए उन्होंने निर्माण कार्यों में गुणवत्ता बनाए रखने तथा समयसीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। आदर्श ग्राम योजना अंतर्गत किए जा रहे विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा कर अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि ग्रामों में मूलभूत सुविधाओं का समुचित विकास सुनिश्चित किया जाए तथा योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। बैठक में एचपीवी टीकाकरण की स्थिति की भी समीक्षा की गई। स्वास्थ्य विभाग को निर्देशित किया गया कि निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप टीकाकरण अभियान को गति प्रदान की जाए।

भूसा बनाकर किया जा रहा है परिवहन, पशु मालिकों के सामने मंडराएगा संकट

व्यापारी बाहर से आकर 1 हजार रुपए प्रति बीघा खरीद रहे डंठल

समय जगत, सिलवानी। इन दिनों पूरे तहसील क्षेत्र में अवैध रुप से भूसा बनाने और उसे जिले से बाहर परिवहन करने का कारोबार जोरों से शुरु हो चुका है। किसानों में जागरुकता की कमी का फायदा बाहर से आने वाले भूसा व्यापारी जमकर उठा रहे हैं। किसान भी परेशानी से बचने के लिए खेतों में फसल निकालने के बाद डंठल या तो भूसा व्यापारियों को बेच देते हैं या फिर नरवाई में आग लगा देते हैं। जिससे हर साल तहसील क्षेत्र में भूसे का संकट तो मंडराता ही है साथ ही पशु पालकों को महंगे दामों पर भूसा खरीदने पर मजबूर होना पड़ता है। यही नहीं गौशाला में भी भूसे की कमी होने के कारण प्रबंधक पशुओं को जंगलों की ओर यथास्थिति में छोड़ देते हैं। उल्लेखनीय है कि गेहूं की फसल हार्वेस्टर से कटवाने के बाद किसान 500 से 1000 रुपए प्रति बीघा नरवाई भूसा बनाने वालों को बेच रहे हैं। इससे सीजन के दिनों में ही पशु पालकों को एक ट्रॉली भूसा 3 हजार से 3500 रुपए प्रति ट्रॉली की दर से खरीदना पड़ रहा है। इधर बाहर के व्यापारी खेतों में तैयार हो रहा भूसा सीधे खरीद कर बाहर भेज रहे हैं। कुछ स्टॉक कर रहे हैं। इससे कमी आने पर उसका भरपूर दाम वसूल सकें।

किसान खुद कर सकते हैं दोहरी कमाई : किसान यदि जागरुक होकर थोडी सी मेहनत कर ले तो डंठल से दोहरी कमाई कर सकते हैं। किसान या तो इन डंठलों से खाद बनाकर अगली फसल जैसे मूंग, सब्जी या अन्य फसलों का बेहतर उत्पादन कर सकते हैं।

या फिर खुद ही भूसा बनाकर इसे बेच सकते हैं, जिससे जहां फसलों में डलने वाले खाद में होने वाले खर्च की बचत होगी तो वहीं भूसा बेंचकर स्वयं भी संपन्न बन सकते हैं। लेकिन मेहनत से बचने के लिए किसानों की अनदेखी का फायदा माफिया किस्म के व्यापारी जमकर उठा रहे हैं।

गांव-गांव भूसा खरीदने घूम रहे व्यापारी: भूसा खरीदने के लिए गांव-गांव व्यापारी घूम रहे हैं। हार्वेस्टिंग के बाद व्यापारी खुद किसानों के खेत की नरवाई का भूसा ठेका में निकलवा कर ले जा रहे हैं। इसके कारण भूसे का स्थानीय स्तर पर स्टॉक नहीं हो पा रहा। गांव के किसान अपने जानवरों के लिए तो भूसा का स्टॉक कर लेते हैं। शेष भूसा या नरवाई व्यापारियों को हवाले कर देते हैं। व्यापारी भी खेत मालिक को हर तरह का लालच देकर भूसा खरीदकर परिवहन कर ही लेता है।

शासन की नीति ऐसी कि मजूदरों की कार्यक्षमता हुई कमजोर : दरअसल पहले किसान मजदूरों से फसल कटवाते थे। एक मजदूर को दिन भर में 20 किलो अनाज मिल जाता था। मजदूर परिवार के लिए साल भर का स्टॉक कर लेते थे। लेकिन सरकार ने मजदूरों को एक रुपए किलो गेहूं चावल देना शुरू किया है। कई बार वह एक रूपए भी नहीं देते हैं ऐसे में उन्हें फ्री में राशन पानी मिल जाता है, जिससे उनकी काम करने की क्षमता पूरी तरह से कमजोर हो गई यही वजह है कि अब मजदूर धूप में कटाई करने जाते ही नहीं। कटाई से थ्रेसिंग के दौरान खासा भूसा मिल जाता था। लेकिन वर्तमान में हार्वेस्टिंग की कटाई से आधा भूसा ही मिल पाता है। उसे भी व्यापारी खरीद कर ले जाते हैं। इससे लगातार तहसील में भूसा की समस्या आने लगी है।

स्वत्वाधिकारी, समय जगत मीडिया प्रा.लि. के लिए प्रकाशक, मुद्रक अशोक त्रिपाठी द्वारा श्री बालाजी प्रिंटर्स प्लॉट नं. 21, सेक्टर-एच, गोविंदपुरा इंडस्ट्रियल एरिया, भोपाल 462011 से मुद्रित कर जी-1 गोयल निकेत अपार्टमेंट प्रेस कॉम्प्लेक्स जोन-1 एमपी नगर भोपाल म.प्र. से प्रकाशित। पिन नं. 462011, संपादक **अभिनव त्रिपाठी।**
RNI-MPHIN/2004/13180 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार) सभी प्रकार के विवादों के लिए न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। **फोन :** 0755-4700402, ई-मेलः dainiksamayjagat@gmail.com

शिक्षक का मतलब शिष्ट क्षमतावान एवं कर्मठ : शिवकुमार गोस्वामी

वीरभूमि एन एस एस की चारों इकाइयों के विशेष शिविर का हुआ शुभारंभ

महोबा। वीरभूमि राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना के चारों इकाइयों का विशेष शिविर (सात दिवसीय) का उद्घाटन महाविद्यालय के सभागार में मुख्य अतिथि शिव कुमार गोस्वामी पूर्व प्रधानाचार्य एवं प्रतिष्ठित समाजसेवी, डॉ प्रदीप कुमार एसोसिएट प्रोफेसर एवं वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ डीके खरे द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया। डॉ प्रदीप कुमार ने विशेष शिविर के उद्घाटन की घोषणा कर रा.से.यो. के स्लोगन मै नहीं बल्कि आप पर प्रकाश डालकर समाज सेवा, स्वास्थ्य एवं रा.से.यो.के महत्व को बताया। मुख्य अतिथि श्री गोस्वामी ने अपने उद्बोधन में छात्र जीवन की घटना पर प्रकाश डालते हुए बताया

कि 1962 में छात्र के रूप में एन. सी. सी.का पहला कैंप किया था तो बहुत खुशी हुई थी साथ ही शिक्षकों की भूमिका, शिक्षक शब्द का विस्तार से अर्थ समझाते हुए कहा कि राष्ट्र सेवा सर्वोपरि सेवा है। मेरी तरफ से सभी छात्र छात्राओं को बहुत-बहुत शुभकामनाएं तथा सभी स्वयंसेवी जीवन में अपने शिक्षकों के बताएं मार्ग पर चलकर राष्ट्र सेवा में अपनी भूमिका अदा करेंगे। इस अवसर पर डॉ डीके खरे पूर्व कार्यक्रम अधिकारी ने विस्तार से रा.से.यो. के स्लोगन, कब क्यों शुरू किया गया आदि के बारे में विस्तार से बताया। एनएसएस की 11 इकाइयों के कार्यक्रम अधिकारियों द्वारा सात दिवसीय विशेष शिविर की रूपरेखा प्रस्तुत की गई और उद्घाटन के उपरांत चारों इकाइयों के स्वयंसेवक छात्र-छात्राएं एवं कार्यक्रम अधिकारी अपने-अपने सीवर स्थलों की ओर कूच कर गए उद्घाटन अवसर पर महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. अरविंद कुमार डॉ.एस.एस. राजपूत डॉ. सोवित कुमार गुप्ता डॉ.महेंद्र सिंह डॉ. अनवर आलम डॉ राम बिहारी डॉ.के .सी.वर्मा शैलेश कुमार तिवारी आदि उपस्थित रहे।

रंगारंग प्रस्तुतियों से सजा वार्षिकोत्सव

बच्चों की प्रतिभा ने जीता दिल

कुलपहाड़ (महोबा)। विकासखंड जैतपुर के कम्पोजिट विद्यालय नगाराडाँग में वार्षिकोत्सव कार्यक्रम धूमधाम से संपन्न हुआ। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ देकर सभी का मन मोह लिया। खास तौर पर ÷पन्ना का हार, पनागर का पान, आल्हा-ऊदल है महोबा की शान÷ प्रस्तुति पर पूरा पंडाल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने राधा-कृष्ण लीला सहित कई रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जिन्हें उपस्थित अभिभावकों और अतिथियों ने खूब सराहा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष महोबा जे.पी. अनुरागी ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत भी किया। इस अवसर पर उन्होंने बच्चों को जीवन में आगे बढ़ने और मेहनत से सफलता हासिल करने की प्रेरणा दी। साथ ही विद्यालय की व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए कहा कि नगाराडाँग का

विद्यालय हाईस्कूल तक उन्नत होना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन सुगिरा में पदस्थ शिक्षक अंकित द्विवेदी ने किया। विद्यालय के प्रधानाचार्यज विनोद पाठक ने सभी अतिथियों, अभिभावकों और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में शिक्षक कृष्णकांत शर्मा, अनिल कुमार, प्रीति खरे, मानक चंद्र, शेहा बाजपेयी, वंदना साहू, संचित गुप्ता, अवधेश, सुरेंद्र, राकेश, गोमती और शिवकुमार सहित अन्य स्टाफ का विशेष सहयोग रहा।

सार-समाचार

चित्रकूट पहुंची अखंड ज्योति रथ यात्रा का जगह जगह हुआ स्वागत

समय जगत, चित्रकूट। शांतिकुंज हरिद्वार की ओर से अखिल भारतीय गायत्री परिवार पूरे विश्व में शांति और एकता का संदेश दे रही ज्योति कलश रथयात्रा का चित्रकूट में भव्य स्वागत हुआ। धार्मिक नगरी में जगह-जगह ज्योति कलश यात्रा का पूजन कर पूज्य गुरुदेव द्वारा जलाई गई ज्योति का दर्शन किया ।यह अखंड ज्योति पूरे देश में शहर शहर सनातन धर्म को एकता का संदेश दे रही है ।शक्तिपीठ के व्यवस्थापक आचार्य राम नारायण त्रिपाठी ने बताया कि पूज्य गुरुदेव द्वारा 1926 में 24 लाख के साथ अखंड ज्योति गायत्री शक्तिपीठ हरिद्वार में जलाई गई थी जो आज भी प्रज्वलित है ,वही अखंड ज्योति लेकर गायत्री परिवार के साधक पूरे देश में अखंड दीप के शताब्दी वर्ष को मनाये जाने का संदेश दे रहे हैं ।2026 में अखंड दीप शताब्दी वर्ष और बंदनीया माता जी का शताब्दी वर्ष आध्यात्मिक भक्ति भावना के साथ मनाया जाएगा वही संदेश हम जन-जन तक पहुंचा रहे हैं ।यह कलश यात्रा धार्मिक नगरी चित्रकूट के विभिन्न गांवों शहरों में पहुंच रही है ।लाखों श्रद्धालुओं ने कलश यात्रा का स्वागत किया और अखंड ज्योति का पूजन करके दर्शन लाभ लिया।

तहसील सभागार राजापुर में संपूर्ण समाधान दिवस का किया गया आयोजन

समय जगत, चित्रकूट। दिनाँक 23 मार्च को मुख्य विकास अधिकारी डीवी पाल एवं अपर पुलिस अधीक्षक चित्रकूट सत्यपाल सिंह की अध्यक्षता में में तहसील सभागार राजापुर में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। मुख्य विकास अधिकारी ने समाधान दिवस में प्राप्त समस्याओं के निस्तारण रजिस्टर का परीक्षण करते हुए निस्तारण आख्या को देखकर सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन समस्याओं का निस्तारण किया जाता है, उन समस्याओं के निस्तारण से समस्या ग्रस्त व्यक्ति को भी अवगत कराया जाए। अपर पुलिस अधीक्षक चित्रकूट ने संपूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों/प्रार्थना पत्रों के सम्बन्धित अधिकारियों से कहा कि शासन द्वारा निर्धारित समय सीमा के अंदर त्वरित निस्तारण शासन की मंशा के अनुरूप व गुणवत्तापूर्ण कराना सुनिश्चित करें। जमीन सम्बन्धित विवाद में राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम बनाकर भूमि सम्बन्धी मामलों को प्राथमिकता के साथ निस्तारित किया जाये।

पत्रकार के निधन पर वितरकों ने दी श्रद्धांजलि

समय जगत, बांदा। समाचार पत्र विक्रेता संघ के द्वारा पत्रकार विवेक मिश्रा के असमय निधन पर वितरक साथियों ने श्रद्धांजलि अर्पित की और ईश्वर से प्रार्थना की कि उनकी आत्मा को शांति दे ।जिलाध्यक्ष महेश प्रजापति ने जानकारी देते हुए बताया कि पत्रकार विवेक मिश्रा ने समाचार के कई संस्थानों में कार्य किया ।अखबार जगत में कई वर्षों से लगातार कार्य कर रहे हैं ।हमेशा वितरक साथियों के हित में कार्य किया है ।संरक्षक राजकुमार गुप्ता ने सरकार से मांग की कि प्रदेश सरकार के द्वारा पत्रकार आयोग का गठन करना चाहिए और साथ में वितरक आयोग कभी गठन करना चाहिए ।जिससे पत्रकार साथी एवं वितरक साथी के साथ होने वाली घटनाओं को लेकर उनको कुछ सहयोग मिल सके। इस दौरान प्रकाश गुप्ता,विमल कृष्ण श्रीवास्तव, गोपी राजेश कुमार,शेखर,कमल अवस्थी, जयप्रकाश,कबीर,अनिल राजपूत,कमलेश पाल आदि उपस्थित रहे।

चोर गिरोह के 3 सदस्य गिरफ्तार

समय जगत, बांदा। थाना कोतवाली नगर पुलिस टीम द्वारा विभिन्न स्थानों से हुई मोटरसाइकिल चोरी की घटना का अनावरण करते हुए अन्तर्जनपदीय वाहन चोर गिरोह के 3 सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया। थाना कोतवाली नगर क्षेत्र में विभिन्न स्थानों से वाहन चोरी के संबंध में थाना कोतवाली नगर पर सूचना प्राप्त हुई थी ।जिसके संबंध में थाना कोतवाली नगर में अभियोग पंजीकृत किया गया था ।टीमों का गठन कर अभियुक्तों की पहचान व गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे थे ।थाना कोतवाली नगर पुलिस द्वारा गश्त एवं चेकिंग के दौरान रात्रि को मुखबिर की सूचना पर दीप ढाबा के आगे अतर्रा रोड के पास से 3 अभियुक्तों प्रशांत उर्फ चंदू उर्फ राणा पुत्र जगतपाल निवासी रामपुर थाना औंग फतेहपुर,रोहित उर्फ बउवा पुत्र छिद्दू निवासी रामपुर थाना औंग फतेहपुर,अली मोहम्मद पुत्र मोहम्मद हनीफ निवासी चैडगरा थाना कल्याणपुर जनपद फतेहपुर को गिरफ्तार किया गया ।मौके से चोरी की 2 मोटरसाइकिल व बोरी में 2 मोटरसाइकिल के इंजन बरामद हुए ।उनकी निशादेही पर 4 अन्य मोटरसाइकिलों सहित कुछ 6 मोटरसाइकिलें बरामद हुई ।पूछताछ की गई तो पाया गया कि दोनों मोटरसाइकिल विकास भवन व जिला अस्पताल से चोरी किया गया था ।अभियुक्तों द्वारा बताया गया कि वे तीनों जनपद के भीड़-भाड़ वाले स्थानों,सरकारी कार्यालयों,अस्पतालों आदि से मोटरसाइकिल चोरी करते है तथा उनके पार्ट अलग अलग कर बेच देते थे ।वाहनों की पहचान छुपाने के उद्देश्य से वाहनों के नम्बर प्लेट बदल देते थे व नम्बर खुरच देते थे ।इंजन,चेसिस नम्बर को भी खुरच कर मिटा देते थे ।इनके द्वारा अन्य स्थानों से भी मोटरसाइकिलें चोरी की गई थी ।इस संबंध में गहनता से जांच की जा रही है कि इनके द्वारा और किन किन स्थानों से मोटरसाइकिल चोरी की घटना को अंजाम दिया गया है।

समाधान दिवस में 7 शिकायतें निपटी

बांदा। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में तहसील बबेरू में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिये कि प्राप्त शिकायतों का समयबद्धता एवं गुणवत्ता से निस्तारण किया जाए।सम्पूर्ण समाधान दिवस में राजस्व के 34, पुलिस के 8,विकास के 6 व अन्य विभागों की 5 शिकायतें प्राप्त हुई।कुल 60 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें से मौके पर 7 शिकायतों का निस्तारण किया गया।अवशेष शिकायतों को निस्तारित करने के निर्देश दिए।समाधान दिवस में गायत्री नगर निवासी दिनेश पाल द्वारा रास्ते में ईंटा डालकर कब्जा करने की शिकायत पर उप जिलाधिकारी बबेरू को कार्यवाही करने के निर्देश दिये।ग्राम राजीपुर निवासी एक फरियादी द्वारा उसकी जमीन पर कब्जा किये जाने की शिकायत पर एसएचओ कमासिन एवं नायब तहसीलदार कमासिन को कार्यवाही करने के निर्देश दिये।पिडारन के एक फरियादी द्वारा नलकूप खराब होने की शिकायत पर अधिशाषी अभियंता नलकूप को नलकूप ठीक कराये जाने के निर्देश दिये।किसान यूनियन के द्वारा क्षेत्र में गेंहूँ खरीद केन्द्र खुलवाये जाने तथा अन्य समस्याओं से सम्बन्धित प्रार्थन पत्र प्रस्तुत किया।जिस पर उपजिलाधिकारी बबेरू को कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये।एक फरियादी द्वारा विद्युत कनेक्शन दिलाये जाने का आवेदन किया गया,जिस पर अधिशाषी अभियंता विद्युत को शीघ्र कनेक्शन दिलाये जाने के निर्देश दिये गये।कई फरियादियों के द्वारा राशन कार्ड बनाये जाने का आवेदन किया गया।जिस पर जिला पूर्ति अधिकारी को कार्यवाही करने के निर्देश दिये। तहसील बबेरू में पुलिस अधीक्षक ने पुलिस विभाग से सम्बन्धित शिकायतों को सुनते हुए निस्तारण के निर्देश संबन्धित पुलिस अधिकारियों को दिये। सम्पूर्ण समाधान दिवस में उप जिलाधिकारी बबेरू, परियोजना निदेशक डीआरडीए, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार सहित संबधिंत विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

गर्मी के मौसम को देखते हुए विद्युत ढीले एवं झूलते तारों को करें दुरुस्त

अवैध कनेक्शनों पर करें कार्यवाही-सीईओ, साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित

धौलपुर। फ्लैगशिप योजनाओं, बजट घोषणाओं, विद्युत एवं पेयजल आपूर्ति तथा मौसमी बीमारियों की रोकथाम को लेकर साप्ताहिक समीक्षा बैठक का आयोजन सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद ए एन सोमनाथ की अध्यक्षता में किया गया। उन्होंने विद्युत विभाग को निर्देश देते हुए कहा कि गर्मी के मौसम को देखते हुए विद्युत की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की जाए, जिससे आमजन को किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। उन्होंने कहा कि विद्युत के अवैध कनेक्शनों के विरूद्ध कार्यवाही किया जाना सुनिश्चित करें। सड़क किनारे विद्युत के ढीले एवं झूलते तारों को दुरूस्त किया जाए। वहीं पीएचईडी के अधिकारियों को निर्देश दिए कि गर्मी को ध्यान में रखते हुए पेयजल आपूर्ति से संबंधित सभी व्यवस्थाएं सुचारू रखें तथा समय-समय पर पानी के नमूने लेकर गुणवत्ता जांच कराना सुनिश्चित करें, ताकि आमजन को शुद्ध एवं स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो सके।

गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए मौसमी बीमारियों की रोकथाम के लिए जलभराव वाले क्षेत्रों में फॉगिंग गतिविधियां सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए गए। साथ ही आगामी दिनों में हीटवेव की सम्भावना को देखते हुए सभी चिकित्सा

संस्थानों पर व्यापक इंतजाम सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि राज्य सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं एवं बजट घोषणाओं का धरातल पर प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए, ताकि पात्र लाभार्थियों को समय पर लाभ मिल सके। उन्होंने महिला अधिकारिता विभाग को लाडो प्रोत्साहन योजना के लक्ष्यों को शीघ्र प्राप्त करने के निर्देश दिए। बैठक में राजस्थान सम्पर्क पोर्टल, जिला स्तरीय जनसुनवाई एवं प्रतिदिन जनसुनवाई में प्राप्त लंबित परिवादों की विभागवार समीक्षा की गई। उन्होंने निर्देश दिए कि लंबित प्रकरणों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण किया जाए। साथ ही न्यूज पेपर कटिंग्स पर भी चर्चा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री कार्यालय से प्राप्त परिवादों की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि इन प्रकरणों को अत्यंत संवेदनशीलता एवं प्राथमिकता से लेते हुए त्वरित एवं तर्कसंगत समाधान किया जाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने कहा कि रबी विपणन वर्ष 2026 के अंतर्गत सरसों और चना की न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद शीघ्र प्रारंभ की जाएगी। इसके लिए सभी अधिकारी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। गत साप्ताहिक बैठक में दिए गए निर्देशों की पालना की समीक्षा करते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्देशों की अनुपालना में किसी भी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी।

गड्ढा मुक्त का दावा फेल, 6 महीने में उखड़ी सड़क, लोनिवि पर भ्रष्टाचार के आरोप—ग्रामीण बोले 'मौत का रास्ता'

लोक निर्माण विभाग खंड संख्या 2 की कार्यशैली एक बार फिर सवालों के घेरे में

राठ/हमीरपुर। तहसील क्षेत्र के ग्राम औड़ेरा में लोक निर्माण विभाग खंड संख्या 2 की कार्यशैली एक बार फिर सवालों के घेरे में है। गांव से राठ और सैदपुर को जोड़ने वाली मुख्य सड़क, जिसे महज 6 माह पहले ÷गड्ढा मुक्त÷ घोषित किया गया था, आज पूरी तरह जर्जर हालत में पहुंच चुकी है। ग्रामीणों के मुताबिक, सड़क निर्माण के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति की गई। नतीजा यह रहा कि महज एक महीने के भीतर ही सड़क उखड़ने लगी और अब हालत यह है कि पूरी सड़क बड़े-बड़े गड्ढों में तब्दील हो चुकी है। गांव निवासी चरणसिंह, मंगल, अंतू, जगभान, रमाशंकर, कल्लू, रामशरण और अवधेश समेत कई लोगों ने आरोप लगाया कि सड़क चौड़ीकरण और स्थायी मरम्मत की मांग कई बार की गई, लेकिन हर बार

विभाग ने सिर्फ लीपापोती कर मामले को टाल दिया। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क पर चलना अब नरक जैसा हो गया है, आए दिन लोग गिरकर चोटिल हो रहे हैं, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी चुप्पी साधे बैठे हैं। ग्रामीणों ने साफ तौर पर ठेकेदारों और लोक निर्माण विभाग खंड-2 के अधिकारियों पर गंभीर लापरवाही और भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि अगर गुणवत्ता के साथ काम हुआ होता, तो सड़क इतनी जल्दी खराब नहीं होती। जब ÷गड्ढा मुक्त÷ सड़क एक महीने में ही दम तोड़ दे, तो क्या यह सिर्फ लापरवाही है या फिर भ्रष्टाचार की बड़ी कहानी? सड़क का पुनः उच्च गुणवत्ता के साथ निर्माण कार्य कराना। और दोषी ठेकेदार और अधिकारियों पर कार्रवाई करने सहित सड़क चौड़ीकरण की मांग की है। औड़ेरा की यह सड़क अब सिर्फ एक रास्ता नहीं, बल्कि सिस्टम की लापरवाही और भ्रष्टाचार की कहानी बन चुकी है। सवाल यही है कि आखिर कब जागेगा प्रशासन? मामले में लोक निर्माण विभाग खंड 2 के अधिशाषी अभियंता दृगपाल वर्मा से बात की गई तो उन्होंने जल्द जर्जर सड़क को गढ्ढा मुक्त सड़क बनवाने का आश्वासन दिया है।

दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर में हवन पूजन के साथ राम दरबार की प्राण प्रतिष्ठा

समय जगत हमीरपुर। दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर में राम दरबार के प्राण प्रतिष्ठा के पहले राम लक्ष्मण व जानकी के झांकी सजाकर निकाली गई। इसके बाद सोमवार को हवन पूजन के बाद मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा के साथ भंडारा का आयोजन हुआ। जिसमें सैकड़ों की संख्या में पहुंचे लोगों ने भंडारा में प्रसाद ग्रहण किया। शहर के दीक्षित तिराहा स्थित दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर में मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम, लक्ष्मण व जानकी प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा का आयोजन हुआ। कार्यक्रम के आयोजक अजय कुमार शुक्ला ने बताया कि मंदिर निर्माण के बाद शनिवार को गणेश व वेदी पूजन किया गया था। वहीं रविवार को राम लक्ष्मण व हनुमान की झांकी सजा कर प्राण प्रतिष्ठा की

मूर्तियों को शहर में शोभा यात्रा निकाली गई। यह यात्रा शहर के विद्या मंदिर, रमेड़ी तरौस, देवादास, सुभाष बाजार, अस्पताल रोड, किंग रोड होते हुए पहुंची। सोमवार को पंडितों द्वारा हवन पूजन कराते हुए मंदिर में राम, लक्ष्मण व जानकी की प्रतिमा का स्थापना कराई गई। इसके बाद विशाल भंडारे का आयोजन हुआ। जो दोपहर के देर शाम तक चलता रहा। वहीं दूर दराज से आकर लोगों ने प्रसाद खाया।

खिलाड़ियों ने खेल सुविधाओं की कमी को लेकर कलेक्टर के नाम सौंपा ज्ञापन

नटेरन के युवाओं ने बुलंद की खेल मैदान के लिए भूमि की मांग

समय जगत, नटेरन। तहसील मुख्यालय नटेरन के ग्रामीण युवाओं और स्थानीय खिलाड़ियों ने खेल सुविधाओं की कमी को दूर करने के लिए एक जुट होकर हुंकार भरी है। सोमवार को बड़ी संख्या में युवाओं ने एकत्रित होकर अनुविभागीय अधिकारी के माध्यम से जिला कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा, जिसमें सांदीपनी स्कूल के पीछे स्थित शासकीय भूमि को खेल मैदान के लिए आवंटित करने की मांग की गई है। ज्ञापन देने पहुंचे ग्रामीण युवाओं का कहना है कि नटेरन क्षेत्र में खेल प्रतिभाओं की कमी नहीं है, लेकिन एक व्यवस्थित खेल मैदान न होने के कारण उन्हें अभ्यास करने में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। युवाओं ने मांग की है कि नटेरन पटवारी हल्का की सेवा भूमि (सर्वे क्रमांक 825/1) में से 8 बीघा जमीन को खेल मैदान के रूप में विकसित किया जाए। मुख्यालय के नजदीक होने के कारण यहां ग्रामीण युवा आसानी से अभ्यास कर सकेंगे और अपनी प्रतिभा को निखार सकेंगे। स्थानीय स्तर पर खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन से क्षेत्र का नाम रोशन होगा। सांदीपनी स्कूल के बच्चों को भी मिलेगा लाभ युवाओं ने यह भी रेखांकित किया कि प्रस्तावित जमीन सांदीपनी स्कूल के ठीक पीछे स्थित है।

यदि यहां खेल मैदान का निर्माण होता है तो सांदीपनी स्कूल के छोटे बच्चों को खेल-कूद की गतिविधियों के लिए एक सुरक्षित और बेहतर स्थान मिल सकेगा। इसके साथ ही यहां बड़े स्तर पर शासकीय और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी सुगमता से किया जा सकेगा। ग्रामीणों के अनुसार, उक्त सर्वे नंबर में कुल 25 बीघा से अधिक भूमि उपलब्ध है, जिसमें से केवल 8 बीघा भूमि की मांग खेल के लिए की जा रही है।

बिस्टान से तय होगी ओबीसी मोर्चा की रणनीति, तेज तर्रार नेता को बनाया प्रदेश नीति एवं शोध प्रभारी

समय जगत, बिस्टान। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश संगठन द्वारा नई प्रदेश कार्यकारिणी की घोषणा करते हुए खरगोन जिले के बिस्टान निवासी, संघनिष्ठ एवं भाजपा के प्रखर वक्ता संतोष पाटिल को महत्वपूर्ण सांगठनिक उत्तरदायित्व सौंपा गया है। श्री पाटिल को भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा (म.प्र.) का प्रदेश प्रभारी - नीति एवं शोध नियुक्त किया गया है।

वरिष्ठ नेतृत्व ने जताया विश्वास: श्री पाटिल की इस नियुक्ति पर मुख्यमंत्री मोहन यादव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष पवन पाटीदार, प्रदेश कार्यालय मंत्री श्याम महाजन, प्रदेश उपाध्यक्ष एवं संभाग प्रभारी सुरेन्द्र शर्मा तथा जिला अध्यक्ष श्रीमती नंदा ब्राह्मणे ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

वैचारिक निष्ठा और सांगठनिक अनुभव: मूलत: बिस्टान (खरगोन) के रहने वाले श्री पाटिल छात्र जीवन से ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की मूल विचारधारा से ओत-प्रोत रहे हैं और लंबे समय से भारतीय जनता पार्टी के सक्रिय कार्यकर्ता के रूप में संगठन को मजबूती दे रहे हैं। उनकी इसी वैचारिक प्रखरता और निष्ठा को देखते हुए संगठन ने उन्हें नीति एवं शोध जैसा महत्वपूर्ण और बौद्धिक विभाग सौंपा है। अब श्री पाटिल प्रदेश स्तर पर ओबीसी वर्ग के कल्याण की योजनाओं और संगठन की नीतियों को डेटा एवं शोध के माध्यम से नई ऊंचाइयां प्रदान करेंगे। अपनी माटी के कार्यकर्ता को प्रदेश स्तर पर बड़ा उत्तरदायित्व मिलने से बिस्टान क्षेत्र और खरगोन भाजपा में भारी उत्साह है।